



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 20, 2011/पौष 30, 1932

No. 20]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 20, 2011/PAUSA 30, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2011

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. तथा मैक्सिको के मूल के या वहां से निर्यातित पेंसिलिन-जी पोटेशियम तथा चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित 6-एपीए के आयातों के बारे में पाटनरोधी जाँच ।

फा. सं. 14/19/2009-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण), नियमावली (जिसे आगे नियम कहा गया है) 1995 को ध्यान में रखते हुए ।

क. प्रक्रिया :

2. निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत अलेबिक लि., बड़ोदरा (पेंसिलिन-जी तथा 6-एपीए दोनों का विनिर्माता) तथा मै. सदर्न पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज कार्पे. लि. (एस पी आई सी), चेन्नई (केवल पेंसिलिन-जी का विनिर्माता) से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें चीन जन.गण. तथा मैक्सिको (जिन्हें इस अधिसूचना में आगे पेंसिलिन-जी के लिए संबद्ध देश कहा गया है); और (ख) चीन जन.गण. (जिसे आगे 6 एपीए के लिए संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित 6-अमीनोपेंसिलेनिक एसिड (जिसे 6 एपीए भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है ।

(ii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की कार्यवाही शुरू करने से पूर्व याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया ।

(iii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर दिनांक 22 जुलाई, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित किया गया जिसके तहत नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार चीन जन.गण. तथा मैक्सिको के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंसिलिन-जी पोटेशियम तथा चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित 6-एपीए के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू की गई ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी

(iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 22 जुलाई, 2009 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भारत में संबद्ध देशों के प्रतिनिधियों, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।

(v) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के प्रतिनिधियों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति भेजी

(vi) भारत में संबद्ध देशों के प्रतिनिधियों को नियम 6(2) के अनुसार इस अनुरोध के साथ जांच शुरूआत के बारे में सूचित किया गया कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश (देशों)/क्षेत्र (क्षेत्रों) के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति ज्ञात निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उनके पास भी भेजी गई थी ।

(vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं ।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	उत्पाद	कंपनी
1.	नॉर्थ चाइना फार्मास्यूटीकल कंपनी	पैन-जी एंड 6-एपीए	चीन जन.गण.
2.	अरबिन्दो टॉगलिंग (डाटॉग) फार्मास्यूटीकल कंपनी लि.	पैन-जी	चीन जन.गण.
3.	झुहाई जिनयू इंपोर्ट एंड एक्स. कं. लि.	पैन-जी	चीन जन.गण.
4.	हेबेई झोंगरन	पैन-जी	चीन जन.गण.
5.	झोंगरू फार्मास्यूटीकल	पैन-जी	चीन जन.गण.
6.	जियांगसी डोंगफेंग फार्मास्यूटीकल कं. लि.	पैन-जी	चीन जन.गण.

7.	सिचुआन फार्मास्यूटीकल कं. लि.	पेन-जी एंड 6-एपीए	चीन जन.गण.
8.	फेरसिनसा, मैक्सिको	पेन-जी	मैक्सिको
9.	हारबिन फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि.	6-एपीए	चीन जन.गण.
10.	चेगडू यूनाइटेड लेबोरेटरीज	6-एपीए	चीन जन.गण.
11.	हेनान जियांनार्जिंग हुआजिंग फार्मा फैक्ट्री	6-एपीए	चीन जन.गण.
12.	हेबेई झोंगरू फार्मास्यूटीकल कं. लि. (शिजियाझुआंग फार्मा ग्रुप)	6-एपीए	चीन जन.गण.
13.	एन सी पी सी बेटा कं. लि.	6-एपीए	चीन जन.गण.
14.	लिवर्जोन स्यान्टफार्म कं. लि. (झुहाई एफटीजैड)	6-एपीए	चीन जन.गण.
15.	शेनडॉंग लुकांग फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि.	6-एपीए	चीन जन.गण.
16.	झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं. लि.	6-एपीए	चीन जन.गण.

viii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने जवाब दिया है :

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	नॉर्थ चाइना फार्मास्यूटीकल कंपनी, चीन.जन.गण.
2.	अरबिन्दो (डाटोंग) बायो-फार्मा, चीन जन.गण.
3.	झांग जिया कोऊ गिस्ट-ब्रॉकेड्स फार्मास्यूटीकल, चीन.जन.गण.
4.	झांग जिया कोऊ दहा फार्मास्यूटीकल, चीन.जन.गण.
5.	डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं., चीन जन.गण.
6.	एन सी पी सी बेटा कं., लि. चीन जन.गण.
7.	फेरसिनसा जीबी, मैक्सिको
8.	डीएसएम एंटी-इन्फेक्टिव्स बी वी, नीदरलैंड

ix नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और/अथवा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी ।

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	डीएसएम एंटी इनफेक्टिव्स इंडिया लि.
2.	एल्डर फार्मास्यूटीकल्स लि.
3.	केडीएल बायोटेक लि.
4.	लुपिन लेबोरेटरी लि.
5.	मेडोक्स एजेंसी
6.	नेक्टर लाइफ साइंसेस लि.
7.	सूर्या फार्मास्यूटीकल्स लि.
8.	धानुका लैब्स
9.	अरबिन्दो फार्मा. लि.
10.	हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लि.

11.	एशियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्यूटीकल्स
12.	यूनीमार्क रेमेडीटीज लि.
13.	पेनम लेबोरेट्रीज लि.
14.	एमलहमेटेड ड्रग्स एंड फार्मास्यूटीकल्स प्रा.लि.
15.	यूरो एशियन इंडस्ट्रीयल कं.
16.	एपेक्स ड्रग हाऊस
17.	जिप्सी ऑर्गेनिक्स इंडिया इंक.
18.	मालवीय कैमिकल्स एंड फार्मास्यूटीकल्स (प्रा.) लि.
19.	भगेरिया डाई कैम. लि.
20.	सेबन इंडिया लि.
21.	पेराबोलिस ड्रग्स लि.
22.	कॉन्सेप्ट फार्मास्यूटीकल्स लि.
23.	दलास बायोटेक लि.
24.	रेनबैक्सी लेबोरेट्रीज लि.
25.	सूर्या फार्मास्यूटीकल लि.
26.	टिनि फार्मा. लि.
27.	एलजेंट फार्मास्यूटीकल लि.

x. निम्नलिखित आयातकों/दूतावासों से उत्तर प्राप्त हुए हैं: -

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	डीएसएम एंटी इनफेक्टिव्स इंडिया लि.
2.	रेनबैक्सी लेबोरेट्रीज लि.
3.	एशियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्यूटीकल्स
4.	पीरामल हेल्थकेयर लिमिटेड
5.	अरबिन्दो फार्मा लि., हैदराबाद
6.	एम्बेसी ऑफ मैक्सिको
7.	फेडरेशन ऑफ फार्मा इंटरप्राइजेज (एफओपीई)
8.	डॉक्टर लाइफलाइन रेमीडीज (इंडिया) लिमिटेड
9.	नेक्टर लाइफ साइसेंस लि., चांदीगढ़
10.	ओटसुका कैमिकल इंडिया लि., गुडगांव
11.	यूनिमार्क रेमेडीज लि., मुम्बई
12.	बल्क ड्रग मैनुफैक्चरर्स एसो., हैदराबाद
13.	जनक लेबोरेट्रीज लि., अल्वर
14.	मै. लुपिन लि.
15.	अम्बुजा इंटरमीडिएट्स प्रा. लि.
16.	विरचो पेट्रोकेमिकल प्रा. लि. हैदराबाद

xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और यह फाइल हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुली रखी;

xii. याचिकाकर्ताओं ने अपने आवेदन में पेंसिलिन-जी हेतु वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) और वर्ष 2008-09 के लिए आई बी आई एस (गौण स्रोत) तथा समूची जांच अवधि के लिए 6-एपीए हेतु आई बी आई एस (गौण स्रोत) द्वारा प्रकाशित आयात की सूचना पर भरोसा किया। तथापि, जांच की शुरुआत के बाद आई बी आई एस तथा डी जी सी आई एंड एस के आयातों के समूचे आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और यह निर्धारित किया गया कि आई बी आई एस से प्राप्त आयात की मात्रा डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों से अधिक थी। अतः एकरूपता बनाए रखने और इस तथ्य को भी ध्यान में रखते हुए कि पैन जी तथा 6 ए पी ए दोनों के लिए जांच अवधि के दौरान आई बी आई एस में आयात की मात्रा अधिक है, यह निर्णय लिया गया है कि क्षति विश्लेषण में मात्रा एवं कीमत प्रभाव हेतु तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु आई बी आई एस की आयात संबंधी सूचना को हिसाब में लिया जाए।

xiii. घरेलू उद्योग और निर्यातक की सूचना तथा आंकड़ों का आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।

xiv. आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xv. दोनों उत्पादों के लिए जांच 1 अक्टूबर, 2008 से 31 मार्च, 2009 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। पेंसिलिन-जी के मामले में क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 अप्रैल 2007-08, अप्रैल 2008-सितंबर, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी। तथापि 6- ए पी ए के मामले में चूंकि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2007 में ही उत्पादन पुनः शुरू किया था, इसलिए क्षति जांच वर्ष 2007-08 तथा 2008-09 तक की सीमित करनी पड़ी।

xvi. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. तथा मैक्सिको के मूल की या वहां से निर्यातित पैनसिलीन-जी पोटेशियम और चीन जन.गण के मूल की या वहां से निर्यातित 6-एपीए के आयातों के संबंध में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क (11 फरवरी, 2010 की प्रारम्भिक जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 14/19/2009-डी जी ए डी के तहत, संबद्ध वस्तु अध्याय-29 के अंतर्गत आती है) लागू करने की सिफारिश की थी।

xvii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 18 मार्च, 2010 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों का अवसर भी प्रदान किया। सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों/उत्तरों में दिए गए तर्कों पर प्राधिकारी द्वारा 21 दिसंबर, 2010 को जारी प्रकटन विवरण और इस जांच परिणाम में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर जहां संगत पाया गया है इस जांच परिणाम में विचार किया गया है।

xviii. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में आवेदकों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पेंसिलीन-जी पोटेशियम और 6-एपीए हैं। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ पेंसिलीन-जी और 6-एपीए को दो अलग-अलग उत्पाद माना है। पेंसिलीन सामान्यतः ग्राम-पोजिटिव, आर्गेनिज्म से होने वाले विषाणु संक्रमण के उपचार में प्रयोग किया जाने वाला बीटा लेक्टम एंटीबायोटिक है "पेंसिलीन" के नाम का उल्लेख उपलब्ध पेंसिलीन के विभिन्न परिवर्तकों या पेंसिलीन से प्राप्त एंटीबायोटिक के समूह के रूप में किया जा सकता है। पेंसिलीन-जी एक कार्बनिक यौगिक है और यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 में वर्गीकृत है। पेंसिलीन ऐसा पहला एंटी बायोटिक है जिसे अलग कर विभिन्न रोगों और संक्रमणों के उपचार में प्रयोग किया जा सकता है जबकि पेंसिलीन : स्ट्रेप, निमोनिया, स्पाइनल मैनिएग्रिटिस, गैस गैंगरिन, डिपथेरिया, सिफलिस और गनोरिया में अत्यधिक कारगर है।

4. 6-एपीए पेंसिलीन-जी की व्युत्पत्ति है और यह एक कार्बनिक रसायन है। 6-एपीए एक सफेद पाउडर होता है। यह सामान्य स्थितियों में स्थायी होता है और इसका गलनांक 198 - 200° सेंटीग्रेट है। इसका उपयोग एम्पीसिलिन ट्राइहाइड्रेट, एमोक्सिलिन ट्राइहाइड्रेट, जी सी एल ई आदि जैसी प्रमुख जीवाणुरोधी दवाओं के विनिर्माण में किया जाता है।

5. संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के उप शीर्ष 2941 तथा भारतीय सीमाशुल्क वर्गीकरण के उप शीर्ष 29411010 (पेंसिलीन-जी) और 29411050 (6-एपीए) के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद एवं वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

ग. समान वस्तु

6. प्राधिकारी ने वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ पेंसिलीन-जी और 6-एपीए को अलग वस्तु माना है । समान वस्तु के बारे में नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

7. दोनों घरेलू समान उत्पादों के लिए अलग-अलग रूप से यह नोट किया जाता है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, विपणन तथा वितरण तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है । दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । उपभोक्ता दोनों का उपयोग अदल-बदल कर कर रहे हैं । इस संबंध में किसी भी प्रतिपक्षीय हितबद्ध पक्षकार ने आपत्ति नहीं की है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमानुसार संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान घरेलू वस्तु माना जा रहा है ।

दो उत्पादों के लिए एक जांच शुरुआत के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे

8. अनंतिम जांच परिणाम जारी होने के बाद और सार्वजनिक सुनवाई के दौरान और उसके पश्चात लिखित अनुरोधों में कई हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी एक आवेदन में दो उत्पादों को जोड़ने में न्यायसंगत काम नहीं करते हैं और वह भी जब दोनों याचिकाकर्ता दोनों उत्पादों का उत्पादन नहीं कर रहे हैं और दोनों उत्पादों का आयात दोनों देशों से नहीं हो रहा है । यह भी अनुरोध किया गया है कि पैन जी और 6 ए पी ए समान उत्पाद नहीं हैं और उन्हें कभी भी एक जांच में एक साथ नहीं लिया जाना चाहिए । इन हितबद्ध पक्षकारों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संस्तुत अंतरित शुल्क का कार्यान्वयन न किए जाने का अनुरोध किया ।

9. उपर्युक्त के उत्तर में और एक जांच में दो उत्पादों को शामिल किए जाने के बारे में याचिकाकर्ताओं ने निम्नलिखित मामलों का हवाला दिया है- कैटेलिस्ट, रबड़ रसायन, थियोफाइलिन एवं कैफीन तथा कुछेक फास्फोरस आधारित यौगिक । याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि इन विभिन्न उत्पादों के सावधानीपूर्वक विश्लेषण से एक आवेदन में अलग-अलग उत्पादों को जोड़ने में अस्पष्ट तर्काधार का पता चलेगा । उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि यद्यपि, अलग-अलग उत्पाद नियम 2(ख) के अंतर्गत भिन्न उत्पाद हो सकते हैं तथापि, इन भिन्न-भिन्न उत्पादों का उपयोग या तो एक ही कार्य में होता है या फिर इनका

उत्पादन एक समान उत्पादन प्रक्रियाओं के उपयोग से होता है अथवा कुछ हद तक समान उत्पादन सुविधाएं होती हैं। अथवा कुछेक अभिभावी कच्ची सामग्री का उपयोग होता है अथवा इनका कुछ हद तक सह-उत्पादन होता है और तत्पश्चात दोनों उत्पाद प्राप्त करने के लिए इनका पृथक उत्पादन किया जाता है अथवा इन्हें बाजारी भाषा में एक उत्पाद के रूप में देखा जाता है। यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्तमान मामले में पैन-जी केवल एक मध्यवर्ती उत्पाद है जिसका उपयोग 6 ए पी ए और 7 ए डी सी ए के उत्पादन में किया जाता है; जिनका बाद में उपयोग विभिन्न ए पी आई के उत्पादन में किया जाता है। अंतिम ए पी आई की मांग में वृद्धि और कमी की वजह से 6 ए पी ए की मांग और बाद में पैन-जी की मांग में वृद्धि या कमी आएगी। पैन-जी और 6 ए पी ए की कीमतें भी संबद्ध होती हैं। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि एक आवेदन में पैन जी और 6 ए पी ए पर विचार करना न केवल अनुमत्य है अपितु अत्यंत वांछनीय भी है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो करार में और न ही पाटनरोधी नियमावली में एक ही जांच में कई उत्पादों की जांच का किसी भी रूप में निषेध नहीं है जहां तक आधार, समान उत्पाद, घरेलू उद्योग की स्थिति, पाटन और क्षति जांच अलग-अलग उत्पादों के संबंध में अलग-अलग की जा रही हो। इस प्रकार करार में जांच को एक ही उत्पाद तक सीमित रखने में स्पष्ट प्रतिबंध नहीं है, जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है। इसके अलावा, विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और घरेलू उद्योग के आधार संबंधी अपेक्षा की जांच अलग-अलग उत्पादों के संबंध में की गई है और दोनों उत्पादों के लिए पाटन एवं क्षति निर्धारण से संबंधित सभी मुद्दों पर अलग से विचार किया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क वैध प्रतीत नहीं होते हैं।

घ. घरेलू उद्योग

11. यह आवेदन मै. एलेंबिक लि., बड़ोदरा तथा मै. सदरन पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज कार्पो. लि. (एस पी आई सी), चेन्नई द्वारा दायर किया गया है। एलेंबिक लि. द्वारा दोनों उत्पादों का उत्पादन किया गया जबकि एस पी आई सी ने केवल पेंसिलिन-जी का उत्पादन किया। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार याचिकाकर्ताओं का उत्पादन पेंसिलिन-जी के भारतीय उत्पादन का 100% बनता है। 6-ए पी ए के मामले में याचिकाकर्ता मै. एलेंबिक लि., बड़ोदरा है। याचिकाकर्ता का समर्थन मै. अल्का रेमेडिज प्रा.लि. ने किया है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि भारत में कई उत्पादक हैं। परंतु ऐसा उत्पादन मुख्यतः आबद्ध खपत के लिए होता है न कि बाजार में बिक्री के लिए। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि जो उत्पादक इसकी आबद्ध खपत करते हैं और बाजार में बिक्री नहीं करते हैं, उन उत्पादकों के 6-ए पी ए के उत्पादन पर घरेलू उद्योग के आधार और दायरे के निर्धारण हेतु विचार नहीं किया जाना चाहिए।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

12. डी एस एम एंटी इन्फैक्टिव्स, इंडिया तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह आरोप लगाया है कि याचिकाकर्ताओं के पास 6-ए पी ए के बारे में आधार का अभाव है। कंपनी ने दावा किया है कि उनके खुद का उत्पादन तथा उजरती कार्य डी एस एम इंडिया द्वारा कराया जाता है जो 6-एपीए के भारतीय उत्पादन का 85% बनता है। एलेंबिक का हिस्सा भारतीय 6-ए पी ए के उत्पादन का मात्र 12% है। नियम 2(ख) के अनुसार यह अनिवार्य नहीं है कि उन घरेलू उत्पादकों को हमेशा अलग रखा जाए जो निर्यातकों, आयातकों से संबंध रखते हैं अथवा जिन्होंने स्वयं उत्पाद का आयात किया है। डी एस एम इंडिया को पिछले निर्णयों पर विश्वास करते हुए इस आधार पर अलग रखना त्रुटिपूर्ण है कि वह आबद्ध उत्पादक है। आगे यह दावा किया गया है कि यही व्यवहार उत्पादन और आयात दोनों के लिए डी एस एम को प्रदान किया जाना चाहिए। अर्थात् यदि डी एस एम को घरेलू उद्योग नहीं माना जाता है तो उनके द्वारा किए गए आयातों पर क्षति निर्धारण हेतु विचार नहीं किया जाना चाहिए और उनके द्वारा किए गए आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। यह भी अनुरोध किया गया है कि मै. अल्का रिमेडीज ने सीमित सूचना प्रदान की है। यह तर्क दिया गया है कि या तो अल्का को विस्तृत सूचना प्रदान करनी चाहिए या फिर क्षति निर्धारण हेतु उनकी सूचना की अनदेखी की जानी चाहिए। कुछेक आयातकों ने यह भी अनुरोध किया है कि एस पी आई सी 6 ए पी ए का घरेलू उद्योग नहीं है। दोनों उत्पादों के लिए दो घरेलू उद्योग हैं।

घरेलू उद्योग के विचार

13. याचिकाकर्ताओं ने डी एस एम के दावे का खंडन किया है और यह तर्क दिया है कि उनके खुद के अनुरोध के अनुसार डी एस एम ने बाजार में 6-ए पी ए की बिक्री नहीं की है। इस वजह से ही डी एस एम के उत्पादन को आधार के निर्धारण के प्रयोजनार्थ शामिल नहीं किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी तथा सेस्टेट के पिछले निर्णयों का भी हवाला दिया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी ने इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के दावों पर विचार किया है। डी एस एम एंटी इन्फैक्टिव्स इंडिया, झांग जिया कू जिस्ट-ब्रोकेट्स फार्मास्युटीकल्स (पेन. जी का उत्पादक जिसे जैड जी बी भी कहा गया है), झांगजिया कू धा फार्मास्युटीकल्स (6 ए पी ए उत्पादक जिसे डी एच ए भी कहा गया है) तथा डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) कंपनी द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर की विस्तृत जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि

- (क) ये कंपनियां एक-दूसरे से संबंधित हैं।
- (ख) 6-ए पी ए का भारत को निर्यात डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) के जरिए झांगजिया कू धा फार्मास्युटीकल्स (डी एच ए) द्वारा किया गया है और उसका आयात डी एस एम एंटी इन्फैक्टिव्स इंडिया ने किया है।

- (ग) उत्तर में यह उल्लेख है कि उत्पादकों द्वारा डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) के जरिए अपने उत्पाद की बिक्री की जाती है। इसके अलावा, उत्तर में यह उल्लेख है कि डी एस एम एंटी इन्फैक्टिव्स संबद्ध वस्तु का आयातक है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2 (ख) में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार उपबंध है :-

"(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में (ऐसे उत्पादकों पर विचार किया जाए) ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा"

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में डी एस एम एंटी इन्फैक्टिव्स भारत में 6-ए पी ए का उत्पादक है। तथापि, कंपनी ने संबद्ध देश से 6-ए पी ए का स्वयं भारी मात्रा में आयात किया है। इसके अलावा, यह कंपनी चीन में 6-ए पी ए के निर्यातक से संबंधित है। इस प्रकार उत्पादक निर्यातक से संबंधित है और संबंधित कंपनी स्वयं भारत में संबद्ध वस्तु की आयातक है। प्रकटन विवरण के बाद मै. डी ए आई ने यह अनुरोध किया है कि उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से कुल आयातों के 12% का आयात किया है और उसे घरेलू उद्योग के दायरे से अलग नहीं रखा जाना चाहिए। यद्यपि, उनका कुल उत्पादन केवल आबद्ध प्रयोजन के लिए होता है, उनकी टिप्पणी की जांच की गई है और यह नोट किया गया है कि उसने संबद्ध देश से कुल आयातों के 12% का आयात किया है और यह मात्रा संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन की लगभग 40% बनती है जिसे काफी अधिक माना गया है। जहां तक संबद्ध देश से हुए अत्यधिक आयातों के साथ-साथ इस तथ्य का संबंध है कि वे संबद्ध देश के निर्यातक से संबंधित हैं, इसे उचित माना गया है कि संबद्ध जांच में घरेलू उद्योग होने के बारे में उनके दावे पर विचार न किया जाए।

16. नियम 2(ख) के अंतर्गत उपबंधों और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि डी एस एम एंटी इन्फैक्टिव्स को पात्र घरेलू उत्पादक नहीं माना जा सकता और इसके उत्पादन को घरेलू उद्योग के निर्धारण हेतु अलग रखना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि एलेंबिक का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। अतः एलेंबिक लि. नियमों के अर्थ के भीतर 6-ए पी ए के संबंध में घरेलू उद्योग है।

17. प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि 6 - ए पी ए के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबंधित याचिका का समर्थन मै. अल्का रेमेडीज प्रा. लि. ने किया है। कंपनी द्वारा प्रदत्त सीमित सूचना से यह पता चलता है कि (क) कंपनी ने उजरती कार्य पर 6 - ए पी ए का उत्पादन किया है, (ख) कंपनी के पास 6 - ए पी ए के उत्पादन की काफी अधिक क्षमता है जो बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त रहती है। तथापि, चूंकि कंपनी ने प्राधिकारी के

साथ पूर्ण सहयोग नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी घरेलू उद्योग के दायरे में उस कंपनी को शामिल करने और कंपनी को हुई क्षति की जांच करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, उनके द्वारा दायर सीमित सूचना का उपयोग क्षति से संबंधित पैराग्राफों में कुल मांग एवं बाजार हिस्से का निर्धारण करने में किया गया है। जहाँ तक पेन-जी का संबंध है, रिकॉर्ड की जांच से यह नोट किया जाता है कि मै. अलेम्बिक लि., वड़ोदरा और मै. एसपीआईसी, चेन्नई का उत्पादन जांच अवधि में पेन्सिलिनि-जी के भारतीय उत्पादन का 100% बनतर है और वे नियमानुसार पेन-जी के लिए घरेलू उद्योग हैं।

ड सामान्य मूल्य

ड 1 चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

18. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी जिसमें निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना प्रदान करने की सलाह दी गई थी। निम्नलिखित पक्षकारों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है :

क्र.सं.	कंपनी का नाम	स्थिति (उत्पादक/निर्यातक)
1.	जियांग जिया कोऊ जी बी फार्मास्युटीकल कं. लि.	उत्पादक (पेन-जी के)
2.	नॉर्थ चाइना फार्मास्युटीकल कॉर्पोरेशन लि.	उत्पादक (पेन-जी के एवं 6 ए पी ए)
3.	अरबिन्दो (दातोंग) बायो-फार्मा	उत्पादक (6 ए पी ए)
4.	एन सी पी सी बेटा कं. लि.	उत्पादक तथा निर्यातक (पेन-जी के एवं 6 एपीए)
5.	डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि.	निर्यातक (पेन-जी के एवं 6 ए पी ए)
6.	झांगझिजाकु डीएचए फार्मास्युटिकल कं.लि.	उत्पादक (6 ए पी ए)

19. सभी प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है। तथापि, अनंतिम जांच परिणाम के बाद मै. एन सी पी सी बेटा को एक पत्र/ई-मेल भेजा गया था, जिसमें उनसे उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के सत्यापन हेतु तैयार रहने/सहमति प्रदान करने के लिए कहा गया था। उनका ध्यान यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 6(8) की ओर भी आकर्षित किया गया था, जिसमें यह उल्लेख है कि यदि कोई हितबद्ध पक्षकार निर्धारित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और ऐसी स्थितियों में केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं। अनंतिम जांच परिणाम के बाद और उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के सत्यापन हेतु प्राधिकारी के पत्र के उत्तर में मै. एन सी पी सी बेटा ने उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के मौके पर सत्यापन हेतु अपनी इच्छा सूचित नहीं की और यह कारण बताते हुए अपने परिसर में आंकड़ों के मौके पर सत्यापन की इच्छा के बारे में नहीं बताया क्योंकि उनकी कंपनी में व्यापक पुनर्गठन का कार्य चल रहा है। इस प्रकार उपर्युक्त उत्तर को ध्यान में रखते हुए मै. एन सी पी सी बेटा को असहयोगी निर्यातक घोषित किया गया है और पाटन मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

20. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

समस्त शेष प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों के दावों की जांच उपर्युक्त कानूनी उपबंधों तथा इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने उत्तर में प्रदत्त सूचना और साक्ष्य पर विचार करते हुए और मौके पर सत्यापन के दौरान की गई है।

चीन जन.गण. के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत और डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को पिछले कई वर्षों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन.गण. को पाटनरोधी नियमों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

22 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया

जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यक्षीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यक्षीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन व्याज की दर पर किया जाता है ।

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जांच की शुरुआत और सूचना जारी करने के बाद चीन के कुछ निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने की मांग की है । प्रतिवादी उत्पादकों एवं निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तरों और बाजार अर्थव्यवस्था के उत्तरों की जांच संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नानुसार की गई है :-

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन पर घरेलू उद्योग के विचार

24. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता जहां प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य के स्वामित्व में/उसके नियंत्रणाधीन कोई कंपनी है और जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि उनकी प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है और उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार की जाती है । इसके अलावा यह बताया गया है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब भी प्रदान नहीं किया जा सकता यदि एक भी मापदंड अपूर्ण रह जाता है और यह सिद्ध करना प्राधिकारी पर निर्भर नहीं करता है कि प्रतिवादी कंपनियां वस्तुतः बाजार अर्थव्यवस्था के माहौल में प्रचालन कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं । इसके विपरीत यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में कार्य कर रहे हैं । यह भी अनुरोध किया गया है कि ऐसी किसी स्थिति में जिसमें वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं और उन्हें किसी अन्य पक्षकार से हासिल किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि रूपांतरण की प्रक्रिया दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए पूरी न कर ली गई हो । घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि प्रतिवादी निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि वे अन्य बातों के साथ-साथ स्वामित्व एवं नियंत्रण, संयंत्र के

अर्जन, कच्ची सामग्री की कीमत और लेखा मानकों के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के किस प्रकार पात्र हैं ।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों (निर्यातकों, आयातकों तथा प्रयोक्ता/एसोसिशन) के विचार

25. (क) हितबद्ध पक्षकारों ने सामान्य मूल्य, कारखाना द्वारा निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन की गणना के प्रकटन का दावा किया है । उनके द्वारा आगे यह दावा किया गया है कि उत्पादक और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जाना धारा 9 (6) के उपबंधों के विरुद्ध है । यह भी अनुरोध किया गया है कि सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए भारत को एक प्रतिनिधि देश माना जाना भी अनुचित है । निर्यातकों द्वारा यह दावा किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा हाल ही में चीन से कुछ निर्यातकों को दिया गया है । उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था के दावे को अस्वीकार करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बताए गए कारण सही नहीं हैं ।

(ख) मै. अरविन्दो ने प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणामों पर यह कहते हुए विवाद उठाया है कि लागत निर्धारण संबंधी अधूरे आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं और उनकी घरेलू बिक्रियां उत्पादन लागत (सीओपी) से कम हैं । यह अनुरोध किया गया है कि चूंकि घरेलू बिक्रियां पर्याप्त नहीं हैं, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण सी ओ पी के आधार पर किया जाना चाहिए । उन्होंने प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत के निर्धारण और इस तथ्य पर भी प्रश्न उठाया है कि उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि वह अरविन्दो, इंडिया की 100% सहायक कंपनी है ।

(ग) मैक्सिको दूतावास ने यह तर्क दिया है कि "मैक्सिको में उत्पादन लागत" के बजाए घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पुनः परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2 के विरुद्ध है । इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि भारतीय और मैक्सिको के बाजार तुलनीय नहीं हैं क्योंकि उनमें विचाराधीन उत्पाद की श्रम लागत और प्रौद्योगिकी भिन्न-भिन्न है । यह भी तर्क दिया गया है कि निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु आंकड़ों के स्रोत ज्ञात नहीं हैं और न ही यह ज्ञात है कि क्या ये आंकड़े जांच अवधि से संबंधित हैं और इस निर्धारण से यह स्पष्ट नहीं होता है कि समायोजनों की राशि प्राप्त करने के लिए कौन से दस्तावेजी स्रोतों पर विचार किया गया है । सामान्य मूल्य की तुलना निर्यात कीमत से करने के संबंध में यह बताया गया है कि यह ज्ञात नहीं है कि इस तुलना का आधार क्या है और क्या यह समान वस्तुओं के संबंध में की गई है ।

(घ) प्रकटन विवरण के बाद कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि मै. जेड जी बी और मै. डी एच ए की ओर से भारतीय कंपनी मै. डी ए आई को की गई निर्यात बिक्री को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ये बिक्रियां संबंधित पक्षकारों के बीच हुई हैं । यह भी उल्लेख किया गया है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु इसे प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था । यह भी अनुरोध किया गया है कि चीन जन. गण. में बाजार अर्थव्यवस्था वाली

कंपनियों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य चीन के अन्य उत्पादकों पर भी लागू किया जाना चाहिए।

उत्तर प्रस्तुत करना और सहयोगी निर्यातकों के उत्तरों की प्राधिकारी द्वारा जांच

26. मै. झांगजिया कू जी बी फार्मास्युटिकल कंपनी लि. (जैड जी बी) (पैन-जी के उत्पादक), जियांगजी कू डी एच ए फार्मास्युटिकल कंपनी लि. (6 ए पी ए के उत्पादक) डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि. (पैन-जी के और 6 ए पी ए दोनों के निर्यातक), मै. ओरोबिन्दो (दत्तौंग) बायो फार्मा कंपनी लि. (6 ए पी ए के उत्पादक और निर्यातक) ने अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं और उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के मौके पर सत्यापन की इच्छा जताई है। तदनुसार उपर्युक्त निर्यातकों के परिसर में मौके पर सत्यापन किया गया था और ऊपर उल्लिखित प्रत्येक सहयोगी निर्यातक को एक सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी और उनसे उनकी टिप्पणियां, यदि कोई हों, मांगी गई थीं। सत्यापन रिपोर्ट (गोपनीय) में सत्यापन दल द्वारा सत्यापित दस्तावेजों की एक सूची समेत सत्यापन प्रक्रिया दी गई थी। सत्यापित निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत टिप्पणियों पर चीन जन. गण. से उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित करते समय विचार किया गया है। सत्यापित निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत टिप्पणियों पर चीन जन. गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करते समय ध्यान दिया गया है। यह स्मरणीय है कि प्रस्तावित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के व्यौरों की सूचना सभी सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों को उनकी टिप्पणियों के लिए गोपनीय आधार पर प्रदान की गई थी। प्रकटन विवरण के बाद कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने मै. जैडजीबी जो चीन जन. गण. की पेन-जी की उत्पादक और निर्यातक है, के सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में यह अनुरोध किया है कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण में संबंध के मुद्दे पर एक ही मानदण्ड लागू किया जाना चाहिए क्योंकि पेन-जी की घरेलू और निर्यात बिक्रियां संबंधित पक्षकारों को की गई हैं। इस मुद्दे की पुनः जांच एवं पुनरावलोकन किया गया है और दोनों उत्पादकों तथा निर्यातकों से संबंधित समस्त रिकॉर्डों की पुनः जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि जैडजीबी (पैन-जी की उत्पादक और निर्यातक) और डीएचए (पैन-जी की उपभोक्ता) के बीच संबंध है और ये दोनों कंपनियाँ एक ही भवन में स्थित हैं। तथापि, जिस कीमत पर डीएचए द्वारा जैडजीबी से पेन-जी की खरीद की जाती है वह उस कीमत के अनुरूप है जिस कीमत पर यह अन्य कंपनी से पेन-जी की खरीद करती है। अतः यद्यपि इन दोनों कंपनियों के बीच संबंध है तथापि यह संबंध पेन-जी की प्रचलित बाजार कीमत को निष्प्रभावी करने वाला नहीं पाया गया है। अतः उपर्युक्त के मदेनजर प्राधिकारी ने घरेलू बाजार में पेन-जी की बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

मै. झांगजियाकू जिस्ट ब्रोकेड्स फार्मास्युटिकल कंपनी लि.(जैड जी बी)

मै. झांगजियाकू जिस्ट ब्रोकेट्स फार्मास्युटिकल कंपनी लि.(जैड जी बी) से प्राप्त बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर (एम ई टी) की जांच

27 प्राधिकारी ने जैडी जी बी द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी दावे की जांच की है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के पश्चात निर्यात के संयंत्र और कार्यालय का स्थल पर सत्यापन किया है जैसा कि सत्यापन रिपोर्ट और प्रकटन विवरण में उल्लिखित है। प्राधिकारी ने पाया कि जैड जी बी एक चीनी विदेशी संयुक्त उद्यम है, जिसकी 80% पूंजी का अंशदान जिस्ट ब्रोकेट्स इंटरनेशनल बी वी जो रॉयल डी एस एन

बी वी-नीदरलैंड में सूचीबद्ध एक कंपनी - की सहायक कंपनी है, द्वारा किया गया है । प्रैद्योगिकी डी एस एम द्वारा प्रदान की जाती है । जैड जी बी का प्रबंधन एक निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है जिसमें समान मत वाले 4 व्यक्ति होते हैं । उनमें से 3 विदेशी निवेशकों का प्रतिनिधित्व करते थे ।

28. कच्ची सामग्री की खरीद के संबंध में यह नोट किया गया कि मै. जैड जी बी अपनी कच्ची सामग्रियां संबंधित और असंबंधित कंपनियों, दोनों से खरीद रहे थे । यह नोट किया गया कि ग्लूकोज और कॉन स्टीप लिक्विड जैसी कच्ची सामग्रियों को अनेक कंपनियों से खरीदा गया था । इसके अलावा, कच्ची सामग्रियों के खरीद आदेशों का इस बात का पता लगाने के लिए सत्यापन किया गया कि कच्ची सामग्रियां चीन में प्रचलित बाजार कीमत जैसा कि अन्य की आपूर्ति में होता है, खरीदी जाती हैं । इसके अलावा, ग्लूकोज भी एक संबंधित कंपनी *** से खरीदा गया था । बिजनेस लाइसेंस और नमूना खरीद बीजकों से आपूर्तिकर्ताओं की विधिक स्थिति और उनके द्वारा प्रभारित तुलनीय कीमतों का पता चलता था । सत्यापन के दौरान कोयला, टेप जल और विद्युत जैसी सुविधाओं की खरीद की भी जांच की गई थी । यह नोट किया गया था कि यद्यपि, कोयला निजी स्वामित्व वाली असंबंधित कंपनियों से खरीदा गया था । तथापि, जल और बिजली राज्य के स्वामित्व वाली सत्ताओं से खरीदी गई थी । यह भी दावा किया गया था कि जैड जी बी ने भारत से तरल एन ए पी ए (सोडियम फिनाइल एसीटेट विलयन) आयात किया था जिसके लिए समर्थनकारी साक्ष्य का सत्यापन किया गया था और सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि 6 ए पी ए उत्पादन से निकलने वाले अपशिष्ट को *** से जैड जी बी द्वारा पुनः खरीद लिया गया था ।

29. प्राधिकारी द्वारा सत्यापित रिकॉर्डों से यह नोट किया गया है कि बिक्री कीमतें कंपनी द्वारा मांग और आपूर्ति की बाजारी ताकतों के प्रतिक्रियास्वरूप स्वयं तय की जाती हैं । न तो घरेलू बाजार में और न ही भारत को निर्यात बाजार में बिक्री के लिए पैन-जी की कीमतों के निर्धारण में सरकार का कोई स्पष्ट हस्तक्षेप नहीं है । हस्तांतरण कीमत तंत्र के अवलोकन से यह पता चलता है कि पैन-जी के लिए, पैन-जी के कीमत निर्धारण का प्राथमिक आधार पूर्ववर्ती तिमाही के दौरान प्रचलित बाजार कीमत रही थी ।

30. यह भी नोट किया गया कि वर्ष 2004 में जैड जी बी ने ए बी एन एमरो बैंक से *** अम.डॉ. की ऋण सीमा भी प्राप्त की थी । इसके ब्यौरे सत्यापन के दौरान प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे और उनका सत्यापन किया गया था । लेखांकन रिकॉर्डों की जांच की गई थी । सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि प्रचालन के पहले वर्ष से लेखों की लेखा परीक्षा स्वतंत्र सी पी ए द्वारा की गई थी । लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार लेख आम तौर पर जी ए ए पी और चीन के लेखांकन मानकों के अनुपालन में थे । यह भी नोट किया गया कि मै. जैड जी बी जी ए ए पी के अनुसार लाभों का निर्धारण कर रहे थे और जब उन्हें अधिशेष लाभ अर्जित हुए तो लाभांश भी घोषित किया गया था । यह भी नोट किया गया कि विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों पर किए गए हैं, जिन्हें बैंकों द्वारा तय किया जाता है ।

31 जांच के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर पर्याप्त साक्ष्यों को दर्शाया गया है और इस बात के लिए उनकी

जाँच की गई है कि संबद्ध फर्म के लिए बाजार की दशाएं पर्याप्त रूप से विद्यमान हैं। इस प्रकार जाँच के आधार पर प्राधिकारी संबद्ध कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) के परन्तुक के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण उक्त अनुबंध के पैरा 1-6 के अनुसार किया गया है।

झांगजियाकू जिस्ट-ब्रोकेटस फार्मास्युटिकल कंपनी लि. (जैड जी बी) का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

जैड जी बी के लिए सामान्य मूल्य

32. यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (ग) के अनुसार

"किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

33. जैसा कि पूर्ववर्ती पैराग्राफ में नोट किया गया है, सामान्य मूल्य का निर्धारण चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर किया गया है। उनके उत्तर से यह नोट किया गया है कि उनकी घरेलू बिक्री मूल्य के रूप में पर्याप्त हैं और इस प्रकार इसे सामान्य मूल्य के निर्धारण के संदर्भ में पर्याप्त माना गया था। तत्पश्चात् व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जाँच (ओसीटी) की गई थी और यह नोट किया गया था कि जाँच अवधि के दौरान मै. जैडजीबी की संबद्ध वस्तु की बिक्री घरेलू बाजार में लाभदायक रही थी। परिशिष्ट-1 सौदावार बिक्री की ओसीटी जाँच से यह भी नोट किया गया था कि 80% से कम घरेलू बिक्री लाभदायक

थी । अतः प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक के लिए पेन-जी के सामान्य मूल्य की गणना करते समय सभी लाभदायक बिक्रियों को हिसाब में लिया है ।

झांगजियाकू जिस्ट-ब्रोकेटस फार्मास्युटिकल कंपनी लि. (जैड जी बी) और डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) कंपनी की निर्यात कीमत

34. यह नोट किया जाता है कि मै. जैड जी बी पेन-जी के का निर्यात अपनी संबंधित कंपनी डी एस एम एंटी इन्फैक्टिव इंडिया (डी ए आई) को करती है । जैड जी बी डी टी सी संबंधी एक बीजक बनाती है जो बदले में डी ए आई संबंधी एक बीजक बनाती है । कंपनी के पास जांच अवधि के दौरान भारत को *** मूल्य के निर्यात सौदे थे, जिनकी कुल मात्रा *** बी ओ यू या *** मी.ट. रही थी और कुल मूल्य *** अम.डा. रहा था । सत्यापन के दौरान सभी *** निर्यात बीजकों का सत्यापन परिशिष्ट-2 के साथ किया गया था और उन्हें सही पाया गया था । बीजक अम.डॉ. में थे । इसके अलावा यह पाया गया था कि जैड जी बी ने डी टी सी के वस्तुओं की बिक्री एफ ओ बी आधार पर की थी । तदनुसार कारखाने से प्राप्त तत्काल अंतरदेशीय भाड़ा और पत्तन प्रहस्तान प्रभारों का कटौती के रूप में दावा किया गया था । यह कटौती माल भाड़ा अग्रेसण कंपनी द्वारा बनाए गए वास्तविक बीजकों पर आधारित थी । इसके अलावा, बैंक के गैर-वापसी योग्य हिस्से, ऋण लागत, पैकिंग लागत, बैंक प्रभार और डी टी सी के एस जी ए व्यय/लाभ के संबंध में कटौतियां की गई थीं । बैंक के गैर-वापसी योग्य हिस्से की गणना डी टी सी से डी ए आई को निर्यातों के एफ ओ बी मूल्य के 4% की दर से की गई थी । ऋण लागत *** % प्रति वर्ष की व्याज दर पर आधारित थी । यह दर ए बी एन एमरो से प्राप्त ऋण के लिए वास्तविक ऋण दर पर आधारित है । पैकिंग लागत और श्रम लागत को भी उनके रिकॉर्डों से सत्यापित किया गया था । यह भी नोट किया गया कि बैंक प्रभार डी ए आई से डी टी सी द्वारा निर्यात आय की प्राप्ति पर बैंक द्वारा लगाए गए वास्तविक प्रभारों पर आधारित थे । जब डी टी सी जैड जी बी को धन का हस्तांतरण किया तो कोई बैंक प्रभार नहीं लगे क्योंकि वह एक घरेलू हस्तांतरण था । भारत को निर्यात से संबंधित सभी दस्तावेजों को लिया गया था । उपर्युक्त परिकलनों के बाद निवल निर्यात कीमत इस प्रकार निर्धारित की गई है और निम्नांकित पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है । इस प्रकार, उपर्युक्त गणना के बाद निवल निर्यात कीमत निर्धारित की गई है जिसका उल्लेख निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है ।

झांगजियाकू डी एच ए फार्मास्युटिकल (डी एच ए)

बाजार अर्थव्यवस्था झांगजियाकू डीएचए फार्मास्युटिकल कंपनी लि. (डीएचए) के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर की जांच

35 प्राधिकारी ने डी एच ए द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार के दावे की जांच की है और विस्तृत जांच का उल्लेख सत्यापन रिपोर्ट और प्रकटन विवरण में भी किया गया है । यह भी नोट किया गया है कि मै. डी एच ए एक चीनी विदेशी संयुक्त उद्यम (जे वी) है, जिसमें 74% हिस्सेदारी जिस्ट ब्रोकेट्स इंटरनेशनल बी वी, नीदरलैंड ('जी बी आई') जो नीदरलैंड में सूचीबद्ध एक कंपनी रॉयल डी एस एम डी बी की सहायक कंपनी है, के पास है । प्रौद्योगिकी डी एस एम द्वारा प्रदान की गई थी । जैड जी बी के

निदेशक बी एच के भी निदेशक थे । इस प्रकार डी एच के अधिकांश निदेशक एक विदेशी निवेशक को निवेशक का प्रतिनिधित्व करते थे ।

36. यह नोट किया गया कि मै. डी एच ए जैड जी बी से कच्ची सामग्री पैन-जी खरीद रहा था । बी एच ने असंबंधित आपूर्तिकर्ता अर्थात् *** से भी पैन-जी खरीदा है । इसके अलावा, कच्ची सामग्रियों के खरीद आदेशों का यह पता लगाने के लिए सत्यापन किया गया कि कच्ची सामग्रियां अन्य लोगों को आपूर्ति के अनुसार चीन में प्रचलित बाजार कीमत पर खरीदी गई थी । जैड जी बी द्वारा सभी सुविधाओं की आपूर्ति डी एच को की गई थी । सत्यापन दौरे के दौरान जैड जी बी द्वारा सुविधाओं के संबंध में डी एच ए संबंधी बनाए गए बीजकों की भी जांच की गई थी । यह नोट किया गया कि भिन्न-भिन्न स्रोतों से खरीदी गई कच्ची सामग्री की कीमतें लगभग समान रही थी ।

37. यह भी नोट किया गया है कि बिक्री कीमतें कंपनी द्वारा मांग और आपूर्ति की बाजारी ताकतों के प्रतिक्रियास्वरूप स्वयं तय की जाती हैं । न तो घरेलू बाजार में और न ही भारत को निर्यात बाजार में बिक्री के लिए पैन-जी की कीमतों के निर्धारण में सरकार का कोई स्पष्ट हस्तक्षेप नहीं है । हस्तांतरण कीमत तंत्र के अवलोकन से यह पता चलता है कि पैन-जी के लिए, पैन-जी के कीमत निर्धारण का प्राथमिक आधार पूर्ववर्ती तिमाही के दौरान प्रचलित बाजार कीमत रही थी ।

38. यह भी नोट किया जाता है कि जैड जी बी के निदेशक डी एच ए के भी निदेशक हैं । दोनों कंपनियों के निदेशक मंडल के गठन में कोई बदलाव नहीं है । इस प्रकार डी एच ए के अधिकांश निदेशक रॉयल डी एस एम, बी वी जो एम्स्टर्डम स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एक व्यापक स्वामित्व वाली सार्वजनिक कंपनी है, का प्रतिनिधित्व करते हैं । तत्पश्चात् लेखांकन रिकॉर्डों की जांच की गई थी और यह नोट किया गया कि लेखों की लेखा परीक्षा स्वतंत्र सी पी ए द्वारा की जाती है । लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार लेखे जी ए ए पी और चीन के लेखांकन मानकों के अनुरूप प्रतीत होते हैं । यह भी नोट किया गया था कि विनिमय दर परिवर्तन बाजार दरों, जो बैंकों द्वारा तय की जाती है, पर किए जाते हैं ।

39. जांच के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर पर्याप्त साक्ष्यों को दर्शाया गया है और इस बात के लिए उनकी जांच की गई है कि संबद्ध फर्म के लिए बाजार की दशाएं पर्याप्त रूप से विद्यमान हैं । इस प्रकार जांच के आधार पर प्राधिकारी संबद्ध कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) के परन्तुक के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण उक्त अनुबंध के पैरा 1-6 के अनुसार किया गया है ।

मै. डी एच ए के लिए सामान्य मूल्य

40. यह नोट किया जाता है कि मै. डी एच ए द्वारा 6 ए पी ए की कोई घरेलू बिक्रियां नहीं की गई हैं । यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (ग) के अनुसार

"किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
 - (क) सामान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

41. उपर्युक्त के मद्देनजर 6 ए पी ए के लिए संबद्ध उत्पादक हेतु सामान्य मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क) (ग) (ii) (ख) के अनुसार निर्धारित किया गया है । इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण एस जी ए व्यय और लाभ के साथ उत्पादन की वास्तविक लागत पर विचार करते हुए किया गया है, जिसका सत्यापन प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर किया गया है ।

झांगजियाकू डी एच ए फार्मास्युटिकल (डीएचए) और डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) कंपनी की निर्यात कीमत का निर्धारण

42. मै. झांगजियाकू डी एच ए फार्मास्युटिकल केवल 6 ए पी ए का उत्पादक है और उसने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है । सत्यापन दौरे के दौरान प्रश्नावली में प्रदत्त परिशिष्टों का ई आर पी और कंपनी द्वारा रखे गए संगत समर्थकारी दस्तावेजों के साथ सत्यापन किया गया था । सौदों को क्रम में पाया गया था और दावा की गई कटौतियां सही थीं और तत्पश्चात उनकी अनुमति दी गई । कटौतियों की अनुमति देने के पश्चात कारखाना द्वार निर्यात कीमत ज्ञात की गई थी । *** सौदे हुए थे । यह नोट किया जाता है कि मै. डी एच ए ने पत्तन प्रहस्तन, समुद्री भाड़ा, पैकिंग, ऋण लागत और बैंक प्रभारों सहित अंतरदेशीय भाड़े के लिए कटौतियों का दावा किया गया था । पत्तन प्रहस्तन प्रभारों सहित अंतरदेशीय भाड़ा, माल भाड़ा, अग्रेषण कंपनी द्वारा प्रदत्त वास्तविक राशि पर आधारित था । इसी प्रकार समुद्री भाड़ा, नौवहन कंपनी को प्रदत्त वास्तविक भाड़े पर

आधारित था । ऋण लागत, ऋण अवधि के लिए *** % प्रति वर्ष पर आधारित थी । यह दर जैड जी बी द्वारा प्रयुक्त दर के समान थी । बैंक प्रभार बैंक द्वारा जारी ऋण विवरण पर आधारित थे, जो प्रत्येक सौदे के लिए बैंक द्वारा लिए गए वास्तविक प्रभारों को दर्शाते थे । डी टी सी के एस जी ए व्यय और लाभ के लिए की गई कटौतियों के पश्चात भारत को कारखाना द्वार निर्यात कीमत *** अम. डॉ. प्रति किग्रा के रूप में निर्धारित की गई है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है ।

डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) कंपनी लिमिटेड

43. यह नोट किया गया है कि मै. जैड जी बी और मै. डी एच ए ने जांच अवधि और पूर्ववर्ती अवधि के दौरान अपनी सहायक कंपनी मै. डी टी सी के जरिए क्रमशः पैन जी के और 6 ए पी ए का निर्यात किया था । यह भी नोट किया जाता है कि मै. डी टी सी डी एस एम सेल्स ऑफिस बी वी नीदरलैंड की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है, जो रॉयल डी एस एम बी वी नीदरलैंड्स की एक सहायक कंपनी है- तथा जो एमस्टर्डम स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध एक व्यापक रूप से सार्वजनिक स्वामित्व वाली लिमिटेड कंपनी है । सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि एक व्यापारिक कंपनी होने के नाते डी टी सी की पूंजी केवल *** अम.डॉ. थी और उसका अंशदान एकमात्र शेयरधारक द्वारा नकद रूप में किया गया था । डी टी सी के बोर्ड में *** निदेशक थे और उनमें से सभी *** थे । वे सभी डी एस एम एस बिक्री कार्यालय बी वी नीदरलैंड्स का प्रतिनिधित्व करते थे । सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि मै. डी टी सी किसी सरकारी प्राधिकारण के हस्तक्षेप के बिना स्वयं कीमतें तय कर रही थी ।

निर्यातक के सत्यापन के दौरान सितंबर, 2008 से मार्च, 2009 तक प्रत्येक माह के लिए मासिक आय विवरण लिए गए थे । मासिक आय विवरणों से परिशिष्ट-3 के कुल योग को सत्यापित किया गया । संबंधित उत्पादों अर्थात् 6-एपीए और पैन-जी के लिए सभी अलग-अलग सौदों की एक सूची दोनों संबंधित उत्पादों के कुल निर्यातों के सत्यापन के लिए ई आर पी प्रणाली से ली गई थी । इसके अलावा, उक्त सूचना का उपयोग जैड जी बी और डी एच ए दोनों द्वारा दी गई सूचना के सत्यापन के लिए भी किया गया था । सत्यापन के दौरान जैड जी बी और डी एच ए के अपने-अपने परिशिष्टों में प्रस्तुत सूचना को निर्धारित क्रम में पाया गया था ।

अरबिन्दों *(दटोंग) बायो-फार्मा

बाजार अर्थव्यवस्था का निर्धारण

44. मै. अरबिन्दों *(दटोंग) बायो-फार्मा कंपनी लि., चीन जन.गण. 6 ए पी ए का एक उत्पादक और निर्यातक है और उसने संगत समर्थकारी दस्तावेजों के साथ बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर समेत निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है । इस कंपनी ने संबद्ध जांच में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है । कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना दर्शाती है कि यह कंपनी अरविन्दो इंडिया की 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है । अनंतिम जांच परिणामों के दौरान प्राधिकारी ने बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है क्योंकि उत्पादक और निर्यातक द्वारा इस संबंध में प्रस्तुत सूचना अधूरी थी । यह भी बताया गया कि प्राधिकारी मौके पर सत्यापन समेत आगे जांच किए

जाने तक इस स्तर पर इन कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने की स्थिति में नहीं है ।

45 अनंतिम निष्कर्षों के पश्चात प्राधिकारी ने उत्पादक और निर्यातक द्वारा कमी संबंधी पत्र के उत्तर में प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन किया था । सत्यापन के दौरान व्यावसायिक लाइसेंस की प्रति से संबंधित दस्तावेज चीनी भाषा तथा अंग्रेजी में, वर्ष 2001 (शुरुआत का वर्ष) के लिए तुलन पत्र की प्रति कंपनी के आरंभिक संस्था के नियम, परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के ब्यौरे और परिसंपत्ति अधिग्रहण के वित्तपोषण के स्रोत से संबंधित खरीद आदेश और कच्ची सामग्री की दर स्रोत से संबंधित साक्ष्य और सुविधाओं-बिजली, जल और कोयला की कीमत और प्राप्त ऋणों की शर्तें तथा मूलधन की वापसी और ब्याज के भुगतान के साक्ष्य स्थापना के पश्चात कंपनी के ढांचे में परिवर्तन तथा शेयर पूंजी के ब्यौरे और स्वामित्व के ब्यौरे, कीमत तुलना के लिए 6 ए पी ए के अन्य उत्पादकों को जारी प्रमुख कच्ची सामग्री के खरीद आदेशों की जांच की गई थी ।

46. उपर्युक्त के अलावा, सत्यापन दल को यह बताया गया था कि यह कंपनी न तो परिवर्तित है और न ही अधिग्रहीत बल्कि बहुत निम्न स्तर से बनाई गई है । यह एक ग्रीनफील्ड परियोजना है । साक्ष्य सहित यह भी अनुरोध किया गया कि पर्याप्त मूल्य का भुगतान करके भूमि चीन सरकार से खरीदी गई थी और विभिन्न ठेकेदारों को काम आवंटित करके सिविल कार्य करवाया गया था । संयंत्र और मशीनरी आयातित अथवा चीन के भीतर खरीदी गई थी । साक्ष्य के साथ यह भी बताया गया था कि एंजाइन जो आयातित होता है, के अलावा सभी कच्ची सामग्रियां स्थायी रूप से खरीदी गई थी और कोई भी कच्ची सामग्री किसी संबंधित पक्षकार और राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों से नहीं खरीदी गई थी । इसके अलावा कच्ची सामग्री के खरीद आदेशों को यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत किया गया था कि कच्ची सामग्रियों की खरीद चीन में प्रचलित बाजार कीमत पर की गई थी जैसा अन्य आपूर्तितियों हेतु किया जाता है । 6 ए पी ए के अन्य उत्पादकों को जारी प्रमुख कच्ची सामग्री के खरीद आदेशों को भी सत्यापन दल को उपलब्ध कराया गया था । साक्ष्य के साथ यह भी बताया गया कि विद्युत और जल जैसी सुविधाओं को उचित मूल्य देकर राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों से खरीदा जाता है और कोयले को निजी कंपनियों से प्रचलित बाजार मूल्य पर खरीदा जाता है । सुविधाओं का साक्ष्य सत्यापन के समय उपलब्ध कराया गया था ।

47. निर्यातक द्वारा यह बताया गया था कि बिजली और जल की कीमत स्थानीय प्राधिकरण (सरकारी निकाय) द्वारा तय की जाती है और उस प्रदेश में मौजूद सभी औद्योगिक प्रयोक्ताओं से एक समान दर प्रभारित की जाती है । यह भी बताया गया कि चीन में प्रचलित बाजार कीमत पर कोयला खरीदा जाता है । जिस प्रकार अन्य को इसकी आपूर्ति की जाती है । कोयले के अन्य उपभोक्ताओं को जारी खरीद आदेशों को भी सत्यापन दल को उपलब्ध कराया गया था ।

48. यह भी बताया गया था कि निर्यातक भारतीय कंपनी मै. अरविंदों फार्मा लि. के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और निर्यातक के 100 प्रतिशत शेयर मै. अरविंदों फार्मा लि. के पास हैं । यह भी बताया गया था कि निर्यातक के निदेशक मंडल में *** निदेशक

हैं । उनमें से एक *** है । कोई भी निदेशक सरकारी अधिकारी नहीं है या सरकारी पद पर नहीं है और बोर्ड की बैठक में कोई निर्णय लेने के लिए कुल निदेशकों के *** की न्यूनतम गणपूर्ति की जरूरत होती है । निर्यातक द्वारा यह भी अनुरोध किया गया कि आरंभ से कंपनी की स्वामित्व की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था ।

49 लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार लेखे जी ए ए पी और चीन के लेखांकन मानकों के अनुरूप थे । यह भी नोट किया गया था कि इनमें दर परिवर्तन बाजार दरों, जो बैंक द्वारा तय की जाती हैं, पर किए गए हैं ।

50. जांच के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर पर्याप्त साक्ष्यों को दर्शाया गया है और इस बात के लिए उनकी जांच की गई है कि संबद्ध फर्म के लिए बाजार की दशाएं पर्याप्त रूप से विद्यमान हैं । इस प्रकार जांच के आधार पर प्राधिकारी संबद्ध कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) के परन्तुक के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण उक्त अनुबंध के पैरा 1-6 के अनुसार किया गया है ।

अरबिन्दो (दटांग) बायोफार्मा के लिए सामान्य मूल्य

51. अरबिन्दो (दटांग) बायोफार्मा कंपनी लि., चीन जन.गण. 6 ए पी ए का एक उत्पादक और निर्यातक है और उसने संगत समर्थकारी दस्तावेजों के साथ निर्यातक प्रश्नावली का उचित उत्तर प्रस्तुत किया है । यह नोट किया गया है कि अरबिन्दो (दटांग) बायोफार्मा कं. लि. द्वारा उत्पादित पैन-जी की 100 प्रतिशत खपत कंपनी द्वारा आबद्ध रूप से की जाती है ।

52. प्रश्नावली के उत्तर से यह नोट किया जाता है कि घरेलू बाजार में संबद्ध उत्पादक द्वारा 6 ए पी ए की अपर्याप्त घरेलू बिक्रियां रही हैं क्योंकि घरेलू बिक्रियों का निर्यातक की कुल बिक्रियों में *** प्रतिशत से कम हिस्सा रहा है ।

यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (ग) के अनुसार

"किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

53. उपर्युक्त के मद्देनजर 6 ए पी ए के लिए संबद्ध उत्पादक हेतु सामान्य मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क) (ग) (ii) (ख) के अनुसार निर्धारित किया गया है। सत्यापन दौरे के दौरान दल ने निर्यातक द्वारा प्रयुक्त लेखांकन सॉफ्टवेयर “लांग चाओ” से कुल घरेलू बिक्रियों, भारत को निर्यात और तीसरे देश को निर्यात का भी सत्यापन किया था। सत्यापन दल को यह बताया गया था कि निर्यातक केवल एक उत्पाद अर्थात् 6 ए पी ए का उत्पादन और बिक्री कर रहा है, इसलिए लागत आवंटन का कोई प्रश्न नहीं उठता है। जांच अवधि के दौरान वहन की गई सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागत केवल एक उत्पाद अर्थात् 6 ए पी ए पर आई है। परिशिष्ट-7 के आंकड़ों का सत्यापन 1.10.2008 से 31.3.2009 तक की अलग-अलग अवधि के लाभ और हानि लेखों से किया गया था। इनका सत्यापन कंपनी के लेखांकन सॉफ्टवेयर “लांग चाओ” से सीधे भी किया गया था। सत्यापन दल को जांच अवधि के लिए समेकित लागत शीट के साथ अक्टूबर, 08 से मार्च, 09 तक 6 ए पी ए की मासिक लागत शीट भी दी गई थी। निर्यातक द्वारा यह बताया गया था कि अक्टूबर और नवंबर, 09 उत्पादन की असामान्य अवधि थी क्योंकि उत्पादन को ओलंपिक्स के कारण चीन सरकार के निर्देशों के अनुसार घटा दिया गया था। इस घटनाक्रम के मद्देनजर उन्होंने अपना उत्तर प्रस्तुत किया और सत्यापन दौरे के दौरान भी यह अनुरोध किया कि लागत निर्धारण वास्तविक लागत निर्धारण के बजाए मानकीकृत लागत निर्धारण पर आधारित होना चाहिए। अपने दावे को सही साबित करने के लिए निर्यातक ने दत्तोंग सिटी इन्वायरमेंट प्रोटेक्सन ब्यूरो द्वारा जारी पत्र भी प्रस्तुत किया जिसमें 6 ए पी ए के उत्पादन को घटाने के लिए कहा गया था। अतः निर्धारित लागत का मानकीकरण जांच अवधि अर्थात् दिसंबर, 08 से मार्च, 09 तक के शेष 4 महीनों के औसत उत्पादन पर विचार करते हुए किया गया है और परिवर्तनशील लागत समान रही है।

54. इसके अलावा, यह बताया गया था कि सर्दी के मौसम के दौरान निर्यातक को स्थानीय प्राधिकरण “दत्तोंग सिटी इकोनामिक एंड टेक्नोलौजीकल डेवलपमेंट जोन मैनेजमेंट कमेटी” द्वारा तापन प्रणाली के लिए स्थानीय गांव “यूझोतुआन” को भाप की सप्लाई का निर्देश दिया गया था। इस संबंध में निर्यातक द्वारा यह बताया गया है कि गांव की तापन प्रणाली पर दी गई भाप की लागत संबद्ध वस्तु के उत्पादन के व्यय का हिस्सा नहीं थी क्योंकि निर्यातक

द्वारा उस पर किए गए खर्च का उपयोग जांच अवधि के दौरान 6 ए पी ए के उत्पादन में नहीं हुआ है । कंपनी को “दतौंग सिटी इकॉनोमिक एंड टेक्नोलौजीकल डेवलपमेंट जोन मैनेजमेंट कमेटी” द्वारा दिया गया पत्र सत्यापन दल को उपलब्ध कराया गया । अतः ग्रामीणों को भाप की आपूर्ति पर वहन की गई लागत को बिक्री की कुल लागत से घटा दिया गया है ।

55. निर्यातक द्वारा यह भी बताया गया था कि उनकी मूल कंपनी से ऋण पर देय ब्याज को जांच अवधि के दौरान समाप्त कर दिया गया है । अतः वह उत्पादन की कुल लागत का हिस्सा नहीं होना चाहिए । तथापि, कंपनी के इस दावे को स्वीकार नहीं किया गया है और जांच अवधि के लिए ब्याज को उत्पादन की कुल लागत में शामिल किया गया है । इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन की वास्तविक लागत पर विचार करते हुए एस जी ए व्यय के साथ और इस प्रकार निर्धारित कुल लागत में लाभ को जोड़कर ऊपर उल्लिखित समायोजनों पर विचार करने के बाद किया गया है ।

अरविंदों (दटांग) बायोफार्मा के लिए निर्यात कीमत

56. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा भारत को निर्यात बिक्री के *** सौदे कार्यान्वित किए गए । सत्यापन दौरे के दौरान निर्यात बिक्रियों से संबंधित दस्तावेज अर्थात् निर्यात बिक्री संविदा, वाणिज्यिक बीजक, पैकिंग सूची, नौवहन बिल, विनिमय बिल, घरेलू माल भाड़ा बीजक, विदेशी मालभाड़ा बीजक, सी.शु. निकासी प्रभार, चढ़ाई प्रभार, टर्मिनल प्रहस्तन प्रभार, विजिलेंस शुल्क, बैंक रिमिटेंस प्रमाण पत्र जैसे अन्य प्रभारों का प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया था ।

57. सत्यापन दौरे के दौरान यह नोट किया गया कि निर्यातक द्वारा उनके उत्तर प्रस्तुत करते समय वास्तविक आधार के बजाए औसत कीमत आधार पर समायोजन किए गए थे । सत्यापन के दौरान इन समायोजनों की वास्तविक कीमत पर विचार किया गया और इसलिए अंतरदेशीय भाड़े, विदेशी भाड़े, अन्य प्रभार की प्रति इकाई लागत जांच अवधि के दौरान समान रही थी और 6 ए पी ए की प्रति इकाई कारखाना द्वार निर्यात कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा था । सत्यापन दल ने सभी 31 निर्यात सौदों के लिए निर्यातक के दावे को सत्यापित किया ।

58. वापसी योग्य वैट संघटक समेत सभी अन्य लागतों को समायोजित करने के बाद संबद्ध उत्पादक और निर्यातक के लिए संबद्ध वस्तु की निवल निर्यात कीमत का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है ।

मै. फर्सिन्सा जी बी, मैक्सिको (फर्सिन्सा)

मै. फर्सिन्सा जी बी, मैक्सिको (फर्सिन्सा) के मामले में सामान्य मूल्य

59. मै. फर्सिन्सा जी बी, मैक्सिको ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है । यह स्मरण किया जाता है कि अनंतिम निष्कर्षों के दौरान कंपनी के उत्तर को स्वीकार नहीं किया गया था क्योंकि वह अधूरा था । अनंतिम जांच परिणामों के बाद कंपनी ने खामियों का उत्तर दिया और मौके पर सत्यापन की अपनी इच्छा भी व्यक्त की ।

तदनुसार कंपनी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का उत्पादक के परिसर में सत्यापन दल द्वारा किए गए मौके पर सत्यापन के दौरान सत्यापन किया गया और कंपनी को उनकी टिप्पणियों हेतु एक सत्यापन रिपोर्ट भी जारी की गई। इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण सत्यापित आंकड़ों के अनुसार किया गया है।

60. यह नोट किया जाता है कि कंपनी के पास प्रतिनिधि घरेलू बिक्रियां नहीं थीं। अर्थात् घरेलू बाजार में बेची गई मात्रा भारत को निर्यातित मात्रा के 5 प्रतिशत से कम थी। इसके अलावा, तीसरे देशों को निर्यात कीमत के सौदेवार ब्योरे कंपनी द्वारा उपलब्ध नहीं कराए गए थे अतः सामान्य मूल्य की गणना नहीं की गई थी। यह नोट किया गया था कि कंपनी ने अपनी निर्माण और बिक्री की लागत से आरंभिक लागत के लिए अनुमति का दावा किया था। तथापि, इस दावे को अनुचित पाया गया था क्योंकि उन्होंने कोई नई उत्पादन सुविधा स्थापित नहीं की थी बल्कि मौजूदा सुविधाओं में संबंधित उत्पाद की एक नई किस्म शुरू की थी। तदनुसार आरंभिक लागत के लिए समायोजन के दावे को अस्वीकार कर दिया गया। सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्माण और बिक्री की उनकी वास्तविक लागत के आधार पर किया गया और उसमें प्राधिकारी द्वारा सत्यापित सूचना के आधार पर लाभ को जोड़ा गया। उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है।

ड2 डी एस एम एंटी इन्फेक्टिव्स बी वी, नीदरलैंड्स (डी एस एम, बी वी) के जरिए निर्यातित मै. फर्सिन्सा जी बी, मैक्सिको (फर्सिन्सा) की निर्यात कीमत

61. मै. फर्सिन्सा मैक्सिको ने डी एस एम एंटी इन्फेक्टिव्स बी वी, नीदरलैंड्स के जरिए भारत को वस्तुओं का निर्यात किया था। नीदरलैंड में व्यापारी तथा मैक्सिको में उत्पादक का सत्यापन किया गया था। भारत को निर्यात कीमत में से समुद्री भाड़ा, ऋण लागत, बैंक प्रभार और एस जी ए व्यय तथा डी एस एम के लाभ के लिए कटौतियां की गई थीं। इस प्रकार निर्धारित निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कई निर्यातकों ने पूर्व में जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर दिया था, जिसे बाद में समाप्त कर दिया गया था। तथापि, वर्तमान जांच में इनमें से कई निर्यातकों ने उत्तर नहीं दिया है। इसके अलावा, रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि यद्यपि, जांच अवधि में आयातों की ज्ञात मात्रा *** एम एम यू पैसिलिन जी तथा *** मी.ट. 6 ए पी ए की रही थी। तथापि, प्रतिवादी निर्यातकों ने भारत को इससे काफी कम मात्रा का निर्यात करने का दावा किया है। चूंकि संबद्ध वस्तु के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और चूंकि इन उत्पादकों/निर्यातकों का कुल आयातों में एक बड़ा हिस्सा बनता है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है। आयात खेप वार आंकड़ों का मिलान किया गया है और असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत पर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार विचार किया गया है।

ड 5 पाटन मार्जिन

63. प्राधिकारी ने बेची गई मात्रा के भारित औसत पर विचार करते हुए जांच अवधि के दौरान की निर्यातक द्वारा विचाराधीन उत्पाद की की गई समस्त बिक्रियों के लिए संचयी रूप से पाटन मार्जिन निर्धारित किया है। तुलना कारखाना स्तर पर की गई है। तुलना से जांच अवधि के दौरान निम्नलिखित निर्यातकों के लिए संबद्ध वस्तु के पाटन की मौजूदगी का पता चला। निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है। मै. झांगजिया कू जिस्ट-ब्रोकेट्स फार्मास्यूटीकल्स (जैड जी बी) एवं डी एस एम ट्रेडिंग (शंघाई) कंपनी के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण ऋणात्मक किया गया है।

64. इसके अलावा, घरेलू उद्योग तथा प्रतिवादी विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना से यह पता चलता है कि जांच अवधि के भीतर उत्पाद की कीमत में भारी अंतर था। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि समयावधियों के अनुसार कीमत में भारी परिवर्तन हुआ था और उन्होंने यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को जांच अवधि की शुरुआत से पूर्व बुक किए गए सौदों की अनदेखी की जाए और बिक्री की तारीख के रूप में ऑर्डर की तारीख पर विचार किया जाए। तथापि, प्राधिकारी घरेलू उद्योग के इस तर्क को स्वीकार नहीं किया है और बिक्री की तारीख को बिक्री की तारीख माना गया है जैसा कि प्राधिकारी ने पिछले मामलों में किया है।

65. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

पेंसिलीन-जी

निर्यातक	देश	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%
जांग जिया कू जिस्ट-ब्रोकेट्स फार्मास्यूटीकल्स एंड डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं.	चीन	****	****	****	11.52
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	चीन	****	****	****	39.51
मै. फरसिन्सा जी बी तथा डी एस एम नीदरलैंड	मैक्सिको	****	****	****	24.60
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	मैक्सिको	****	****	****	34.25

6-ए पी ए

निर्यातक	देश	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन%
झांग जिया कोऊ धा फार्मास्युटीकल एंड डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं.	चीन जन.गण.	****	****	****	13.58
अरबिन्दो (डार्टोंग) बायो-फार्मा	चीन जन.गण.	****	****	****	10.34
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	चीन जन.गण.	****	****	****	36.01

घ. क्षति तथा कारणात्मक कारक

66. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती ।

67. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

अन्य हितबद्ध पक्षकारों (निर्यातकों, आयातकों तथा प्रयोक्ताओं/संघों) के विचार

68. पाटनरोधी शुल्क का विरोध करने वाले हितबद्ध पक्षकार ने जांच अवधि एवं क्षति के बारे में निम्नलिखित तर्क दिए हैं ।

(i) मै. डी एस एम एवं अन्य की ओर से दिए गए तर्क

- (क) 6 माह की जांच अवधि अनुचित है । उन्होंने यह अनुरोध किया है कि कोई प्रतिकूल कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि कीमत कटौती 2-7% के बीच है । इसके अलावा, यह दावा किया गया है कि क्षमता उपयोग, बिक्री अथवा बाजार हिस्से पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है और "वास्तविक क्षति के खतरे" के दावे के समर्थन में कुछ भी नहीं है । यह भी अनुरोध किया गया है कि याचिकाकर्ताओं ने पहुंच मूल्य को कम बताया है और प्राधिकारी को निर्यातक के आंकड़ों पर विचार करना चाहिए ।
- (ख) उन्होंने यह अनुरोध किया है कि एलेंबिक की 8 मई, 2009 की प्रैस विज्ञप्ति में याचिका में किए गए उल्लेख से भिन्न स्थिति दर्शायी गई है और आरोपित घाटे के लिए भिन्न कारण (यथा प्रमुख पुनर्गठन कार्य, विदेशी मुद्रा घाटा) बताए गए हैं ।
- (ग) अंतिम उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क का अत्यधिक प्रभाव पड़ेगा ।

(ii) एशियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स प्रा.लि. एवं अन्य की ओर से तर्क

- (क) पैन-जी कीमत नियंत्रणाधीन जीवन रक्षक औषधिक है ।
- (ख) केवल 2 घरेलू उत्पादक हैं और उनके पास देश की मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है । इसके अलावा, एस पी आई सी संयंत्र बंद कर दिया गया है और केवल 15% क्षमता की रक्षा करने के लिए 85% उद्योग को दंडित किया जाएगा । यह भी अनुरोध किया गया है कि अनुषंगी उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव 30% है ।
- (ग) डी एस एम चीन से हुए आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क न लगाए जाने से उस कंपनी को भारी मुनाफा होगा और भारत में वह एकाधिकार की स्थिति में आ जाएगी ।
- (घ) संस्तुत पाटनरोधी शुल्क पहुंच मूल्य का 43% बनता है जो डी एस एम इंडिया को छोड़कर सभी अन्य बल्क औषध उत्पादकों के लिए बड़ा घाटा है ।

(iii) रेनबैक्सी लिमिटेड एवं अन्य की ओर से तर्क

- (क) क्षमता संबंधी अवरोध-घरेलू मांग को पूरा करने में असमर्थता है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा आबद्ध खपत से संबद्ध वस्तु की आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।
- (ख) याचिकाकर्ता ने संयुक्त क्षति संबंधी विश्लेषण दिया है, जो गलत है ।
- (ग) जांच अवधि का चयन त्रुटिपूर्ण है; इसे 12 महीने का होना चाहिए ।
- (घ) कीमत में उतार-चढ़ाव विश्व भर में देखा गया है ।
- (ङ) आयात कीमतों में वस्तुतः वृद्धि हुई है ।

- (च) पूर्ववर्ती दो याचिकाओं में याचिकाकर्ता क्षति का कोई मामला दर्शाने में विफल रहा है ।
- (छ) क्षति संबंधी विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है क्योंकि इसमें चीन और मैक्सिको से आयातों के प्रभाव को संचयी रूप से दर्शाया गया है जबकि संचय की आवश्यकता सिद्ध नहीं की गई है ।
- (ज) चीन से आयातों में गिरावट आई है ।
- (झ) याचिका में दावा किया गया है कि पाटन के कारण एलंबिक को 2005 में उत्पादन बंद करना पड़ा था । तथापि, वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि ऐसा कीमतों में वैश्विक मंदी के कारण हुआ था ।
- (ञ) एलंबिक पुनर्गठन संबंधी प्रक्रिया शुरू कर रहा है ।
- (ट) याचिका में मै. अल्का इंडस्ट्रीज जिनका 6 ए पी ए के भारतीय उत्पादन में 58 प्रतिशत हिस्सा है, के लिए कोई क्षति संबंधी विश्लेषण नहीं दिया गया है ।
- (ठ) 6 एपीए के आयातों के सीआईएफ मूल्य में 2006 प्रतिशत की वृद्धि हुई है ।
- (ड) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में हुई वृद्धि लागत में हुई अनुपातिक वृद्धि से अधिक है ।
- (ढ) उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों में वस्तुतः वृद्धि हुई है ।
- (ड) चीन के पैन-जी के आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है और यह कि मैक्सिको से आयातों में केवल 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है ।
- (ढ) मजदूरी और उत्पादकता में भी भारी वृद्धि हुई है ।
- (ण) यह मांग में संकुचन का एक मामला है ।
- (त) विनिर्मितियों की डी पी सी ओ कीमतें समान रही हैं, इसलिए लाभ पर प्रभाव पड़ा है ।
- (थ) कुल आयातों के लिए अग्रिम लाइसेंस योजना के अंतर्गत आयातों को शामिल करने का याचिकाकर्ता का अनुरोध त्रुटिपूर्ण है ।
- (द) डी जी ए डी ने घरेलू कीमतों पर आयातों के कीमत प्रभाव की गलत ढंग से जांच की है- जब कीमत कटौती ऋणात्मक हो, तो 6 ए पी ए के लिए कम कीमत पर बिक्री 45-55 प्रतिशत नहीं हो सकती है ।
- (ध) उत्पादन की बढ़ी हुई लागत का कोई औचित्य नहीं है ।
- (न) एन आई पी उत्पादन की वास्तविक लागत को सही ढंग से प्रदर्शित नहीं करती है ।
- (प) प्रयोक्ता उद्योग के लिए उल्लिखित लाभप्रदता संबंधी आंकड़े गलत हैं- जो बल्क ड्रग्स/ब्रांडेड ड्रग्स के लिए सही नहीं हैं ।
- (IV) जनक लेबोरेट्रीज लि. और अन्य द्वारा दिए गए तर्क
- (क) एस पी आई सी संयंत्र के बंद होने का कारण चीनी (पैन-जी के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री) की कमी और चीनी की कीमतों में वृद्धि बताया गया है ।

- (ख) बल्क ड्रग की कीमतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रभाव कम से कम 30 प्रतिशत है । इससे विनिर्माताओं द्वारा बल्क ड्रग्स का आयात होता है और बल्क ड्रग विनिर्माता उद्योग नष्ट हो जाता है ।
- (ग) डी एस एम और उसकी संबद्ध कंपनियों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया गया है- जो अन्य भारतीय विनिर्माताओं, जिनकी लागत 43 प्रतिशत अधिक है, के विरुद्ध पक्षपातपूर्ण है; जबकि डी एस एम को 43 प्रतिशत अधिक लाभ होगा ।
- (घ) पैन-जी और 6 एपीए पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से बेरोजगारी बढ़ेगी और बल्क ड्रग उद्योग में निवेश बेकार हो जाएगा ।
- (V) अरबिन्दो और अन्य की ओर से दिए गए तर्क
- (क) अरबिन्दो चीन से अरबिन्दो भारत को किए गए निर्यातों से कोई क्षति और कारणात्मक संबंध नहीं है क्योंकि उसकी खपत आबद्ध रूप से की जाती है ।
- (ख) इन दोनों कंपनियों के बीच सभी सौदे दूरवर्ती आधार पर किए जाते हैं ।
- (ग) चीन की कंपनी की उच्चतर उत्पादकता और उत्पादन की कम लागत पैमाने की मितव्ययिता और उन्नत प्रौद्योगिकी का परिणाम है ।
- (घ) यूरोप से चीन तक वैश्विक परिदृश्य में परिवर्तन का कारण उत्पादन की बेहतर लागत और उन्नत उत्पादकता रही है ।
- (VI) यूनिमार्क रेमिडीज और अन्य की ओर से दिए गए तर्क
- (क) मै. यूनिमार्क रेमेडीज ने प्राधिकारी द्वारा चयनित जांच अवधि और क्षति अवधि पर आपत्ति जताई है जो उनके अनुसार वैश्विक मंदी की अवधि रही थी और इस अवधि की कीमतें अवास्तविक हैं । उन्होंने दोनों उत्पादों के लिए समान जांच अवधि परंतु भिन्न-भिन्न क्षति अवधि पर भी आपत्ति जताई है ।
- (ख) एलंबिक के कार्य निष्पादन में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता नहीं है- पैन जी और 6 एपीए के व्यापार का हिस्सा समग्र व्यापार में काफी कम है ।
- (ग) एलंबिक की प्रौद्योगिकी लागत कुशल है । चीन के लोग कॉर्न प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहे हैं जो अधिक लागत कुशल है ।
- (घ) पैन-जी के स्थानीय उपलब्धता मांग से कम है ।
- (ङ) पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव निम्नवर्ती उद्योग और उनके निवेश पर प्रतिकूल रूप से पड़ेगा ।
- (च) निम्नवर्ती उद्योग को अन्य कच्ची सामग्री की आपूर्ति करने वाली सहायक विनिर्माण इकाइयां भी प्रभावित होंगी ।
- (छ) पाटन के कारण इकाइयों का बंद होने को सही नहीं ठहराया गया है ।
- (ज) घरेलू उद्योग ने अपने तर्क के समर्थन में गलत आंकड़े दिए हैं । यह अनुरोध किया गया है कि यूरोपियन रिपोर्ट के जरिए चीन को एक खलनायक बताया गया है । प्रचलित प्रवृत्ति यह है कि विकसित देश सेवाओं की ओर बढ़ रहे हैं और लागत कारक के कारण तीसरी दुनिया के देश विनिर्माण की ओर जा रहे हैं ।

- (झ) चीन में त्रुटिपूर्ण पर्यावरण कानून संबंधी आवेदक का दावा गलत है ।
- (ञ) इससे दवाओं की लागत बढ़ जाएगी और उपभोक्ताओं के हित बुरी तरह प्रभावित होंगे ।
- (ट) आवेदक ने डी पी सी ओ के पास जाए बिना डी जी ए डी से संपर्क किया है । अतः डी जी ए डी से एन पी पी ए की ओर से टिप्पणी आमंत्रित करने का अनुरोध किया जाता है ।
- (ठ) संकीर्ण मापदंड के आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में संपूर्ण भेषज उद्योग खतरे में पड़ जाएगा ।
- (ड) एलंबिक अपने अस्तित्व के लिए 600 एम एम यू पर आश्रित नहीं है । (एक बहु उत्पाद कंपनी होने के कारण एलंबिक पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा) ।
- (ढ) उन्होंने एक के बाद एक जांच पर आपत्ति उठाई है ।
- (ण) क्षति संबंधी विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है-कीमत प्रभाव तालिका पैरा 63 के कथन के विपरीत है ।
- (त) एलंबिक 100 आरोपित क्षति से पीड़ित है - यह क्षति 6 ए पी ए के विनिर्माण के कारण हुई है ।

(VII) एन सी पी सी और एन सी पी सी बीटा की ओर से दिए गए तर्क

- (क) एन सी पी सी एक चीन की सीमित दायित्व वाली कंपनी है और उसने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है ।
- (ख) घरेलू उद्योग के पास उच्च मांग के बराबर उत्पादन करने की क्षमता नहीं है ।
- (ग) चीन के उत्पाद की उच्चतर प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता पर प्राधिकारी द्वारा अपने विश्लेषण में विचार किया जाना चाहिए ।
- (घ) घरेलू उद्योग ने लाभप्रदता को बढ़ाया है और क्षति आयातों से इतर कारणों के चलते हुई है ।
- (ङ) पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जनहित में नहीं है- औषधि कीमतों पर 50 प्रतिशत तक प्रभाव पड़ने का अनुमान है ।
- (च) जांच अवधि काफी कम है और पैन जी और 6 एपीए के आंकड़ों का समेकन गलत है ।

(VIII) ओत्सुका कैमिकल (इंडिया) लिमिटेड और वर्साव पेट्रोकेमिकल प्रा.लि. और अन्य की ओर से दिए गए तर्क

- (क) जांच शुरुआत गलत और गैर-कानूनी है ।
- (ख) 6 एपीए के सबसे बड़े उत्पादक डी एस एम को जांच से बाहर रखा गया है ।
- (ग) डी एस एम पर भी पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए ।
- (घ) जांच अवधि काफी छोटी है ।
- (ङ) मैक्सिको को गलत ढंग से संबद्ध देशों में शामिल किया गया है उसका हिस्सा काफी कम है ।
- (च) पैन जी और 6 एपीए असमान वस्तुएं हैं ।

- (छ) भारत द्वारा यथाप्रस्तावित बैक टू बैक जांच में एक वर्ष का अंतर होना चाहिए ।
- (ज) याचिकाकर्ता द्वारा अपर्याप्त और गलत सूचना का प्रयोग किया गया है और उनके द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है ।
- (झ) एलंबिक द्वारा पैन-जी की आबद्ध खपत और स्थानांतरण कीमत निर्धारण के मुद्दे का विश्लेषण किया जाना चाहिए ।
- (ञ) एन सी वी याचिका के साथ जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में विरोधाभास है क्योंकि एस पी आई सी द्वारा आवेदन पत्र के अनुबंध 2.1 में न केवल पैन जी के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग की गई है बल्कि 6 एपीए, एमोक्सिलीन, एम्पीसीलिन और क्लॉक्सेसिलीन पर भी शुल्क लगाने की मांग की गई है ।
- (ट) जांच की एक अवधि जबकि दो क्षति अवधियों पर विचार किया गया है ।
- (ठ) दोनों उत्पादों के मामले में हुई क्षति को अलग-अलग किया गया है ।
- (ड) एलंबिक के मामले में स्वआरोपित क्षति हुई है ।
- (ढ) कीमत प्रभाव के संबंध में पी एफ में विरोधाभास रहा है ।
- (ण) कारणात्मक संबंध का निर्धारण त्रुटिपूर्ण है ।
- (त) सी एन वी का निर्धारण त्रुटिपूर्ण है ।
- (थ) याचिकाकर्ताओं एन पी पी ए के पास जाना चाहिए क्योंकि ये उत्पाद डी पी सी ओ कीमत नियंत्रण के अधीन हैं ।
- (द) निम्नवर्ती उत्पादों के मामले में बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगी जिससे भारतीय बाजार में चीन के उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी ।
- (ध) एच ए एल का पुनरुद्धार नहीं हो सकता है क्योंकि एम एन सी के साथ उन्होंने गैर-प्रतिस्पर्धी करार किया है जिसके लिए हाल की अवधि तक वह “कार्य कामगार” के रूप में उत्पादन करता रहा है ।
- (न) चीन की उन्नत प्रौद्योगिकी उनकी लागत कुशलता का कारण है ।
- (प) घरेलू उद्योग द्वारा आंकड़ों में बार-बार संशोधन निर्दिष्ट प्राधिकारी को भ्रम में डालने के लिए किया गया है ।
- (फ) उन्होंने ओत्सुका और जी सी एल ई उत्पादकों को जांच से बाहर रखने का अनुरोध किया है क्योंकि पैन जी के कुल आयातों में जी सी एल ई के उत्पादन के आयात 3 प्रतिशत से कम है । यह भी अनुरोध किया गया है कि पैन जी पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव जी सी एल ई की बिक्री कीमत पर 26 प्रतिशत तक बढ़ेगा । इस संबंध में उन्होंने ओत्सुका द्वारा भारी निवेश की ओर ध्यान दिलाया है । इस संबंध में उन्होंने प्राधिकारी का ध्यान विदेशी मुद्रा की बचत की ओर दिलाया है । यदि जी सी एल ई स्वदेशी रूप से उत्पादन करता है और जी सी एल ई के उत्पादन के लिए पैन जी के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाता है ।
- (IX) ल्यूपिन लेबोरेट्रीज लि. और अन्य की ओर से दिए गए तर्क
- (क) घरेलू उद्योग पैन-जी और 6 ए पी ए के लिए प्रयोक्ता उद्योग की मांग को पूरा करने में असमर्थ है ।

- (ख) एच ए एल उनकी सुविधा में तकनीकी खामियों के कारण बंद हुई और न कि पाटन के कारण ।
- (ग) घरेलू उद्योग कुल अप्रयुक्त क्षमता के साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है ।
- (घ) पाटनरोधी शुल्क से विदेशी मुद्रा का नुकसान और रोजगार का नुकसान होगा क्योंकि विनिर्माण इकाई बंद हो जाएगी और आयात शुरू हो जाएंगे ।
- (ङ) पैन जी और 6 ए पी ए, डी पी सी ए द्वारा विनियमित होते हैं । पाटनरोधी शुल्क के कारण होने वाली अतिरिक्त लागत से विनिर्माण इकाइयां बंद हो जाएंगी और डी पी सी ओ नियंत्रित विनिर्मितियों की कीमत में कोई संगत वृद्धि नहीं होगी । इस प्रकार जीवन रक्षक औषधियों की आपूर्ति घट जाएगी ।
- (च) घरेलू उद्योग पाटनरोधी नियमावली में यथाउल्लिखित क्षति संबंधी विभिन्न मापदंडों के संबंध में क्षति दर्शाने में विफल रहा है ।
- (x) पिरामल हेल्थ केयर लिमिटेड और अन्य की ओर से दिए गए तर्क
- (क) यदि आबद्ध खपत को शामिल किया जाए तो आवेदकों का हिस्सा 15% या उससे कम है और उनके पास याचिका दायर करने संबंधी योग्यता नहीं है ।
- (ख) पैन-जी की मांग में आबद्ध खपत को शामिल किया जाना और न कि 6 ए पी ए की मांग में, विरोधाभासी और त्रुटिपूर्ण है ।
- (ग) छोटी जांच अवधि पर आपद्धि जताई गई है और यह अनुरोध किया गया है कि प्रस्तुत कारण (बाजार की स्थिरता और उचित मूल्यांकन को विकृत करने वाले अन्य उतार-चढ़ाव) एक लंबी जांच अवधि को अधिक उचित ठहराते हैं ।
- (घ) वार्षिक रिपोर्ट में यथाउल्लिखित एलंबिक के खराब निष्पादन के कारण विदेशी मुद्रा का घाटा है । यदि क्षति संबंधी विश्लेषण 2008-09 के लिए समग्र रूप से किया जाता है और न कि 6 महीने की अलग-अलग अवधियों में तो क्षमता उपयोग की दृष्टि से कोई क्षति नहीं हुई है ।
- (च) आवेदकों द्वारा उठाया गया कोई भी घाटा घरेलू उद्योग का संकेतक नहीं है क्योंकि उनका हिस्सा भारतीय उद्योग में केवल 15% है ।
- (छ) आयातों में 2008-09 में गिरावट आई है । यदि घरेलू उद्योग की आबद्ध खपत को देखा जाए तो घरेलू बिक्रियों में वृद्धि हुई होगी । आवेदकों की क्षमता मांग को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है ।
- (ज) याचिकाकर्ताओं की निर्यात बिक्रियों को गोपनीय रखा गया है । भंडार में वृद्धि वैश्विक मंदी के कारण निर्यात बिक्रियों में गिरावट के कारण हुई है ।
- (झ) आवेदकों द्वारा लगातार घाटा उठाया गया है और उसमें कारणात्मक संबंध नहीं हैं ।
- (ट) एस पी आई सी संयंत्र के बंद होने को पाटन से नहीं जोड़ा जा सकता है ।
- (ठ) पैन- जी से 6 ए पी ए को हस्तांतरण कीमत का एक मुद्दा है ।
- (ड) घरेलू उद्योग की कीमतें पहुंच मूल्य से कम हैं इनसे म कीमत पर कोई बिक्री नहीं हुई है ।
- (ढ) जनहित के संबंध में यह बताया गया है कि पैनटिड्स में पैन-जी की निविष्टि लागत 33-50% है ।

(XI) मैक्सिको दूतावास की ओर से दिए गए तर्क

- (क) क्षति संबंधी विश्लेषण क्षति अवधि के अंतर्गत भिन्न-भिन्न अवधियों में किए गए विश्लेषण पर आधारित हैं। निम्नलिखित का संदर्भ दिया गया है :-
- i. डब्ल्यू टी ओ पैनल रिपोर्ट-मैक्सिको- बीफ और चावल का आयात।
 - ii. डब्ल्यू टी ओ अपीलीय निकाय की रिपोर्ट-मैक्सिको-बीफ और चावल का आयात।
 - iii. डब्ल्यू टी ओ पैनल रिपोर्ट- ग्वाटेमाला से स्टील पाइप और ट्यूबें।
- (ख) यदि 12 महीने की अवधि की तुलना की जाती है तब हमें घरेलू बिक्रियों में 7% की गिरावट का पता चलता है जो खपत में कमी के कारण हो सकती है और मैक्सिको के आयातों से संबंधित नहीं है।
- (ग) हम मैक्सिको को चीन के साथ नहीं जोड़ने का अनुरोध करते हैं क्योंकि दोनों देशों के बीच आयात मात्राओं, बाजार हिस्से, कीमतों, बाजार दशाओं और उपभोक्ताओं की संख्या की दृष्टि से काफी असमामताएं हैं।
- (घ) केवल तर्कों के अलावा, मैक्सिको की काफी कम कीमतों के लिए कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं है। इसके अलावा, गैर उत्तरदायिता विश्लेषण नहीं किया गया है।
- (ङ) घरेलू उत्पादकों के संयंत्र क्षति अवधि के दौरान बंद नहीं हुए हैं।
- (च) क्षति विश्लेषण में उत्पादकता और निवेश की अनदेखी की गई है। पूंजी जुटाने की क्षमता के संबंध में, कोई विवरण नहीं दिया गया है।
- (छ) फेडरेशन ऑफ फार्मा एन्टरप्राइजेस की ओर से दिए गए तर्क।
- (xii) फेडरेशन ऑफ फार्मा इंटरप्राइजेस की ओर से तर्क
- (क) कोई पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से जीवन रक्षक उत्पादों की कीमतें सीधे प्रभावित होंगी और इस प्रकार जनहित प्रभावित होगा।
- (ख) पैन-जी का अंतिम उत्पाद क्लोक्सेसिरीन डी पी सी ओ द्वारा नियंत्रित होता है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण इसकी कच्ची सामग्री की कीमत में किसी वृद्धि से फार्मा उद्योग के विनिर्माताओं के प्रभावित होने की आशंका है।
- (ग) शुल्क लगाए जाने से चीन के फार्मा उद्योग द्वारा भारत के फार्मा उद्योग के साथ प्रतिस्पर्धा को और तेज किए जाने की आशंका है।

घरेलू उद्योग के विचार

69. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध प्रस्तुत किए हैं :-

- (क) मांग-आपूर्ति अंतर- याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि बल्क ड्रग मैन्यू. एसो. ने यह दावा किया है कि पैसलीन-जी की मांग 7000 एम एम यू के आस-पास है। याचिकाकर्ताओं ने पैसलीन-जी की मांग का अनुमान निम्नलिखित के आधार पर लगाया है।

क्र.सं.	मध्यवर्ती/बल्क ड्रग का नाम	घरेलू बाजार में वार्षिक मांग मी.ट. में	पैन-जी का खपत कारक	एमएमयू में अपेक्षित पैन-जी
1	एमोक्सिलीन ट्रिहाइड्रेट	1,680	1.77	2,974
2	एम्पीसिलीन ट्रिहाइड्रेट	480	1.83	878
3	क्लोक्सेसिलीन सोडियम	300	1.53	459
4	डिक्लोक्सेसिलीन सोडियम	240	1.44	346
5	एम्पीसिलीन सोडियम स्ट्राइल	180	3.54	637
6	क्लोक्सेसिलीन सोडियम स्ट्राइल	120	1.59	191
7	सेफाड्रोक्सिल मोनोहाइड्रेट	480	2.35	1,128
8	सेफालेक्सिलीन मोनोहाइड्रेट	360	2.33	839
9	जी सी एल ई	900	1.07	965
क	घरेलू बाजार के लिए पैन -जी की कुल आवश्यकता			8,471
ख	निर्यात बाजार के लिए पैन -जी की कुल आवश्यकता			12,000
ग	देश में पैन -जी की कुल आवश्यकता			20,471

इस प्रकार यह देखा जाता है कि देश में पैन-जी की कुल मांग 20,000 एम एम यू के आस-पास रही है जिसमें घरेलू खपत के लिए मांग 8500 एम एम यू रही है। मांग आपूर्ति अंतर के संबंध में सभी तर्कों को इस उत्पाद की मांग के आलोक में देखा जाना चाहिए। चूंकि निर्यातों के लिए आयातों की किसी भी मामले में पाटनरोधी शुल्क का भुगतान किए बिना अनुमति है, इसलिए किसी भी मामले में पैन-जी की इस आवश्यकता को देश में मांग आपूर्ति के बीच अंतर का आकलन करते समय बाहर रखा जाना चाहिए। अतः यह स्पष्ट है कि देश में लगभग 12,000 एम एम यू पैन-जी का आयात भारत सरकार की शुल्क छूट योजना के अंतर्गत निर्यात अपेक्षाओं के तहत किया जा रहा है और इन्हें पाटनरोधी शुल्क का भुगतान किए बिना जारी रखा जा सकता है।

(ख) आबद्ध खपत- डी एस एम द्वारा संदर्भित डब्ल्यू टी ओ के निर्णय के संबंध में याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि डब्ल्यू टी ओ ने यह नहीं माना है कि आबद्ध खपत को याचिकाकर्ता कंपनी की योग्यता और घरेलू उद्योग के कार्य क्षेत्र का निर्धारण करते समय बाहर नहीं रखा जा सकता है। डब्ल्यू टी ओ का निर्णय एक मामले के संदर्भ में है जिसमें संबंधित घरेलू उद्योग के पास विचाराधीन उत्पाद की आबद्ध खपत थी और विचारार्थ मुद्दा यह था कि क्या इस आबद्ध खपत को क्षति संबंधी आकलन से बाहर रखा जा सकता है। इस प्रकार क्षति संबंध आकलन के संबंध में डब्ल्यू टी ओ का निर्णय घरेलू उद्योग की योग्यता और कार्यक्षेत्र के संबंध में नहीं पढ़ा जा सकता है।

(ग) प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रिया से संबंधित मुद्दा - याचिकाकर्ताओं का यह दावा कि भारत में प्रौद्योगिकी, चीन में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी से तुलनीय है। वस्तुतः घरेलू

उद्योग द्वारा अपनाई जा रही प्रौद्योगिकी सामान्यतया चीन में अपनाई जा रही प्रौद्योगिकी से बेहतर हो सकती है ।

- (घ) क्षति अवधि के चयन से संबंधित मुद्दे- याचिकाकर्ताओं ने क्षति अवधि के निर्धारण के संबंध में डब्ल्यू टी ओ दिशा-निर्देशों का हवाला दिया है और यह तर्क दिया है कि निर्धारित क्षति अवधि ऐसी होनी चाहिए जिसमें बाजार में कम से कम उतार-चढ़ाव हुआ हो । घरेलू उद्योग ने अपने लिखित अनुरोधों में दिसंबर, 2009 तक की अवधि के लिए सूचना उपलब्ध कराई है । यह देखा जाता है कि वस्तुतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति वर्तमान मामले में जांच अवधि के पश्चात के समय में काफी अधिक रही थी ।
- (ङ) निम्नवर्ती उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव - याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि बल्क ड्रग विनिर्माता किसी भी मामले में ऐसी कीमत वृद्धि को विनिर्माताओं पर डाल देते हैं, जो असाधारण उच्च लाभ अर्जित कर रहे होते हैं । इसके अलावा, जब पैन- जी की कीमत 18 अम.डॉ. तक पहुंच गई थी, तब विनिर्मितियों की कीमत अनुपातिक रूप से नहीं बढ़ी थी । केवल इसके कारण कि देश में ए पी आई का पाटन किया जा रहा है, यह अर्थ नहीं है कि पैन-जी उद्योग को नुकसान उठाने और अंततः बंद हो जाने के लिए बाध्य किया जाए । इसके विपरीत, पैन-जी पर पाटनरोधी नहीं लगाए जाने से बाजार में ए पी आई के चीनी आयातों की बाढ़ आ जाएगी और भारत में ए पी आई उद्योग पूर्णतः समाप्त हो जाएंगे । इससे भारत में ए पी आई उद्योग में निवेश, रोजगार और नियोजित संसाधनों का काफी अधिक नुकसान हो जाएगा ।
- (च) पहुंच मूल्य के परिकलन से संबंधित मुद्दे- याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि ऐसे अनेक मुद्दे भी हैं, जो इसमें शामिल हैं, जिनमें उत्पाद शुल्क को सम्मिलित किया जाना भी अंतर्विष्ट है । हितबद्ध पक्षकार विशेष रूप से उपकर को शामिल करने की मांग नहीं कर सकते हैं । उस मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी को सभी संगत कारकों पर विचार करना चाहिए ।
- (छ) बैक-टू-बैक जांच से संबंधित मुद्दे - याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि वर्तमान जांच को बैक-टू- बैक जांच के रूप में प्रस्तुत करने की दृष्टि से निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा नकारात्मक जांच परिणाम दिए जाने चाहिए थे । पूर्ववर्ती जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कोई निष्कर्ष रिकार्ड नहीं किया गया और याचिका को अनेक कारणों से वापस ले लिया गया ।
- (ज) डी पी सी ओ से संबंधित मुद्दे- याचिकाकर्ताओं का यह दावा है कि यह उत्पाद डी पी सी ओ के अंतर्गत शामिल है । घरेलू उद्योग डी पी सी ओ की कीमतों पर बिक्री करता है । वस्तुतः यह भी सिद्ध नहीं हुआ है कि वर्तमान विनिर्मित कीमतें पैन-जी की कम कीमतों पर आधारित हैं । जब पैन-जी को 18 अम.डॉ. में बेचा जा रहा था तो इससे ये इकाइयां बंद नहीं हुई थीं और न ही जीवन रक्षक औषधियों की आपूर्ति में कोई कठिनाई आई थी । यद्यपि, घरेलू उद्योग यदि वर्तमान शुल्क को आयात कीमत में जोड़ा जाता है, तो भी डी पी सी ओ कीमतों को पार नहीं करेगा, तथापि आयात कीमत पिछले तीन वर्षों के दौरान 13 महीनों में प्रचलित कीमतों से फिर भी कम रहेगी । ए पी आई की कीमतें पैन-जी की कीमत से ली जाती हैं, तथापि, सभी ब्रांडेड कंपनियों द्वारा उत्पादित विनिर्मितियां ओ आर जी आंकड़ों और सी आई एम एस के सार्वजनिक डोमेन के आंकड़ों, मौजूदा ब्रांडों की आई डी

आर प्रकाशित कीमतों का पालन करती हैं और उनमें से अधिकांश अपने एम आर पी को मौजूदा अग्रणी ब्रांडों के एम आर पी से 5 से 20% की परिधि में कम या अधिक निर्धारित करती हैं।

- (झ) अरबिन्दो द्वारा किसी क्षति या कारणात्मक संबंध का दावा नहीं करना - याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि अरबिन्दो, चीन अरबिन्दो इंडिया को सुदूर कीमतों पर वस्तुओं का बीजकीकरण कर रहा है। वह कीमत जिस पर वस्तुओं के बीजक तैयार किए जा रहे हैं, अन्य उपभोक्ताओं के लिए एक बैच मार्क है। यदि इन दोनों कंपनियों के बीच सभी सौदे सुदूर आधार पर हुए हैं, तो इससे वह कीमत स्थापित होती है, जिस पर अन्य उपभोक्ता इस सामग्री की मांग करेंगे।
- (ट) प्रकटन विवरण के बाद विभिन्न अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित टिप्पणियां दी गई हैं :-

प्रकटन विवरण के बाद अन्य हितबद्ध पक्षकारों (निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं) के विचार

70. प्रकटन विवरण के बाद निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों (निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं) ने अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं।

- (1) मै. बी डी एम ए
- (2) मै. एशियाटिक ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल प्रा.लि.
- (3) मै. अबोट हेल्थकेयर प्रा. लि. (अब मै. पिरामल हेल्थकेयर लि.)
- (4) मै एल एंड एस रिप्रेजेंटिंग डी एस एम ग्रुप ऑफ कंपनीज
- (5) मै. रेनबैक्सी लेबोरेट्रीज लि.
- (6) मै. के डी एल बायो-टैक लिमिटेड
- (7) मै. लुपिन लि.
- (8) मै. यूनिमार्क रेमिडीज
- (9) मै. ओटसुका कैमिकल इंडिया प्रा. लि.
- (10) मै. विरचौ पैट्रो कैमिकल प्रा.लि.
- (11) मै. अरोबिन्दो (डातोंग) बायो फर्मा कं लि.

71. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं :

1. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने 6 ए पी ए के लिए घरेलू उद्योग की योग्यता से संबंधित मुद्दा पुनः उठाया है। उन्होंने अल्का रेमिडीज द्वारा प्रस्तुत सीमित सूचना पर भी ध्यान दिलाया है। उन्होंने पहुंच मूल्य के निर्धारण में त्रुटि और संबद्ध जांच में जांच अवधि के अनुचित चयन के संबंध में भी टिप्पणी की है। उन्होंने क्षति कारकों के विभिन्न तथ्यों पर पुनः ध्यान दिलाते हुए यह कहा है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। अधिकांश अनुरोधों में संबद्ध वस्तुओं के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की ओर ध्यान दिलाया गया है। उन्होंने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए संबद्ध वस्तु की मांग और आपूर्ति के बीच असमानता की ओर प्राधिकारी का ध्यान पुनः

दिलाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित अधिकांश 6 ए पी ए का प्रयोग आबद्ध खपत के लिए किया जाता है । उन्होंने आगे यह कहा है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से अनिवार्य वस्तुओं की कमी के चलते उपभोक्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं में केवल वृद्धि ही होगी । उन्होंने पुनः जनहित का मुद्दा उठाया है क्योंकि संबद्ध वस्तुएं जीवन रक्षक औषधियां हैं और यहां तक कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणामों में की गई सिफारिशों में भी केन्द्र सरकार द्वारा कोई शुल्क नहीं लगाया गया था । उन्होंने प्राधिकारी से जांच को समाप्त करने के संबंध में अनुरोध किया है ।

II. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने एक अधिसूचना के अंतर्गत दो जांच करने का मुद्दा पुनः उठाया है और प्राधिकारी से इस पद्धति को स्पष्ट करने के लिए कहा है तथा योग्यता, घरेलू उद्योग की स्थिति, क्षति और कारणात्मक संबंध की दोनों उत्पादों के लिए अलग-अलग जांच करने का अनुरोध किया है । मांग या स्पष्ट खपत के निर्धारण के मुद्दे पर उन्होंने 6 ए पी ए की मांग के परिकलन में प्रकटन विवरण में प्राधिकारी के निष्कर्षों पर प्रश्न उठाया है क्योंकि उनमें अन्य आबद्ध उत्पादकों के उत्पादन पर ध्यान नहीं दिया गया है जो घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र से बाहर हैं । डी एस एम कंपनी समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने इस बात पर ध्यान दिलाया है कि कारणात्मक संबंध के बारे में निश्चित निष्कर्षों तक पहुंचने के लिए प्राधिकारी द्वारा अन्य कारकों की पुनः जांच की जा सकती है । यह भी अनुरोध किया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से भारत में 6 ए पी ए के कुल आयातों में उनके द्वारा किए गए आयातों का लगभग 12% हिस्सा बनता है और अन्य मामलों में प्राधिकारी के पूर्ववर्ती निर्णयों के अनुसार डी एस एम एंटी इन्फेक्टिव इंडिया लि. को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए ।

III. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से क्षति रहित कीमत और उसके निर्धारण में प्रयुक्त पद्धति का खुलासा करने का अनुरोध किया है और यह स्पष्ट करने के लिए कहा है कि क्या "बिक्री लागतों" और "क्षति रहित कीमत" शब्दों का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया गया है । उन्होंने प्राधिकारी से इस तथ्य की जांच के आधार को भी स्पष्ट करने के लिए कहा है कि आयात की पहुंच कीमत और घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम रही हैं । उन्होंने प्राधिकारी से घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कम कीमत पर बिक्री की जांच करने के लिए कहा है । यह भी कहा गया है कि कम कीमत पर बिक्री के संबंध में डी जी ए डी के जांच परिणाम, जो 6 ए पी ए के लिए 45% से 55% के बीच का मार्जिन और पैन जी के लिए 25 से 35% के बीच का मार्जिन दर्शाते हैं, भी जांच परिणाम से मेल नहीं खाते हैं या ऋणात्मक कीमत कटौती मार्जिन हैं । उन्होंने इस खामी की जांच करने और क्षति कारक के संबंध में पैन-जी और 6 ए पी ए के लिए पाटन और क्षति संबंधी विश्लेषण हेतु आंकड़ों की जांच करने का अनुरोध किया है । उन्होंने प्राधिकारी से आई बी आई एस के आंकड़ों के बजाए डी जी सी आई एस के आंकड़ों पर विचार करने के लिए भी कहा है ।

IV. कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि मै. जैड जी बी और मै. डी एच ए से भारतीय कंपनी मै. डी ए आई को की गई निर्यात बिक्रियों को

स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ये संबंधित पक्षकारों के बीच हुई थीं । यह भी उल्लेख किया गया है कि सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ प्राधिकारी द्वारा इसे स्वीकार नहीं किया गया था । यह भी अनुरोध किया गया है कि चीन जन.गण. में बाजार अर्थव्यवस्था कंपनियों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य को चीन के अन्य उत्पादकों पर भी लागू किया जाना चाहिए । उन्होंने इस तथ्य पर प्रश्न उठाया है कि एस पी आई सी किस तरह से 6 ए पी ए के लिए घरेलू उद्योग है और किस तरह से दो उत्पादों के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया गया है । यह भी अनुरोध किया गया है कि पैन-जी और 6 ए पी ए पर पाटनरोधी शुल्क की प्रस्तावित लेबी से मूल्यवर्धित उत्पादों अर्थात् ए पी आई और विनिर्मितियों के आयातों में वृद्धि हो जाएगी । उन्होंने यह भी कहा है कि यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो विनिर्माता पाटनरोधी शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल सकते हैं क्योंकि विनिर्मितियों की कीमतों, जिनमें संबद्ध वस्तु का प्रयोग अपेक्षित है, को डी पी सी ओ द्वारा लगाई गई अधिकतम बिक्री कीमत से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है । यह भी अनुरोध किया गया है कि पैन जी के 6 ए पी ए समतुल्यों को पैन जी के कुल आयातों में नहीं जोड़ा जा सकता है ।

- V. जी सी एल ई के विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व ने वाले कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटन विवरण के संबंध में टिप्पणियां दी हैं और प्राधिकारी से जी सी एल ई के लिए औषधि विनिर्माता के रूप में अपने हित पर विचार करने का अनुरोध किया है । उन्होंने यह अनुरोध किया है कि पैन जी का प्रयोग अनेक एंटीबायोटिक्स के विनिर्माण में मध्यवर्ती उत्पाद के रूप में होता है, जिनका बाद में अन्य जीवन रक्षक औषधियों के विनिर्माण में प्रयोग होता है । यह अनुरोध किया गया है कि पैन जी का प्रयोग जी सी एल ई के विनिर्माण के लिए निविष्टि के रूप में होता है जो अन्य जीवन रक्षक औषधियों जैसे सैफीजाइम, सैफ्टिनेर, सैप्रोजिल और सैप्रोडोक्सिम के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री है । इसके अलावा, यह भी बताया गया है कि कच्ची सामग्री के रूप में जी एस एल ई का प्रयोग करने वाले सभी भारतीय बल्क ड्रग विनिर्माताओं ने अपनी 100 प्रतिशत जरूरतों को लगभग 4 वर्ष पहले जापान और चीन से आयात किया था । इस समय भारत में जी सी एल ई के केवल दो विनिर्माता हैं जिनके पास 75 मी.ट. प्रति माह की क्षमता है और भारतीय विनिर्माताओं की कुल मांग 125 मी.ट. प्रति माह है । चूंकि मांग और आपूर्ति के बीच भारी अंतर है, इसलिए जी सी एल ई के निर्माता धीरे-धीरे घरेलू बल्क ड्रग विनिर्माताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में जी सी एल ई की कीमतों पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि शुल्क के अतिरिक्त बोझ के कारण जी सी एल ई की उत्पादन लागत में काफी वृद्धि हो जाएगी । इससे न केवल जी सी एल ई की कीमतें प्रभावित होंगी बल्कि ऊपर उल्लिखित अन्य भेषज उत्पादों की कीमतों पर भी वृद्धिकारी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इन उत्पादों के विनिर्माण में जी सी एल ई का मध्यवर्ती उत्पाद के रूप में प्रयोग किया जाता है । उनके द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि जी सी एल ई की बढ़ी हुई उत्पादन लागत के कारण उपभोक्ताओं को चीन और अन्य देशों से जी सी एल ई का आयात करने के

लिए बाध्य होना पड़ेगा क्योंकि ये आयात उपभोक्ताओं के लिए सस्ते होंगे और अंततः भारत में जी सी एल ई के घरेलू उद्योग की स्थिति बिगड़ जाएगी। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना पैन-जी के प्रत्यक्ष उपभोक्ताओं के लिए नुकसानदायक होगा। यह भी कहा गया है कि डी जी ए डी ने पूर्ववर्ती जांच में संबंधित उत्पाद की कमी के कारण आयातकों की कतिपय श्रेणियों को पाटनरोधी शुल्क की लेवी से छूट प्रदान की थी, विशेष रूप से उन्होंने चीन जन.गण. से मैट कोक के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच का संदर्भ दिया है और यह कहा है कि उस मामले में डी जी ए डी ने आयातकों की कतिपय श्रेणियों को पाटनरोधी शुल्क के दायरे से छूट प्रदान की थी और उन्होंने प्राधिकारी से उसी क्रम में वास्तविक प्रयोक्ता शर्त के अधीन स्वयं को छूट देने का अनुरोध किया है। अंततः उन्होंने इस तथ्य पर ध्यान दिलाया है कि यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो उनके पास इस इकाई को बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा और इससे जी सी एल ई के चीनी विनिर्माताओं को अनुचित लाभ मिलेगा क्योंकि 100% जी सी एल ई का आयात चीन जन.गण. से होगा। उन्होंने प्राधिकारी से पैन-जी पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाए जाने का अनुरोध किया है या पाटनरोधी शुल्क लागू करने अथवा उन्हें छूट की अधिसूचना प्रदान करने के कारण जी सी एल ई की लागत में वृद्धि के समतुल्य रक्षोपाय शुल्क के रूप में समतुल्य संरक्षण प्रदान नहीं करने का अनुरोध किया है।

- VI. मै. अरबिन्दो की ओर से मै. जी टी सी कंसलटेंट्स ने यह अनुरोध किया है कि उनकी निवल निर्यात कीमत को वस्तुओं पर वैट अर्थात् 17% और चीन जन.गण. से बाहर 6 ए पी ए के निर्यातों के मामले में 13% की वापसी की दर के अंतर के कारण गलत ढंग से 4% घटाया गया है। उन्होंने यह कहा है कि उनके मामले में सामान्य मूल्य कंपनी की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए निर्धारित किया गया है और यह 4% अंततः 6 ए पी ए की उत्पादन लागत का हिस्सा है। अतः चीन जन.गण. को निवल निर्यात कीमत की तुलना कंपनी के सी ओ पी आधार पर परिकलित सामान्य मूल्य के साथ करने के लिए भारत को निर्यात कीमत से 4% के अंतर को घटाए जाने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्राधिकारी से नियत लागतों के मानकीकरण पर पुनः विचार करने का अनुरोध किया है क्योंकि मानकीकरण का प्रभाव सभी स्थिर व्ययों पर नहीं दिया गया है। उन्होंने प्राधिकारी से उत्पादन लागत और सामान्य मूल्य की गणना में ऋण छूट के दावे की अनुमति नहीं देने की जांच करने के लिए भी कहा है। इसके अलावा, उन्होंने प्राधिकारी से उत्पादन लागत की गणना करने के लिए 5% के सामान्य लाभ मार्जिन की पुनः जांच करने के लिए कहा है।

72. प्रकटन विवरण के पश्चात् घरेलू उद्योग से निम्नलिखित टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं।

घरेलू उद्योग ने डी एस एम कंपनी समूह को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने, सामान्य मूल्य की प्रगति और डी एस एम कंपनी समूह के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण से संबंधित मुद्दों को पुनः उठाया है। विशेष रूप से उन्होंने स्वामित्व संबंधी मुद्दों को उठाया है और डी एस एम कंपनी समूह की अल्पसंख्यक

राज्यधारिता का उल्लेख किया है । उन्होंने प्राधिकारी से बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के संबंध में कच्ची सामग्री और सुविधाओं की कीमत से संबंधित मुद्दों की पुनः जांच करने का अनुरोध भी किया है । उन्होंने प्राधिकारी से डी एस एम कंपनी समूह की निर्यात कीमत को स्वीकार करने से संबंधित मुद्दे की विशेष रूप से पुनः जांच करने का अनुरोध किया है क्योंकि संबद्ध वस्तुएं संबंधित पक्षकार को बेची गई थी । इसी प्रकार उन्होंने प्राधिकारी से डी एस एम कंपनी समूह के ऋणात्मक क्षति मार्जिन की पुनः जांच करने का अनुरोध किया है । इसके अलावा, उन्होंने प्राधिकारी से स्थिर आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया है । अंततः उन्होंने प्राधिकारी से संबद्ध जांच में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने के लिए भी कहा है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

73. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु, घरेलू उद्योग, पाटन, क्षति और जनहित के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को नोट किया है और इन जांच परिणामों में संबद्ध जांच से उनकी संगतता के अधीन उचित स्थानों पर इन मुद्दों का समाधान किया है । प्राधिकारी ने क्षति संबंधी मापदंडों की वस्तुनिष्ठ ढंग से हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए जांच की है और वह निम्नानुसार समुक्ति करते हैं :-

- (क). जहां तक अनुषंगी उत्पादों पर संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में दिए गए तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के संभावित प्रतिकूल प्रभाव की पुष्टि करने के लिए सत्यापनीय सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । प्राधिकारी ने आगे घरेलू उद्योग के इस दावे को नोट किया है कि पेंसिलीन-जी की बिक्री कीमत भारत सरकार द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक नहीं हो सकती । जहां तक शुल्क लगाए जाने के बाद संबद्ध वस्तु और अनुषंगी वस्तु की कीमत में संभावित वृद्धि का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उत्पाद की कीमतों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी ।
- (ख). जहां तक इस तर्क का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारतीय और चीनी फार्मा उद्योग के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क पुष्टिकृत नहीं है और वर्तमान जांच के लिए अप्रासंगिक है ।
- (ग). जहां तक मैक्सिको के मामले में जांच शुरुआत के चरण पर परिकलित सामान्य मूल्य अपनाने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिका में सूचना की सीमा तक पाटन का साक्ष्य निहित है जिसे आवेदक ने सही ढंग से प्रस्तुत किया है । जहां तक वर्तमान निर्धारण का संबंध है, यह प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक मैक्सिकन उत्पादक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों/सूचना पर आधारित है । अतः वर्तमान निर्धारण पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2 के पूर्णतः सुसंगत है ।

(घ). जहां तक याचिका में निर्यात कीमत के बारे में साक्ष्य की पर्याप्तता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिका ने मात्रा, मूल्य और उस कीमत के बारे में पर्याप्त सूचना निहित है जिस कीमत पर मैक्सिको से निर्यात किया गया है । वस्तुतः मैक्सिकन उत्पादक द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर से पाटन की पुष्टि होती है, जिसका आरोप याचिकाकर्ता ने अपने आवेदन में लगाया है । प्राधिकारी ने प्रत्येक मामले में अब प्रतिवादी निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित करने में निर्यातक द्वारा प्रदत्त सूचना को स्वीकार किया है ।

(ङ) जहां तक पाटन मार्जिन के निर्धारण में कीमत समायोजन और व्यापार के स्तर के साक्ष्य का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि याचिका में निहित सूचना याचिकाकर्ताओं को उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना है । तथापि, प्राधिकारी ने अब निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना के विधिवत सत्यापन के बाद पाटन मार्जिन के निर्धारण में सूचना स्वीकार की है । यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका में कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के बारे में सूचना निहित है । इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि किसी भी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है । प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारकों का विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों के आंकड़ों के विधिवत सत्यापन के बाद क्षति एवं कारणात्मक संबंध के संगत शीर्षों में किया है ।

(च). जहां तक जांच अवधि के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि का चयन संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के कीमत व्यवहार के आधार पर किया गया है और यह आवेदकों की याचिका में दिए गए कारणों पर भी आधारित है । अनंतिम जांच परिणामों के बाद तथा मौखिक सुनवाई के दौरान और हितबद्ध पक्षकारों के लिखित अनुरोधों में यह सुझाव दिया गया है कि जांच अवधि को 6 माह तक बढ़ाया जाना चाहिए । हालांकि पाटनरोधी शुल्क का विरोध करने वाले कई हितबद्ध पक्षकारों ने जांच अवधि को 6 माह तक बढ़ाने के लिए कहा है और जांच अवधि को पूर्व में जोड़ने का यह कहते हुए अनुरोध किया है कि वर्ष 2008-09 को पूर्ण वित्त वर्ष के रूप में लेते हुए घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है । तथापि, दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने यह सुझाव दिया है कि जांच अवधि को 6 माह तक बढ़ाए जाने (अर्थात् 1 अक्टूबर, 2008 से 30 सितंबर, 2009 तक) से उनको हुई क्षति का बेहतर ढंग से पता लगाया जा सकेगा जिसमें बाद के 6 माह भी शामिल होंगे । इस मामले की जांच की गई है और यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी जांच के लिए 6 माह की जांच अवधि पाटनरोधी नियमावली और पाटनरोधी करार के भीतर है । 6 माह की जांच अवधि को प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के आंकड़ों, संबद्ध वस्तु की कीमत में उतार-चढ़ाव की जांच करने के बाद और इसी उत्पाद के खिलाफ शुरू की गई पूर्ववर्ती पाटनरोधी जांच का ध्यान में रखते हुए स्वीकार किया गया था । इस प्रकार समस्त हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना और प्रारंभिक जांच परिणाम में अधिसूचित जांच अवधि को ही रखने का निर्णय लिया है ।

(छ) जहां तक संचयी निर्धारण का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों देशों के संबंध में आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है। संचयन के मुद्दे का आगे विश्लेषण घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित अनुबंध में किया गया है।

(ज) जहां तक मैक्सिको से आयात कीमत के बारे में दिए गए कुछेक तर्कों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि मैक्सिको से खेपवार आयात कीमत से संबंधित साक्ष्य में मैक्सिको के संबंध में कम कीमत दर्शायी गई है।

(झ) जहां तक कुछेक हितबद्ध पक्षकारों पर शून्य शुल्क लगाने की सिफारिश करने का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त आंकड़ों का विधिवत सत्यापन करने और सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत के आंकड़ों को दर्शाने वाली विस्तृत गणना शीट तैयार करने के बाद पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन की गणना की गई है और पाटन मार्जिन प्रकटन विवरण के साथ समस्त सहयोगी निर्यातकों को भेजा गया है।

(ञ) पाटनरोधी शुल्क का विरोध करने वाले कई हितबद्ध पक्षकारों ने पैन-जी के तथा 6 ए पी ए दोनों की पूर्ति और मांग के बीच अंतर के संबंध में टिप्पणियां की हैं। प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के तर्क की जांच की है और जांचोपरांत यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी उपायों का उद्देश्य आयातों को प्रतिबंधित करना या रोकना नहीं होता है अपितु घरेलू उत्पादकों और संबद्ध देशों के निर्यातकों सहित समस्त हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिस्पर्धा का समान अवसर प्रदान करना होता है।

प्रकटन विवरण के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की प्राधिकारी द्वारा जांच

74. प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की गई है। यह नोट किया गया है कि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अधिकांश मुद्दे पूर्ववर्ती अनुरोधों की पुनरावृत्ति है और इनका अंतिम जांच परिणाम की उचित शीर्षों में समुचित विश्लेषण किया गया है। तथापि, उठाए गए ऐसे कुछेक मुद्दों की उपर्युक्तानुसार जांच की गई है जिन पर अन्यत्र विचार नहीं किया गया है।

(i) जहां तक पैन-जी और 6 ए पी ए की मांग की गणना का संबंध है, प्राधिकारी ने भारत में पैनसिलीन जी की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत को आबद्ध खपत एवं पैसलीन जी के मामले में सभी स्रोतों से हुए आयातों सहित भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री की मात्रा के रूप में परिभाषित किया है। 6 ए पी ए के मामले में प्राधिकारी ने उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत को उजरती कार्य एवं सभी स्रोतों से हुए आयातों सहित भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री की मात्रा के रूप में परिभाषित किया है। प्रकटन विवरण में यह उल्लेख किया गया था कि संबद्ध वस्तु की मांग में उन देशों की संबद्ध वस्तु की आबद्ध खपत शामिल नहीं है जो घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर है। यद्यपि, पैन जी की घरेलू मांग के निर्धारण के मामले में कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है तथापि, 6 ए पी ए की घरेलू मांग के निर्धारण के बारे में ऐसी टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं कि उसमें आबद्ध प्रयोजन के लिए घरेलू उत्पादक के उत्पादन पर विचार नहीं किया गया है जिसे घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर

रखा गया है। जहां तक 6 ए पी ए की कुल मांग में डी एस एम एंटी इन्फैक्टिक्स (इंडिया) की सूचना को ध्यान में न लेने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उसे मांग में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि डी ए आई को घरेलू उद्योग के शीर्ष में किए गए उल्लेखानुसार घरेलू उद्योग के दायरे में नहीं रखा गया है।

(ii) जहां तक क्षति रहित कीमत के निर्धारण की पद्धति का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पैन जी और 6 एपीए की क्षति रहित कीमत का निर्धारण आवेदक घरेलू उत्पादकों के संबंध में जांच अवधि (अर्थात् 1.10.2008 से 31.3.2009- 6 माह) के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाने के बाद अलग से किया गया था। कंपनी द्वारा रखे गए वित्तीय एवं लागत रिकॉर्डों का विस्तृत विश्लेषण/जांच एवं मिलान अपेक्षानुसार किया गया था।

(iii) जहां तक बिक्री लागत और क्षति रहित कीमत के अदल-बदल कर उपयोग किए जाने का संबंध है, उपर्युक्त निर्धारण से यह स्पष्ट किया जा सकता है कि इस जांच परिणाम में बिक्री लागत और क्षति रहित कीमत का निर्धारण अदल-बदल कर नहीं किया गया है। जहां तक पहुंच कीमत, बिक्री लागत और घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के निर्धारण का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पहुंच कीमत जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल कीमत प्राप्ति से अधिक रही है, जिसके परिणामस्वरूप पैन-जी और 6 ए पी ए दोनों के लिए नकारात्मक कीमत कटौती हुई है। तथापि, बिक्री लागत पहुंच कीमत और निवल बिक्री प्राप्ति दोनों से काफी अधिक रही है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है। इस प्रकार इस मामले में कीमत में कोई कटौती नहीं हुई परंतु कम कीमत पर बिक्री मार्जिन (क्षति मार्जिन) काफी अधिक रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत दोनों संबद्ध वस्तुओं के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से काफी कम है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2007-08 में पैन-जी और 6 ए पी ए के मामले में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत में कीमत ह्रास (निवल बिक्री कीमत में गिरावट) हुआ है। यह भी नोट किया जाता है कि बिक्री लागत में वृद्धि बिक्री कीमत में हुई तदनुसारी वृद्धि से अधिक हुई है। प्रारंभिक जांच परिणाम के आंकड़ों और घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन तथा प्रकटन विवरण में दिए गए आंकड़ों में विसंगति के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़ों का बाद में प्राधिकारी ने सत्यापन किया है और सत्यापित आंकड़ों को जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ ध्यान में रखा गया है (और इसमें संख्याओं में छिटपुट अंतर है)। यह भी नोट किया जाता है कि प्रारंभिक जांच परिणामों तक केवल मै. एलेंबिक इंडस्ट्री के आंकड़ों का सत्यापन किया गया था और प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद मै. एस पी आई सी द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया गया था और इस प्रकार प्रकटन विवरण, दोनों उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा दायर सूचना का सत्यापन किया गया है और सत्यापित आंकड़ों का उपयोग प्रकटन विवरण में किया गया है।

(iv) जहां तक मै. जैड जी बी एवं डी एच ए की उनकी भारतीय संबद्ध कंपनी की निर्यात कीमत को प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किए जाने का संबंध है, दोनों इकाइयों के मौके पर सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि कंपनी द्वारा मांग एवं आपूर्ति की बाजारी शक्तियों के उत्तर में बिक्री कीमत स्वतः निर्धारित की गई थी और डी एस एम

समूह की कंपनियों के बीच अंतरण कीमत और उनकी कीमतें मोटे तौर पर अन्य असंबद्ध पक्षकारों से उनके द्वारा किए गए आयातों के अनुरूप थी। अंतरण कीमत तंत्र के अवलोकन से यह पता चला कि पैन-जी के लिए पैन-जी कीमत निर्धारण का प्राथमिक आधार पूर्ववर्ती तिमाही में प्रचलित बाजार कीमतें थी।

(v) जहां तक पैन जी के उपयोगकर्ता जी सी एल ई के विनिर्माताओं के अभ्यावेदन का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि जी सी एल ई के विनिर्माण में पैन-जी का उपयोग निविष्टि के रूप में किया जाता है जो सैफिकसाइम, सैफडिनिर, सैफ्राजिल तथा सैपोडॉक्सिम जैसी जीवन रक्षक अन्य औषधियों के उत्पादन की प्रमुख कच्ची सामग्री है। उन्होंने यह अनुरोध किया है कि पूर्ववर्ती जांचों में प्राधिकारी ने आयातकों की कुछेक श्रेणियों को उत्पाद की कमी के कारण पाटनरोधी शुल्क की लेवी से छूट प्रदान की है और अपने अभ्यावेदन में उन्होंने प्राधिकारी से मैटकोक के मामले के अनुरूप वास्तविक प्रयोक्ता की शर्त पर इसे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उनके अनुरोध की जांच की गई है और यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी मांग एवं आपूर्ति के आधार पर अपने जांच परिणाम में कोई छूट संबंधी अधिसूचना की सिफारिश नहीं कर सकते और ऐसी सिफारिश पूर्ववर्ती मामलों में भी नहीं की गई है।

(vi) जहां तक मै. अरबिन्दो द्वारा प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में उठाए गए मुद्दों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई सुसंगत परंपरा के अनुसार निर्यात कीमत में 4% (अर्थात् अप्रत्यादेय वैट की राशि) की कमी की गई है। यह नोट किया जाता है कि सत्यापन दौरे के दौरान अप्रत्यादेय वैट की राशि में घाटे को उत्पादन लागत के भाग के रूप में और संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अलग से अभिज्ञात/प्रदर्शित नहीं किया गया है। जहां तक नियम लागत के मानकीकरण का संबंध है, प्राधिकारी ने ऐसे व्यय का मानकीकरण किया है, जिस पर सत्यापित आंकड़ों के आधार पर नियत लागत के रूप में विचार किया गया है। जहां तक उत्पादन लागत में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी से लिए गए ऋण हेतु ब्याज लागत की माफी का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इसे असामान्य प्रकार का माना गया है। अतः संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और सामान्य मूल्य के निर्धारण में ब्याज लागत को ध्यान में रखा गया है।

(vii) जहां तक कच्ची सामग्री की आपूर्ति और उसकी कीमत के बारे में घरेलू उद्योग की टिप्पणियों का संबंध है, मौके पर सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था और सत्यापन रिपोर्ट तथा प्रकटन विवरण में भी यह उल्लेख किया गया था कि कच्ची सामग्री की खरीद कीमत पर किसी प्रत्यक्ष सरकारी हस्तक्षेप का प्रभाव नहीं पड़ा था। आगे यह नोट किया गया है कि मै. जैड जी बी अपनी कच्ची सामग्री की खरीद संबंध एवं असंबद्ध दोनों कंपनियों से कर रही थी। यह नोट किया गया था कि ग्लूकोज एवं कॉर्न स्टीप लिक्विड जैसी कच्ची सामग्री की खरीद कई कंपनियों से की गई थी। इसके अलावा, कच्ची सामग्री के खरीद ऑर्डरों का सत्यापन किया गया था ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि कच्ची सामग्री की खरीद अन्य को आपूर्ति चीन में प्रचलित बाजार कीमत पर की गई थी। व्यापार लाइसेंस एवं नमूना खरीद बीजकों से आपूर्तिकर्ताओं की विधिक हैसियत और उनके द्वारा प्रभारित तुलनीय कीमतों का पता चलता है।

पैन-जी के मामले में संचयी निर्धारण

75. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह उपबंध है कि जब एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% से अधिक है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3% से कम है वहां आयातों का संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक है, और
- (ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

76. प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण करना उचित होगा । जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है कि चीन और मैक्सिको से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण उचित होगा :-

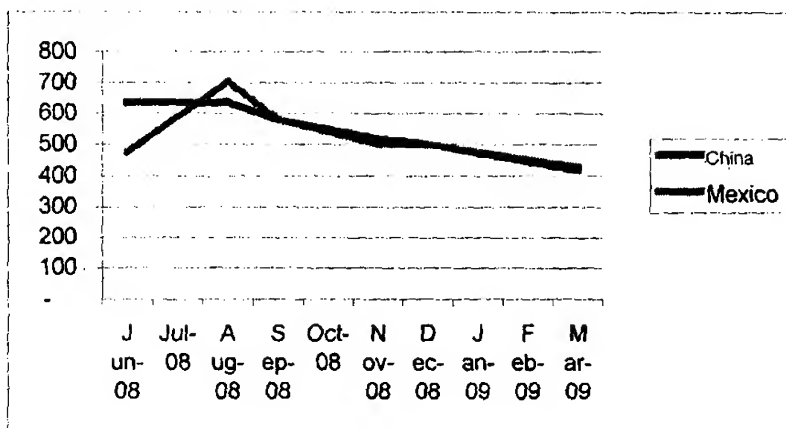
- i. प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है,
- ii. प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है,
- iii. निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखते हुए संचयी निर्धारण उचित है:-

- (क) शामिल वस्तु समान वस्तुएं हैं और ये समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं;
- (ख) दोनों देशों से आयातों में वृद्धि हो रही है;
- (ग) आयातित उत्पादों की बिक्री वितरण के समान माध्यम के जरिए और ग्राहकों की तुलनीय श्रेणी को की जा रही है ।

- iv. इस तर्क को ध्यान में रखते हुए कि क्षति का संचयन अनपेक्षित है, प्राधिकारी ने चीन और मैक्सिको से आयात की कीमत की तुलना की है । निम्नलिखित ग्राफ और/अथवा तालिका से वास्तविक स्थिति का पता चलता है । यह देखा गया है कि दोनों कीमतों में साथ-साथ घट-बढ़ हुई है ।

माह	चीन	मैक्सिको
जून-08	636	475
अगस्त-08	634	703
सितंबर-08	577	578

नवंबर-08	516	499
दिसंबर-08	500	498
मार्च-09	417	426



v. उपर्युक्त तथ्यों के मद्देनजर यह माना जाता है कि आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों तथा आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए पैन-जी के आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

मांग का निर्धारण

77. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने भारत में पेंसिलीन-जी की मांग या प्रत्यक्ष खपत को आबद्ध खपत और पेंसिलीन जी के मामले में समस्त स्रोतों से हुए आयातों सहित भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री की राशि के रूप में परिभाषित किया है। 6-ए पी ए के मामले में प्राधिकारी ने किए किए उजरती कार्य तथा समस्त स्रोतों से हुए आयातों सहित भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री की राशि के रूप में उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत को परिभाषित किया है। उल्लेखनीय है कि संबद्ध वस्तु 6 एपीए की मांग में उन उद्योगों की संबद्ध वस्तु की आबद्ध खपत शामिल नहीं है जो घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर के हैं। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

मांग

पैन-जी	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं., 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
कुल आयात	000, बीओयू	14,895	17,866	20,282	11,352	12,862

घरेलू उद्योग की बिक्री	000, बीओयू	2,243	1,926	2,636	3,344	2,503
मांग	000, बीओयू	17,138	19,792	22,918	14,696	15,365
प्रवृत्ति		100	115	134	86	90
6-एपीए	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं., 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
कुल आयात	मी.ट.	1,283	2,080	2,384	3,570	4,528
बिक्री- अलैबिक	मी.ट.	0	0	60	203	213
बिक्री-अल्का (जॉब वर्क सहित)	मी.ट.	9	424	400	442	190
मांग	मी.ट.	1,292	2,504	2,844	4,215	4,931
प्रवृत्ति		100	194	220	326	382

78. यह देखा जाता है कि समग्र क्षति अवधि के दौरान पेंसिलीन-जी की मांग में संतुलित गिरावट आई है लेकिन 6-ए पी ए की मांग में इसी अवधि में अत्यधिक वृद्धि हुई है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि पैन-जी की मांग में वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में गिरावट आने से पूर्व वर्ष 2005-06 से 2007-08 तक भारी वृद्धि हुई और इसमें जांच अवधि में पुनः वृद्धि हुई। यह नोट किया जाता है कि पेंसिलीन-जी का काफी अधिक उपयोग 6 - ए पी ए के उत्पादन में किया जाता है। 1 कि.ग्रा. 6 - ए पी ए के उत्पादन में लगभग 3 बी ओ यू पेंसिलीन - जी की खपत की जाती है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चूंकि 6-ए पी ए पेंसिलीन - जी की व्युत्पत्ति है इसलिए आयात की मात्रा का निर्धारण पेंसिलीन - जी एवं 6 - ए पी ए दोनों के आयातों पर विचार करते हुए किया जाना चाहिए। यह अनुरोध किया गया है कि चीन से पैन - जी तथा 6 - ए पी ए के समतुल्य पैन - जी के आयात में वर्ष 2007-08 और जांच अवधि के बीच भारी वृद्धि हुई है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है :-

पैन-जी तथा पैन जी 6-एपीए के समान	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं., 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मांग	000, बीओयू	21,013	27,374	31,451	27,342	30,158
प्रवृत्ति		100	130	150	130	144

मात्रात्मक प्रभाव : पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

पाटित आयातों का मूल्य तथा बाजार हिस्सा

79. यह देखा गया है कि विचाराधीन उत्पादों के पाटित आयातों की मात्रा में वर्ष 2005-06 से 07-08 तक भारी वृद्धि हुई है और तत्पश्चात वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में तेजी से गिरावट आई है और इसमें जांच अवधि में पुनः वृद्धि हुई है। आगे यह नोट किया

जाता है कि पैन - जी के मामले में कुल आयातों में संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान काफी अधिक वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान कुल उत्पादन और खपत में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा भी काफी अधिक रहा है।

80. यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. से 6- ए पी ए के पाटित आयात पूर्ववर्ती कम स्तर पर बने रहे परंतु उनमें पैन - जी की पूर्ववर्ती पाटनरोधी जांच की शुरुआत के बाद खास तौर पर समग्र रूप में और भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई। कुल आयातों और मांग में संबद्ध देश से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात की मात्रा निम्नानुसार रही है :-

पैन-जी का आयात	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं.,08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन जन.गण.	000, बीओयू	14,197	17,801	20,262	11,078	11,983
मैक्सिको	000, बीओयू	574	65	0	275	879
संबद्ध देश	000, बीओयू	14,771	17,866	20,262	11,353	12,862
अन्य देश	000, बीओयू	124	0	20	0	0
कुल आयात	000, बीओयू	14,895	17,866	20,282	11,353	12,862
प्रवृत्ति		100	120	136	76	86
आयातों में बाजार हिस्सा						
चीन जन.गण.	%	95.31	99.64	99.90	97.58	93.16
मैक्सिको	%	3.85	0.36	-	2.42	6.84
संबद्ध देश	%	99.17	100	99.90	100	100
अन्य देश	%	0.83	-	0.10	-	-
6-एपीए का आयात						
	इकाई					
चीन जन.गण.	मी.ट.	1,051	1,957	2,221	3,387	4,440
अन्य देश	मी.ट.	232	123	163	183	88
कुल आयात	मी.ट.	1,283	2,081	2,384	3,570	4,528
प्रवृत्ति		100	162	186	278	353
आयातों में बाजार हिस्सा						
चीन जन.गण.	%	81.92	94.04	93.16	94.87	98.06
अन्य देश	%	18.08	5.96	6.84	5.13	1.94

81. इस प्रकार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में आयातों का प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव प्रदर्शित होता है।

मांग में बाजार हिस्सा

82. यह देखा जाता है कि पेंसिलीन - जी के मामले में संबद्ध देशों से हुए आयातों के हिस्से में सितंबर, 2008 तक गिरावट आई । लेकिन इसमें जांच अवधि में पुनः वृद्धि हो गई । इसके अलावा, आयातों का हिस्सा हमेशा काफी अधिक रहा है । 6 - ए पी ए के मामले में अवधि के मध्य में अल्प गिरावट के साथ समूची अवधि में चीन के आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई । घरेलू उद्योग के हिस्से (आवेदक एवं समर्थक) वर्ष 2006-07 की छमाही से जांच अवधि तक गिरावट आई । इसके अलावा, आयातों का हिस्सा क्षति अवधि के दौरान काफी अधिक बना रहा ।

पेंसिलिन जी

मांग में बाजार हिस्सा %	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल 08-सितं. 08	अक्टू.08-मार्च 09
घरेलू उद्योग	13.09	9.73	11.50	22.75	16.29
अन्य भारतीय उत्पादक	-	-	-	-	-
आयात-चीन	82.84	89.94	88.41	75.38	77.99
आयात-मैक्सिको	3.35	0.33	-	1.87	5.72
आयात-संबद्ध देश	86.19	90.27	88.41	77.25	83.71
आयात-अन्य देश	0.72	-	0.09	-	-

6-एपीए

मांग में बाजार हिस्सा %	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल 08-सितं. 08	अक्टू.08-मार्च 09
एलंबिक	-	-	2.11	4.82	4.32
अल्का रेमिडीज (अन्य के लिए किए गए जॉब वर्क सहित)	0.70	16.93	14.06	10.49	3.85
आवेदक+ सहयोगी	0.70	16.93	16.17	15.30	8.17
आयात-चीन	81.35	78.15	78.09	80.36	90.04
आयात-अन्य देश	17.6	4.95	5.73	4.34	1.78

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

83. पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती ।

कीमतों का मूल्यांकन

84. क्षति अवधि में आयात कीमत में प्रवृत्तियों की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने क्षति अवधि में आयात कीमतों पर विचार किया । घरेलू उद्योग ने यह दावा किया कि क्षति

अवधि की तुलना में अत्यंत कम अवधि में कीमतों में भारी परिवर्तन हुआ है। अब यह दावा किया गया कि प्रवृत्ति की जांच माह - दर - माह आधार पर करनी अपेक्षित है।

अवधि	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
अप्रैल	276	269	271	382	377
मई	269	284	278	402	513
जून	265	279	290	506	591
जुलाई	276	278	298	662	599
अगस्त	272	278	305	727	582
सितंबर	258	273	312	749	529
अक्टू.	253	256	313	743	465
नव.	249	256	324	690	474
दिसं.	264	282	351	606	458
जन.	263	276	368	396	423
फर.	284	267	381	327	390
मार्च	269	266	386	328	364

85. प्राधिकारी नोट कर, कि अप्रैल, 2004-अप्रैल, 2007 के बीच पेंसिलीन - जी की आयात कीमत काफी कम थी। कीमतों में अप्रैल, 2006 से वृद्धि शुरू हुई और यह अगस्त-अक्टूबर, 2007 में सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। सौदेवार आयात के आंकड़ों से सितंबर, 2007 में 749 रूपए प्रति बी ओ यू तक की उच्चतम कीमत का पता चलता है। लेकिन उसके बाद कीमतों में तेजी से गिरावट आई और ये फरवरी-मार्च, 2008 में न्यूनतम स्तर पर आ गई। कीमतों में एक बार फिर इजाफा हुआ और इनमें जून - अगस्त, 2008 में सर्वाधिक वृद्धि हुई। तथापि, प्राप्त स्तर पूर्व में दर्ज स्तर से काफी कम रहा। तत्पश्चात कीमतों में भारी गिरावट आई।

86. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की है और इस बात पर विचार किया है कि कीमतों में ये उतार - चढ़ाव काफी अधिक रहे हैं और भारित औसत सी आई एफ कीमत तथा उनके पहुंच मूल्य एवं तदनुरूपी निवल बिक्री प्राप्ति और बिक्री लागत से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण कीमत प्रभाव की मात्रा का सही ढंग से पता नहीं चलता है। तथापि, सुसंगतता के मामले के रूप में प्राधिकारी ने भारित औसत सी आई एफ कीमत तथा निवल बिक्री प्राप्ति के आधार पर कीमत प्रभाव का निम्नानुसार विश्लेषण किया है।

कीमत कटौती

87. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की है। प्राधिकारी ने करों एवं शुल्कों, रिबेट, छूट, तथा कमीशन एवं भाड़ा तथा दुलाई को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करते हुए निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण किया है। इस गणना में घरेलू उद्योग की समग्र बिक्री मात्रा शामिल की

गई है । 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क के साथ भारित औसत सी आई एफ आयात कीमत पर विचार करते हुए आयातों की पहुंच कीमत का निर्धारण किया गया है । तुलना निवल बिक्री प्राप्ति और आयातों की पहुंच कीमत के बीच की गई थी ।

88. घरेलू उद्योग ने कीमत में ऐसे भारी अंतर की वजह से यह दावा किया कि कीमत में कमी की पेशकश न केवल उन ग्राहकों को करनी होती है जो आयातित सामग्री की धमकी (अथवा वास्तव में आंशिक रूप से ऐसा करने) देते हैं, अपितु उन ग्राहकों के लिए भी करनी होती है जो आयात नहीं करते हैं और न ही आयातित सामग्री का उपयोग करते हैं, व्यापार में कोई संभावित घाटा घरेलू उद्योग के लिए अत्यंत निर्णायक होता है । इसके अलावा, याचिकार्ता ने यह दावा किया है कि कीमत कटौती का निर्धारण उपभोक्ताओं द्वारा बुक किए गए आर्डर की तारीख के आधार पर किया जाना चाहिए ।

89. तथापि, प्राधिकारी ने एक सुसंगत प्रथा के रूप में आई बी आई एस स्रोत के अनुसार संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत निर्धारित की है । जांच से यह निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों की पहुंच कीमत से पैन - जी औ 6 - ए पी ए, दोनों मामलों में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती नहीं हो रही है ।

90. तथापि, संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से काफी कम है जिससे दोनों संबद्ध वस्तुओं के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अत्यंत कम कीमत पर बिक्री किए जाने का पता चलता है । यह भी नोट किया जाता है कि पैन - जी और 6 ए पी ए में वर्ष 2007-08 से घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत में ह्रास हुआ है । यह भी नोट किया जाता है कि बिक्री लागत में बिक्री कीमत में हुई वृद्धि से अधिक बढ़ोत्तरी हुई है । इसके अलावा, निवल बिक्री कीमत में पहुंच कीमत के अनुरूप बढ़ोत्तरी हुई है और यह दोनों उत्पादों के लिए वर्ष 2007-08 के बाद पहुंच कीमत से मामूली कम रही है जबकि पैन - जी के वर्ष 2005-06 में पहुंच कीमतों से मामूली अधिक रही है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं. 08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
पेंसिलिन - जी						
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./ बीओयू	****	****	****	****	****
बिक्री की लागत	रु./ बीओयू	****	****	****	****	****
पहुंच कीमत - चीन जन.गण.	रु./ बीओयू	314	365	604	558	459
पहुंच कीमत - मैक्सिको	रु./ बीओयू	341	426	-	562	480
पहुंच कीमत - संबद्ध देश	रु./ बीओयू	315	365	604	558	460
कीमत कटौती-चीन	रु./ बीओयू	****	****	****	****	****
कीमत कटौती - मैक्सिको	रु./ बीओयू	****	****	****	****	****

कीमत कटौती -संबद्ध देश	रु./ बीओयू	****	****	****	****	****
कीमत कटौती - चीन	%	****	****	****	****	****
कीमत कटौती - मैक्सिको	%	****	****	****	****	****
कीमत कटौती -संबद्ध देश	%	3-6	(5-10)	(5-10)	(5-12)	(4-8)

कम कीमत पर बिक्री - चीन	रु./ बीओयू	****
कम कीमत पर बिक्री - मैक्सिको	रु./ बीओयू	****
कम कीमत पर बिक्री - संबद्ध देश	रु./ बीओयू	****
कम कीमत पर बिक्री - चीन	%	****
कम कीमत पर बिक्री - मैक्सिको	%	****
कम कीमत पर बिक्री - संबद्ध देश	%	25-35

6-एपीए	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं.08	जांच अवधि
नियत बिक्री प्राप्ति	रु./ किग्रा.			****	****	****
बिक्री की लागत	रु./ किग्रा.			****	****	****
पहुंच कीमत- चीन जन.गण.	रु./ किग्रा.			****	****	****
कीमत कटौती	रु./ किग्रा.			****	****	****
कीमत कटौती	%			6-12	(2-6)	(2-6)
कम कीमत पर बिक्री	रु./ किग्रा.					****
कम कीमत पर बिक्री	%					****
कम कीमत पर बिक्री	%					45-55%

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

91. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग, बिक्री

92. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा की सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है। यह नोट किया जाता है कि बिक्री मात्रा में आधार वर्ष

(2005-06) से वृद्धि हुई है और अप्रैल-सितंबर, 2009 के दौरान इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई और तत्पश्चात् अगले अर्धवर्ष अर्थात् जांच अवधि में इसमें तेजी से 38 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन क्षति अवधि में बढ़ा है, इसमें जांच अवधि के दौरान मामूली वृद्धि हुई है, जिससे पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में गिरावट का पता चलता है। यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही तक क्षति अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई और तत्पश्चात् उत्पादन एवं मात्रा के अन्य मापदंडों के अनुरूप जांच अवधि में गिरावट आई। यह भी नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता कंपनी मै. एलंबिक लि. को 2005-06 में अपना उत्पादन रोकना पड़ा और उसने 2007 में उत्पादन पुनः शुरू किया। यह भी नोट किया जाता है कि उत्पादन मई, 2007 में पुनः शुरू किया गया था। तथापि, क्षमता का उपयोग काफी कम हुआ था। तथापि, पैन-जी और 6 ए पी ए दोनों मामलों में क्षमता उपयोग में अप्रैल-सितंबर में सुधार हुआ और जांच अवधि में पुनः उसमें गिरावट आई। उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, पूर्ववर्ती अवधि से जांच अवधि के दौरान पैन-जी और 6 ए पी ए दोनों के लिए क्षमता उपयोग में सुधार हुआ। तथापि, यह पैन जी के लिए अपेक्षित स्तर से अभी भी कम है जबकि 6 ए पी ए के मामले में क्षमता उपयोग काफी खराब है।

पेंसिलिन जी

	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल 08-सितंबर 08 (वार्षिकीकृत)	अक्टूबर 08-मार्च, 09 (वार्षिकीकृत)
मात्रा '000 बी यू					
घरेलू बिक्री	2,243	1,926	2,636	3,343	2503
प्रवृत्ति	100	86	118	149	112
क्षमता	4,772	4,772	4,772	4,772	4,772
प्रवृत्ति	100	100	100	100	100
उत्पादन	2,180	2,010	3,114	3,972	3,481
प्रवृत्ति	100	92	143	182	160
क्षमता उपयोग %	45.68	42.12	65.26	83.23	72.96
प्रवृत्ति	100	92	143	182	160

6-ए पी ए

	2007-08	अप्रैल 08-सितंबर 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मात्रा मी. टन में			
घरेलू बिक्री	50	203	213
प्रवृत्ति	100	406	426
क्षमता	600	600	600
प्रवृत्ति	100	100	100
उत्पादन	84	246	212
प्रवृत्ति	100	293	252
क्षमता उपयोग %	14.03	41.14	35.48
प्रवृत्ति	100	293	252

लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

93. याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि इस उत्पाद का वर्षों से पाटन होता रहा है। यह भी नोट किया जाता है कि एक याचिकाकर्ता कंपनी मै. एलेंबिक लि. को वर्ष 2005-06 में अपना उत्पादन रोकना पड़ा, जिसने वर्ष 2007 में उत्पादन पुनः शुरू किया। याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया है कि देश में पेंसिलीन - जी के ऐसे अन्य भारतीय उत्पादक थे, जो भी उत्पादन बंद करने के लिए बाध्य हुए थे। तथापि, इस तथ्य का खंडन भी विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने अपने अनुरोधों में किया है।

94. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि आयात कीमतों में वर्ष 2007-08 से पुनः वृद्धि शुरू हो गई। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया कि परिवर्तित बाजारी स्थितियों से उत्साहित होकर मै एलेंबिक ने पेंसिलीन जी का वाणिज्यिक उत्पादन पुनः शुरू किया और 6 - ए पी ए का उत्पादन भी पुनः शुरू कर दिया। तथापि, उत्पादन शुरू होते ही आयात कीमतों में पुनः गिरावट आ गई। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच से यह नोट किया जाता है कि लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में पुनः अत्यंत गिरावट आनी शुरू हो गई। यह स्थिति 6 - ए पी ए के मामले में भी एक जैसी है। प्रचालनों के कारण शुरुआत से ही घाटा हुआ और क्षति अवधि में इस घाटे में अत्यधिक वृद्धि हुई। यह भी नोट किया जाता है कि पाटन का लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में निहित सूचना से देखा जा सकता है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल -सितं. 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
पेंसिलीन -जी						
लाभ/हानि प्रति इकाई	रू./बीओयू	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(129)	(32)	(61)	(184)
कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(116)	(35)	(74)	(160)
पी बी आई टी	लाख रुपए	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(104)	6	(44)	(167)
नकद लाभ	रू./बीओयू	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(180)	84	(37)	(397)
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(162)	93	(44)	(345)
निवेश पर आय - एन	%	****	****	****	****	****

एफ ए %						
सूचीबद्ध		(100)	(211)	9	(124)	(504)

6-एपीए	इकाई	2007-08	अप्रैल'08- सितं.'08	अप्रैल'08- सितं.'08 (वार्षिकीकृत)	अक्टू'08- मार्च'09	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लाभ/हानि प्रति इकाई	रू./किग्रा.	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(54)	(54)	(103)	(103)
कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(182)	(182)	(366)	(366)
पी बी आई टी	लाख रुपए	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(193)	(193)	(393)	(393)
नकद लाभ	रू./किग्रा.	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(129)	(129)	(255)	(255)
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(180)	(180)	(374)	(374)
निवेश पर आय -एन एफ ए %	%	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	(116)	(116)	(238)	(238)

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

95. यह देखा गया है कि पैन - जी के लिए घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई । यद्यपि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में इसमें भारी गिरावट आई और यह काफी कम बना रहा । यद्यपि, क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में गिरावट आई है, तथापि यह क्षति एवं पूर्ववर्ती अवधि के दौरान काफी अधिक बना रहा है ।

96. यह भी नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों ने 6 - ए पी ए बाजार के एक बड़े भाग को कब्जे में ले लिया और जांच अवधि के दौरान उसके हिस्से में वृद्धि हुई । यह भी नोट किया जाता है कि समर्थक के साथ घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 6 ए पी ए के संबंध में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है ।

पेंसिलीन जी

पैन - जी	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितंबर, 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
कुल आयात	000 बी ओ यू	14,895	17,866	20,282	11,353	12,863
घरेलू उद्योग की बिक्री	000 बी ओ यू	2,243	1,926	2,636	3,344	2,503
मांग	000 बी ओ यू	17,138	19,792	22,918	14,696	15,365
प्रवृत्ति		100	115	134	86	90
6- ए पी ए	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितंबर, 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
कुल आयात	मी.ट.	1,283	2,080	2,384	3,570	4,528
बिक्री - एलबिक	मी.ट.	0	0	60	203	213
बिक्री - एल्का (जॉब वर्क सहित)	मी.ट.	9	424	400	442	190
मांग	मी.ट.	1,291	2,504	2,844	4,215	4,931
प्रवृत्ति		100	194	220	326	382

रोजगार, उत्पादकता तथा मजदूरी

97. यह भी नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता बहु उत्पाद कंपनियां हैं। इन कारकों की वजह से कोई प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है जैसा कि नगों के रूप में इस तालिका में उल्लेख किया गया है।

	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितंबर, 08 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
रोजगार (सं.)					
➤ पेंसिलीन-जी	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	100	97	101	100
➤ 6-एपीए	****	****	****	****	****
➤ सूचीबद्ध			100	85	85
मजदूरी (लाख रुपए)					
➤ पेंसिलीन-जी	****	****	****	****	****

➤ सूचीबद्ध	100	77	123	162	144
➤ 6-ए पी ए	****	****	****	****	****
➤ सूचीबद्ध			100	275	237
प्रति कर्मचारी उत्पादकता					
➤ पेंसिलीन-जी (000 बी ओ यू में)	****	****	****	****	****
➤ सूचीबद्ध	100	92	147	180	159
➤ 6- ए पी ए (मी.ट. में)	****	****	****	****	****
➤ सूचीबद्ध			100	344	297

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक: -

98. चीन जन.गण. एवं अन्य देशों से आयात की कीमत, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत को प्रभावित कर सकने वाले पाटित आयातों से इतर कारकों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की कीमत को प्रभावित करने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि चीन की सामग्री की आयात कीमत में घट-बढ़ की प्रवृत्ति दिखाई दी है और इससे क्षति अवधि के दौरान कई बार भारतीय उत्पादकों द्वारा संयंत्र भी बंद करने पड़े थे। भारतीय उत्पादकों की कीमत के लिए बैंच मार्क 6 - ए पी ए के मामले में चीन जन.गण. तथा पैन जी के मामले में चीन जन.गण. तथा मैक्सिको से आयात की कीमत है। अन्य देशों से हुए आयात हर हालत में नगण्य रहे हैं और ये घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए बैंच मार्क नहीं हैं। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है। 6 - ए पी ए उत्पाद की मांग में वृद्धि प्रदर्शित हुई थी (जैसा कि मांग में बाजार हिस्से से संबंधित पैरा में अलग से आकलन किया गया है) और यह घरेलू उद्योग को हुए कीमत ह्रास के लिए जिम्मेवार कारक नहीं हो सकता है। जांच अवधि के दौरान पैन- जी की मांग में कमी की वजह से इस तथ्य को अनंतिम रूप से बल मिल सकता है कि घरेलू उद्योग द्वारा पूर्व में दायर याचिकाओं के बाद पैन- जी के आयातों में गिरावट आई और तत्पश्चात 6- ए पी ए के आयात में भारी वृद्धि हुई। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए जिम्मेवार एकमात्र कारक उत्पाद की आयात कीमत एवं घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत रहा है। निम्नलिखित तालिका से आगे यह नोट किया जाता है कि जहां उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, वहीं संबद्ध देशों से पाटित आयात की कीमत उत्पादन की घरेलू लागत से काफी कम रही है और इसमें घरेलू बिक्री कीमत से मामूली उच्च समानता होने की वजह से घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमत नहीं बढ़ा सका।

पेंसिलीन जी	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं. 08	अक्टू. 08-मार्च 09
बिक्री लागत प्रति बी ओ यू	****	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	109	140	135	144
बिक्री कीमत प्रति बी ओ यू	****	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	104	169	155	133

6- ए पीए	2007-08	अप्रैल-सितं. 08	अक्टू. 08-मार्च 09
बिक्री लागत प्रति कि.ग्रा.	****	****	****
प्रवृत्ति	100	84	87
बिक्री कीमत प्रति कि. ग्रा.	****	****	****
प्रवृत्ति	100	94	81

पाटन मार्जिन की मात्रा: -

99. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन और मैक्सिको से पेंसिलीन जी तथा चीन से 6 ए पी ए के निर्यातों की बड़ी मात्रा के लिए पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु अत्यधिक भी है। सबद्ध देशों से दोनों संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की बड़ी मात्रा के पाटन मार्जिन को काफी अधिक माना गया है।

मालसूचियां: -

100. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मालसूचियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। तथापि, जैसा कि नीचे नोट किया गया है, मालसूचियों में वर्ष 2006-07 और उससे आगे वृद्धि शुरू हुई और वे पैन - जी के लिए सर्वोच्च स्तर पर थी। तथापि, समान अवधि के दौरान 6 ए पी ए की मालसूची में भारी गिरावट आई।

औसत मालसूचियां	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं. 08	अक्टू. 08-मार्च 09
➤ पेंसिलीन - जी (000 बी ओ यू)	116	33	41	82	116
प्रवृत्ति	100	28	35	71	100
➤ 6-ए पी ए (कि. ग्रा.)			309	324	30
प्रवृत्ति			100	105	10

वृद्धि: -

101. कई मापदंडों के संबंध में मात्रा एवं कीमत दोनों रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि ऋणात्मक रही है। यह भी दावा किया गया है कि विगत में हुए पाटन से संयंत्र को बंद करने की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल 08- सितं. 08	अक्टू. 08-मार्च 09
पेंसिलीन - जी					
उत्पादन	% -	(5-10)	40-60	20-30	(10-15)
घरेलू बिक्री मात्रा	% -	(8-12)	20-30	6-12	(20-30)
घरेलू बिक्री मात्रा	% -	(5-10)	80-120	(1-2)	(30-50)
बिक्री कीमत प्रति कि ग्रा	% -	3-5	50-70	(5-10)	(12-16)
बिक्री की लागत - प्रति बी यू	% -	12-16	20-25	(2-5)	5-10
6 - ए पी ए			2007-08	अप्रैल 08- सितं. 08	अक्टू. 08-मार्च 09
उत्पादन	%		-	150-250	(10-20)
घरेलू बिक्री मात्रा	%		-	200-250	3-5
घरेलू बिक्री मात्रा	%		-	200-250	(8-12)
बिक्री कीमत प्रति कि. ग्रा.	%		-	(4-8)	(12-16)
बिक्री की लागत - प्रति कि. ग्रा.	%		-	(12-20)	2-5

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता: -

102. दानों याचिकाकर्ता कंपनियां बहु उत्पाद कंपनियां हैं। तथापि, भारतीय उद्योग के संघटकों के कार्यों की स्थिति को देखते हुए जब एक याचिकाकर्ता कंपनी ने वर्तमान जांच की शुरुआत के बाद ही प्रचालन बंद कर दिए हैं और दूसरी कंपनी भारी घाटे में चल रही है, उत्पाद के पाटन से निश्चित तौर पर घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

गंवाई गई बिक्रियां

103. जांच के दौरान घरेलू उद्योग ने चीन उत्पादकों द्वारा बिक्री के प्रस्तावों के आधार पर ग्राहकों द्वारा मांग की गई कम कीमत का साक्ष्य उपलब्ध कराया है। यह प्रदर्शित करने के लिए भी साक्ष्य प्रदान किया गया है कि चीन के उत्पादकों ने ग्राहकों के साथ सौदे-बाजी के दौरान कीमत में भारी कमी की है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वे

ऐसे प्रस्ताव के आधार पर कीमतों को कम करने और ग्राहकों की ओर से ऑर्डर गंवाने के लिए बाध्य हुए हैं ।

क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

104. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु उसी विवरण के लिए संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । संबद्ध देश के निर्यातकों की भारित औसत पहुंच कीमत तथा क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है ।

पैन-जी

निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन अम.डॉ. प्रति बी ओ यू में	पाटन मार्जिन %	क्षति मार्जिन अम.डॉ. प्रति बी ओ यू में	क्षति मार्जिन %
झांग जिया कोऊ जिस्ट - ब्रोकेड्स फार्मास्युटिकल एंड डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं.	चीन	(****)	(****)	(****)	(****)
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	चीन	****	40.05	****	20-30
मै. फर्सिना जी बी तथा डी एस एम नीदरलैंड	मैक्सिको	****	24.60	****	20-30
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	मैक्सिको	****	34.25	****	30-40

6ए पी ए

निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन अम.डॉ. प्रति बी ओ यू में	पाटन मार्जिन %	क्षति मार्जिन अम.डॉ. प्रति बी ओ यू में	क्षति मार्जिन %
----------	-----	---	-------------------	--	--------------------

झांग जिया कोऊ धा फार्मास्युटिकल (धा) एंड डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं.	चीन जन.गण.	****	13.58	****	25-35
अरबिन्दो (दातोंग) बायो- फार्मा	चीन जन.गण.	****	10.34	****	50-60
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	चीन जन.गण.	****	36.01	****	50-60

पैन - जी की क्षति के बारे में निष्कर्ष

105 (i) उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा में वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में गिरावट आने से पूर्व वर्ष 2007-08 तक समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है और उसके बाद इसमें जांच अवधि में पुनः वृद्धि हुई। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पैसिलीन जी के पाटित आयातों में भारत में खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है और यह वृद्धि समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में काफी अधिक रही है। आगे यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान कुल आयातों में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 100% रहा है और यह समान अवधि के दौरान कुल मांग में लगातार अधिक (80% से अधिक) रहा है। कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि आयात की कीमत में अत्यधिक घट-बढ़ होती रही है जो लागत संरचना में हुए परिवर्तन के अनुपात में नहीं है। आगे यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, जांच अवधि के दौरान औसत कीमत कटौती ऋणात्मक रही है, तथापि घरेलू बाजार में कीमतें संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण प्रत्यक्ष रूप में प्रभावित हुई हैं। यह निर्धारित किया गया है कि पाटित आयातों के कारण कीमत ह्रास और अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हो रही है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत डी पी सी ओ के जरिए भारत सरकार द्वारा अधिसूचित कीमत से काफी कम रही है।

106. घरेलू उद्योग पर मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली 2% की वृद्धि हुई है जिसे क्षति अवधि के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में हुई वृद्धि की स्थिति में अति अल्प माना जाता है। आगे यह नोट किया जाता है कि आयात कीमत में वृद्धि के साथ क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है और आयात कीमत में गिरावट के साथ ही उसमें विकृति आ गई है। इसके अलावा, सितंबर, 2008 तक सुधार होने के बाद घरेलू उद्योग के निष्पादन में तेजी से गिरावट आई जिसकी वजह आयात कीमत में हुई भारी गिरावट रही है, जिससे जांच अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ के रूप में सामूहिक और संचयी रूप में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के एक संघटक ने अत्यधिक वित्तीय घाटे को देखते हुए जांच अवधि के बाद अपना उत्पादन रोक दिया है।

विभिन्न मापदंडों की अनंतिम जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

6 ए पी ए की क्षति के बारे में निष्कर्ष

107. यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. से 6 ए पी ए के पाटित आयात पूर्व में कम स्तर पर हुए हैं परंतु खास तौर पर पैन जी की पूर्ववर्ती पाटनरोधी जांच शुरू होने के बाद उसमें भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में और समग्र रूप में वृद्धि हुई है । कुल आयातों और मांग में संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक वृद्धि हुई है । कीमत प्रभाव का निर्धारण करने के लिए यह नोट किया जाता है कि पेंसिलीन जी की कीमत में घट-बढ़ के अनुरूप संबद्ध देश से आयात की कीमत में भी अत्यधिक घट-बढ़ हुई है जिससे इस आशय के सह-संबंध का पता चलता है कि खासकर प्राधिकारी द्वारा पैन - जी की पूर्ववर्ती पाटनरोधी जांच शुरू करने के बाद पेंसिलीन जी के पाटन से 6 ए पी ए का पाटन भी हुआ है । आगे यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, जांच अवधि के दौरान औसत कीमत ऋणात्मक रही थी, तथापि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू बाजार में कीमत पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है । यह भी नोट किया गया है कि पाटित आयातों के कारण कीमत ह्रास और अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हुई है ।

108. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन से यह पता चलता है कि इसमें आयात कीमत में वृद्धि के साथ सुधार हुआ है और आयात कीमत में गिरावट के साथ कमी आई है । इसके अलावा, सितंबर, 2008 तक घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार होने के बाद घरेलू उद्योग के निष्पादन में तेजी से गिरावट आई जिसकी वजह आयात कीमत में हुई भारी गिरावट रही है, जिससे उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ के रूप में सामूहिक और संचयी रूप में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । विभिन्न मापदंडों की अनंतिम जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

छ कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

109. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के आलोक में और इस संबंध में नियमावली को ध्यान में रखते हुए पाटित आयातों एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी की जांच की है ।

अन्य ज्ञात सूचीबद्ध मापदंडों का प्रभाव

110. प्राधिकारी ने अन्य कारकों से हुई क्षति, यदि कोई हो को अलग करने के लिए नियमों में किए गए उपबंध के अनुसार कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारणोत्तर कारकों के मुद्दे की जांच की । इस संबंध में नियमों में निर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जांच की गई है ।

पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत

(क) प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से विचाराधीन उत्पादों के नगण्य आयात हुए हैं। वस्तुतः क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों के हिस्से में भारी वृद्धि हुई है और वे जांच अवधि में लगभग 100% के स्तर पर पहुंच गए हैं अतः तीसरे देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

अन्य घरेलू उत्पादकों का निष्पादन

(ख) याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि भारत में पैन - जी के ऐसे अन्य उत्पादक थे, जिन्होंने काफी पहले अत्यधिक पाटन के कारण प्रचालन बंद कर दिए थे। यह भी दावा किया गया है कि अत्यधिक पाटन के मद्देनजर याचिकाकर्ता उत्पादन कार्य कलापों को बनाए रखने में भारी कठिनाई का सामना भी कर रहे हैं।

(ग) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धति नहीं पाई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है।

(घ) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

विचाराधीन अवधि के दौरान पैन जी की समग्र मांग में कमी आई है। तथापि, यह दावा किया गया है कि पेंसिलिन जी तथा 6 ए पी ए के समतुल्य पेंसिलीन जी पर विचार करने के बाद क्षति अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई है। अतः मांग में कोई संभावित गिरावट ऐसा कारक नहीं हो सकती है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो। इसके अलावा 6 ए पी ए की मांग में कोई कमी नहीं आई है और वस्तुतः इसकी मांग में भारी वृद्धि हुई है। खपत की पद्धति में परिवर्तन के बारे में किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई तर्क नहीं दिया है और न ही ऐसा प्रतीत होता है कि खपत की पद्धति में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(ङ) प्रौद्योगिकी विकास, निर्यात निष्पादन एवं घरेलू उद्योग की उत्पादकता

उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है अतः प्रौद्योगिकी विकास क्षति का कारक नहीं है।

(च) निर्यात निष्पादन - याचिकाकर्ताओं ने निर्यातों के बारे में अलग से सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति घरेलू प्रचालनों के कारण हुई है।

(छ) उत्पादकता - घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है।

पूर्वोक्त से यह स्पष्ट हो जाता है कि घरेलू उद्योग को अन्य कारकों से वास्तविक क्षति नहीं हुई है ।

कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक तथा पैन - जी तथा 6 ए पी ए के लिए कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष.

111. प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की तुलना में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण किया । यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है । पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि निम्नलिखित आधारों पर होती है:

- (i) घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों के विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तावित कीमतों के बीच काफी अधिक सह-संबंध है । आगे यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, घरेलू उद्योग द्वारा इष्टतम से कम कीमत का प्रस्ताव किया जा रहा है और अपनी कीमतें कम की जा रही हैं, तथापि, वह अपनी बिक्री गंवा रहा है । इस प्रकार बिक्री मात्रा में गिरावट संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आई है;
- (ii) आगे यह नोट किया जाता है कि बिक्री मात्रा में गिरावट के परिणामस्वरूप बिक्री कीमत में कमी आई है । इसके अलावा, अपने संयंत्र को चालू हालत में रखने के लिए उसने दोनों संबद्ध वस्तु की बिक्री अपनी उत्पादन लागत से काफी कम कीमत पर की है । इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के लाभ में इतनी अधिक गिरावट आई कि घरेलू उद्योग लाभ की स्थिति के बजाए वित्तीय घाटे की स्थिति में आ गया ;
- (iii) यह नोट किया जाता है कि लाभ में आई प्रत्यक्ष कमी के परिणामस्वरूप लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद प्रवाह में गिरावट आई । इस प्रकार लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय एवं नकद प्रवाह में गिरावट अनंतिम रूप से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण आई है;
- (iv) यह भी नोट किया जाता है कि बिक्री मात्रा में आई सतत गिरावट का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । यह नोट किया जाता है कि उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट पाटित आयातों के कारण आई है ।

अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और ऐसी क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों की कीमत और मात्रात्मक प्रभाव की वजह से अधिक हुई है ।

ज निष्कर्ष:

112. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उठाए गए मुद्दों तथा इस जांच

परिणाम परिणाम में प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (क) संबद्ध देशों (पैन जी के लिए चीन जन. गण. एवं मैक्सिको तथा 6 ए पी ए के लिए चीन जन.गण) से विचाराधीन उत्पादों (पैन - जी एवं 6 ए पी ए दोनों) का भारत को निर्यात उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।
- (ख) दोनों विचाराधीन उत्पादों के घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- (ग) यह क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु (पैन - जी एवं 6 ए पी ए) के पाटित आयातों के कारण हुई है ।

अ भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

113. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

114. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

अ सिफारिशें

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । निर्धारित पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की निश्चयात्मक पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए शुल्क लगाना अपेक्षित है । अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और तरीके से पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

116. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

कॉलम सं.	1	2	3	4	5	6	7	8	9
क.सं.	शीर्ष/ उपशीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
1	29411010	पेंसिलीन-जी पोटेशियम	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झांग जिया कोऊ गिस्ट-ब्रोकेड्स फार्मास्युटीकल कं. लि.	डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि.	NIL	बीओयू	अम.डॉ.
2	29411010	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त क्र. स 1 में उल्लिखित से इतर कोई संयोजन		2.17	बीओयू	अम.डॉ.
3	29411010	-वही-	चीन जन.गण.	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	2.17	बीओयू	अम.डॉ.
4	29411010	-वही-	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	2.17	बीओयू	अम.डॉ.
5	29411010	-वही-	मैक्सिको	नीदरलैंड	फरसेन्सा जीबी	डी एस एम एंटी इंफेक्शन बी.वी.	1.93	बीओयू	अम.डॉ.
6	29411010	-वही-	मैक्सिको	मैक्सिको	उपर्युक्त क्र. स 6 में उल्लिखित से इतर कोई संयोजन		2.50	बीओयू	अम.डॉ.
7	29411010	-वही-	मैक्सिको	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	2.50	बीओयू	अम.डॉ.
8	29411010	-वही-	संबद्ध देशों से इतर अन्य कोई देश	मैक्सिको	कोई	कोई	2.50	बीओयू	अम.डॉ.
9	29411050	6-ए पी ए (6-अमिनो पेंसिलेनिक एसिड)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झांग जिया कोऊ डी एच ए फार्मास्युटीकल कं. लि.	डीएसएम ट्रेडिंग (शंघाई) कं. लि.	4.13	किग्रा.	अम.डॉ.
10	29411050	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	अरबिन्दो (डाटोंग) बायो फार्मा कं. लि.	अरबिन्दो (डाटोंग) बायो फार्मा कं. लि.	2.66	किग्रा.	अम.डॉ.

11	29411050	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त क्र. सं.9 तथा 10 में उल्लिखित से इतर कोई संयोजन		9.28	किग्रा.	अम.डॉ.
12	29411050	-वही-	चीन जन.गण.	चीन से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	9.28	किग्रा.	अम.डॉ.
13	29411050	-वही-	चीन से इतर अन्य कोई देश	चीन	कोई	कोई	9.28	किग्रा.	अम.डॉ.

इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

117. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी 11 फरवरी, 2010 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

118. केन्द्र सरकार द्वारा यह जांच परिणाम स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट) में दायर की जा सकेगी।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th January, 2011

Final Findings

Subject : Anti-Dumping Investigations involving imports of Penicillin-G Potassium originating in or exported from China PR and Mexico and 6-APA originating in or exported from China PR.

F. No. 14/19/2009-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, (hereinafter referred as Rules) 1995 thereof;

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Alembic Limited, Vadodara (manufacturer of both Penicillin G and 6-APA) and M/s. Southern Petrochemical Industries Corporation Ltd. (SPIC), Chennai (manufacturer of only Penicillin G) alleging dumping of (a) Penicillin-G Potassium originating in or exported from China PR and Mexico (hereinafter referred to as subject countries for Penicillin-G); and (b) 6- Amino Penicillanic Acid (also referred to as 6-APA in this notification) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country for 6-APA).

ii. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioners before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;

iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 22nd July, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of Penicillin-G Potassium originating in or exported from China PR and Mexico and 6-APA originating in or exported from China PR, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

iv. The Designated Authority sent copy of initiation notification dated 22nd July, 2009 to the representatives of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

v. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the representatives of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra.

vi. The representatives of the subject countries in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country(ies)/territory(ies) to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters.

vii. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rules 6(4).

S.N.	Company's Name	Product	Country
1.	North China Pharmaceutical Company	Pen-G & 6-APA	China PR
2.	Aurobindo Tongling (Datong) Pharmaceutical Co. Ltd.	Pen-G	China PR
3.	Zhuhai Jinyou Imp. & Exp. Co. Ltd.	Pen-G	China PR
4.	Hebei Zhongrun	Pen-G	China PR
5.	Zhongnuo Pharmaceutical	Pen-G	China PR
6.	Jiangxi Dongfeng Pharmaceutical Co. Ltd.	Pen-G	China PR
7.	Sichuan Pharmaceutical Co. Ltd.	Pen-G & 6-APA	China PR
8.	Fersinsa, Mexico	Pen-G	México
9.	Harbin Pharmaceutical Group Co., Ltd	6-APA	China PR
10.	Chengdu United Laboratories	6-APA	China PR
11.	Henan Xinxiang Huaxing Pharma. Factory	6-APA	China PR
12.	Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co., Ltd. (Shijiazhuang Pharm Group)	6-APA	China PR

13.	NCPC Beta Co., Ltd.	6-APA	China PR
14.	Livzon Syntpharm Co., Ltd. (Zhuhai FTZ)	6-APA	China PR
15.	Shandong Lukang Pharmaceutical Group Co., Ltd	6-APA	China PR
16.	Zhuhai United Laboratories Co., Ltd	6-APA	China PR

viii. In response to the above notification, following exporters/producers have responded.

S.N.	Company's Name
1.	North China Pharmaceutical Company, China PR
2.	Aurobindo (Datong) Bio-Pharma , China PR
3.	Zhang Jia Kou Gist-Brocades Pharmaceutical, China PR
4.	Zhang Jia Kou DHA Pharmaceutical, China PR
5.	DSM Trading(Shanghai) Co. , China PR
6.	NCPC Beta Co., Ltd, China PR
7.	Fersinsa GB, Mexico
8	DSM Anti-Infectives BV, Netherland

ix. Questionnaire was sent to the following known importers and/or consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

SN	Company' name
1.	DSM Anti Infectives India Ltd.
2.	Elder Pharmaceuticals Ltd.
3.	KDL Biotech Ltd.
4.	Lupin Laboratory Ltd.
5.	Medox Agencies
6.	Nectar Lifesciences Ltd.
7.	Surya Pharmaceutical Ltd.

8.	Dhanuka Labs
9.	Aurobindo Pharma Ltd.
10.	Hindustan Antibiotics Ltd.
11.	Asiatic Drugs & Pharmaceuticals
12.	Unimark Remedies Ltd.
13.	Penam Laboratories Ltd.
14.	Amalgamated Drugs & Pharmaceuticals Pvt. Ltd
15.	Euro Asian Industrial Co.
16.	Apex Drug House
17.	Gypsy Organics India Inc.
18.	Malviya Chemicals & Pharmaceuticals (Pvt.) Ltd.
19.	Bhageria Dye Chem Ltd.
20.	Cebon India Ltd.
21.	Parabolic Drugs Ltd.
22.	Concept Pharmaceuticals Ltd.
23.	Dalas Biotech Ltd.
24.	Ranbaxy Laboratories Ltd.
25.	Surya Pharmaceutical Ltd.
26.	Tini Pharma Limited
27.	Elegant Pharmaceuticals Ltd.

x. Response has been received by the following importers/ embassies: -

S.N.	Company's Name
1.	DSM Anti Infectives India Ltd.
2.	Ranbaxy Laboratories Ltd.
3.	Asiatic Drugs & Pharmaceuticals

4.	Piramal Healthcare Limited
5.	Aurobindo Pharma Ltd., Hyderabad
6.	Embassy of Mexico
7.	Federation of Pharma Enterprises(FOPE)
8.	Doctor Lifeline Remedies (India) Limited
9.	Nectar Lifesciences Ltd, Chandigarh
10.	Otsuka Chemical India Ltd, Gurgaon.
11.	Unimark Remedies Ltd, Mumbai
12.	Bulk Drug Manufacturers Association, Hyderabad.
13.	Janak Laboratories Ltd. Alwar
14.	M/s Lupin Ltd
15.	Ambuja Intermediates Pvt Ltd,
16.	Virchow Petrochemical Pvt Ltd, Hyderabad

xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xii. Petitioners relied on import information published by Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) for 2005-06, 2006-07, 2007-08 and IBIS (secondary source) for 2008-09 for Penicillin-G and IBIS (secondary source) for 6-APA for the entire investigation period in their application. However, subsequent to initiation, the entire data of imports from IBIS and DGCI&S was analyzed and it was determined that volume of imports from IBIS was higher than that obtained from DGCI&S. Therefore, for the uniformity and also for the fact that import volumes are higher in IBIS during POI for both Pen G as well as 6 APA, it has been decided to take into account import information from IBIS for the volume as well as price effects in the injury analysis and also for the dumping margin determinations.

xiii. The verification of the domestic industry's and exporter's information & data, to the extent deemed necessary, was conducted.

xiv. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicants on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

xv. Investigation for both the products was carried out for the period starting from 1st October 2008 to 31st March, 2009 (POI). In case of Penicillin-G, the examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008, April 2008-September 2008 and the POI. In respect of 6-APA, however, since the domestic industry had started production in 2007 only, the injury examination had to be restricted to 2007-08 and 2008-09.

xvi. The Authority recommended imposition of provisional Anti-Dumping duties concerning imports of Penicillin-G Potassium originating in or exported from China PR and Mexico and 6-APA originating in or exported from China PR originating in or exported from the subject countries (falling under Chapter 29, vide its Preliminary findings Notification No 14/19/2009-DGAD dated 11th February, 2010).

xvii. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 18th March, 2010. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. The arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered, wherever found relevant, in the disclosure statement issued by the Authority on 21st December, 2010 and in this finding. In addition, comments received on the disclosure statement from the interested parties have been considered, wherever found relevant, in this finding.

xviii. *** in this notification represents information furnished by the applicants on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

B. Products under consideration

3. The Products under consideration in the present investigation are Penicillin-G Potassium and 6-APA. The Authority has treated Penicillin-G and 6-APA as two different products for the purpose of the present investigation. Penicillin is a β-lactam antibiotic used in the treatment of bacterial infection caused by susceptible, usually Gram-positive, organisms. The name "penicillin" can either refer to several variants of penicillin available, or to the group of antibiotics derived from the penicillin. Penicillin-G is an organic compound and is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. Penicillin is the first antibiotic to be isolated and is used in the treatment of various diseases and infections. Infections wherein penicillin is most effective are: strep, pneumonia, spinal meningitis, gas gangrene, diphtheria, syphilis, and gonorrhea.

4. 6-APA is a derivative of Penicillin-G and is also an organic chemical. 6-APA is a white powder. It is stable in ordinary conditions and the melting point is 198 - 200° C. It is used in manufacture of major antibiotics like Ampicillin Trihydrate, , Amoxycillin Trihydrate. etc.

5. The subject goods are classified in Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under subheading 2941 10 and under subheading 29411010 (Penicillin-G) and 29411050 (6-APA)

under the Indian Trade Classification. Customs classification is, however, indicative only and is not binding on the scope of the product under consideration and present investigations.

C. Like article

6. The Authority has treated Penicillin-G and 6-APA as dislike article for the purpose of the present determination. With regard to like article. Rule 2(d) provides as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

7. For both the domestic like products separately, it is noted that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and exported from subject country(ies). The subject goods produced by the Indian industry and that imported from subject country(ies) are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. In view of the above, subject goods produced by the petitioner companies are being treated as domestic like articles to the subject goods imported from subject country(ies) in accordance with the anti-dumping Rules.

Issues raised by various interested parties concerning initiation of one investigation for two products

8. Subsequent to the issuance of provisional findings and during the public hearing and written submissions thereafter, it has been submitted by many interested parties that the Authority is not justified in combining two products in one application, that too, when both the petitioners are not producing both the products and both the products are not being imported from both the countries. It has also been submitted that Pen-G and 6APA are not like products and they should never have been taken together in one investigation. These interested parties have requested non implementation of interim duties recommended by the Designated Authority.

9. In reply to above and with regards to inclusion of two products in one investigation, petitioners have referred to the following cases – Catalyst, Rubber Chemicals, Theophylline & Caffeine and Certain Phosphorous based compounds. Petitioners have argued that a careful analysis of these various products would reveal an un-spelled rationale in combining different products in one application. They have further added that even when different products may be dislike article under Rule 2(b), these different products are either used for same function, or are produced using similar production process, or to some extent have common production facilities, or have some overlapping raw materials, or are co-produced up to certain extent and thereafter produced separately to obtain the two products, or are seen in the market parlance as one product. It has been further added that in the present case Pen-G is only an intermediate used in the production of 6APA and 7ADCA; which are in turn used for production of various APIs.

The increase and reduction in demand of eventual API will increase or reduce demand of 6APA and in turn Pen-G. Pricing of Pen-G and 6APA are also intrinsically linked. Such being the situation, the petitioner submits that consideration of Pen-G and 6 APA in one application is not only permissible but also was highly desirable.

Examination by the Authority

10. The Authority notes that neither the Agreement nor the Antidumping Rules prohibits in any manner investigation of multiple products in one investigation as long as standing, like product, domestic industry status, dumping and injury investigations are carried out in respect of individual products separately. Thus, there is no explicit restriction in the Agreement to limit the investigation to single product as has been argued by the interested parties. Further, the issue of product under consideration, like article and standing requirement of the domestic industry has been examined with respect to individual products and all issues concerning dumping and injury determinations has been carried out separately for both the products. In view of the above, the arguments of the interested parties in this respect do not appear to be valid.

D. Domestic Industry

11. The application has been filed by M/s Alembic Ltd., Vadodara and M/s. Southern Petrochemical Industries Corporation Ltd. (SPIC), Chennai. Alembic Ltd. produced both the products, whereas SPIC produced Penicillin-G only. As per evidence available, petitioners' production accounts for 100% of the Indian production of Penicillin- G in the POI. In case of 6-APA, the petitioner is M/s Alembic Ltd., Vadodara. The petition has been supported by M/s. Alka Remedies Pvt. Ltd. The petitioner claimed that there are number of producers in India. But such production was largely for captive consumption and not for sale in the market. The petitioner submitted that production of 6-APA by those producers who consume it captively and do not sell in the market should not be considered for determination of standing and scope of the domestic industry.

Views of other interested parties

12. DSM Anti-Infectives, India and other interested parties have alleged that the petitioners lack standing with regard to 6-APA. The company has claimed that its own production and job work got done by DSM India amounts to 85% of Indian production of 6-APA. The share of Alembic is only 12% of Indian 6-APA production. As per Rule 2(b), it is not mandatory to always exclude those domestic producers who are related to exporters, importers or who themselves have imported the product. Exclusion of DSM India on the basis that it is a captive producer relying upon past decisions is erroneous. It has been further claimed that same treatment should be accorded to DSM for both the production and the import, that is, if DSM is not considered domestic industry, then imports by them should not be considered for injury determination and no anti dumping duty should be imposed on imports by them. It has also been submitted that limited information has been provided by M/s Alka Remedies. It has been contended that either Alka should provide detailed information or their information should be discarded for injury

determination. It has also been submitted by some of the importers that SPIC is not domestic industry for 6-APA. There are two sets of domestic industry for two products.

Views of domestic industry

13. The petitioners have rebutted the claim of DSM and argued that by their own admission, DSM does not sell 6-APA in the market. On this account alone, production by DSM should not be included for the purpose of determination of standing. Petitioners also referred to the past decisions of the Designated Authority and CESTAT in this regard.

Examination by the Authority

14. The Authority has considered claims of the interested parties on this account. The questionnaire response filed by DSM Anti Infectives India, Zhang Jia Kou Gist-Brocades Pharmaceuticals (producer of Pen-G K and also referred to as ZGB), Zhang Jia Kou Dha Pharmaceutical (producer of 6APA and also referred to as DHA) and DSM Trading (Shanghai) Co. have been examined in detail and their questionnaire response was subsequently verified by the Authority. It is noted from the examination that

- (a) these companies are related to each other.
- (b) 6-APA has been exported to India by Zhang Jia Kou Dha Pharmaceutical (DHA) through DSM Trading (Shanghai) and the same has been imported by DSM Anti Infectives, India.
- (c) The response states that the producers sell their goods through DSM Trading (Shanghai). Further, the response states that DSM Anti Infectives is the importer of the subject goods.

The Authority notes that Rule 2(b) provides, inter-alia, as follows:

"(b) 'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only"

15. The Authority notes that in the instant case, DSM Anti Infectives is the producer of 6-APA in India. However, the company has itself imported significant 6-APA from the subject country. Further, the company is related to exporter of 6-APA in China. Thus, the producer is related to exporter and the related company is itself an importer of the subject goods in India. The Authority notes that in the instant case, DSM Anti Infectives is the producer of 6-APA in India. However, the company has itself imported significant 6-APA from the subject country. Further, the company is related to exporter of 6-APA in China. Thus, the producer is related to exporter and the related company is itself an importer of the subject goods in India. Following the disclosure statement, it has been submitted by M/s DAI that they have imported 12% of the total imports during POI from subject country and therefore they should not be taken out from the purview of domestic industry even when their total production is for captive purpose only. Their

comment has been examined and it is noted that they have imported 12% of total imports from subject country and this amounts to close to 40% of total production of subject goods which is considered very significant. With this significant imports from subject country along with the fact that they are related to exporter from subject country, it is considered appropriate not to consider their claim for being domestic industry in the subject investigations.

16. Having regard to the provisions under Rule 2(b) and the facts on record, the Authority holds that M/s. DSM Anti Infeclives cannot be considered as eligible domestic producer and its production is required to be excluded for the purpose of determination of domestic industry. The Authority therefore holds that production of Alembic commands a major proportion in Indian production. Alembic Ltd. therefore constitutes domestic industry in respect of 6-APA within the meaning of the Rules.

17. The Authority, further, notes that M/s. Alka Remedies Pvt. Ltd. has supported the petition for imposition of anti dumping duties on imports of 6-APA. The limited information provided by the company shows that (a) the company has produced 6-APA on job work, (b) the company has significant capacity for production of 6-APA, which are largely unutilized. However, since the company has not fully cooperated with the Authority, the Authority was unable to include the company within the scope of domestic industry and examine injury suffered by the company. Nevertheless, the limited information filed by them has been used in determination of total demand and market share in the paras relating to Injury. With regards to Pen-G, it is noted from examination of record that M/s Alembic Ltd, Vadodara and M/s SPIC, Chennai account for 100% of the Indian production of Penicillin- G in the POI and constitute domestic industry for Pen-G as per rules.

E NORMAL VALUE

EI Normal value for China PR

18. The Authority sent questionnaire to the known exporters from China PR, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Following parties responded to the exporter's questionnaire.

S. N.	Name of the company	Status (producer/exporter)
1	Zhangjiakou Gist-Brocades Pharmaceutical Co Ltd	Producer (PEN-G K)
2	North China Pharmaceutical Corporation Ltd.	Producer (Pen-GK and 6APA)
3	Aurobindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd.	Producer (6APA)
4	NCPC Beta Co. Ltd.	Producer & exporter (Pen-GK and 6APA)
5	DSM Trading (Shanghai) Co. Ltd.	Exporter (Pen-GK and 6APA)

6	Zhangjiakou DHA Pharmaceutical Co Ltd	Producer (6APA)
---	---------------------------------------	-----------------

19. All the responding exporters/producers claimed market economy status. However, subsequent to the provisional findings, a letter/email was sent to M/s NCPC Beta asking their readiness/concurrence for verification of data submitted by them. Their attention was also invited to rule 6(8) of the Anti dumping rules 1995 as amended which states that in a case, where any interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances. Subsequent to the provisional findings and in response to Authorities' letter for verification of data submitted by them, M/s NCPC Beta did not convey their willingness for on the spot verification of the data submitted by them and did not give their willingness for on the spot verification of the data to be carried out at their premises citing the reason that their company is undergoing major restructuring exercise. Thus, in view of the above response, M/s NCPC Beta has been declared as non cooperative exporter and determination of dumping margin has been carried out on the basis of facts available.

20. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

All the remaining responding exporters claims have been examined considering the above-mentioned legal provisions and the information and evidence provided by these interested parties in their response and during on spot verification.

Examination of Market Economy claims in respect of China PR

21. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.

22. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient

evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

23. The Authority notes that consequent upon the initiation and notices issued by the Authority; some Chinese exporters have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country.

Views of domestic Industry on Normal value, Export price and Dumping margin

24. The domestic industry has submitted that market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity and unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values and their books are audited in line with international accounting standards. Further, it has been added that market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied and it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions. It has also been submitted that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence. It has been claimed by the domestic industry that the responding exporters have not established how they are entitled for market economy status in terms of, inter-alia, ownership & control, acquisition of plants, raw material prices and accounting standards.

Views of the other interested parties (Exporters, importers and users/Associations) on Normal value, Export price and Dumping margin

25. (a) The interested parties have claimed disclosure of calculation of normal value, ex factory export price and dumping margin. It has been further claimed by them that non determination of normal value based on data furnished by the producer/exporter is against the express provisions of Section 9A(6A). It has also been submitted that consideration of India as a surrogate for normal value calculation is unfair. It has been claimed by the exporters that MET has been recently granted by DA to some exporters from China. They have further argued that the reasons given by DA for rejection of MET claims are not correct.

(b) M/s Aurobindo has disputed the preliminary findings of the Authority that incomplete costing data has been submitted and their domestic sales are below cost of production (COP). It has been submitted that since domestic sales are not substantial, normal value needs to be determined based on COP. They have questioned the determination of export price by the Authority and also the fact that MET was not granted to them even as it is 100% subsidiary of Aurobindo, India.

(c) The Embassy of Mexico has argued that determination of reconstructed Normal Value on the basis of information supplied by the Domestic Industry instead of the "cost of production in Mexico" is contrary to Art. 2.2 of AD Agreement. Further, it has been submitted that the Indian and Mexican markets are not comparable because of different costs of labour and technology used in PUC. It has also been argued that the source of data for determining export price is not known, nor that whether this data pertains to POI and the determination does not clarify which documental sources are taken in consideration to obtain the amounts of the adjustments. With regard to comparison of Normal value with the export Price, it has been submitted, that it is not known that what were the basis of comparison and whether it was with respect to similar goods.

d) After the disclosure statement, it has been submitted by some interested parties that exports sales from M/s ZGB and M/s DHA to the Indian arm M/s DAI should not be accepted as they were between the related parties. It has also been mentioned that for the determination of normal value, the same was not accepted by the authority. It has also been submitted that normal value determined for market economy companies in China PR should be extended to other producers in China.

Submissions of responses and examination by Authority of responses of cooperating exporters

26. M/s Zhang Jia Kou GB Pharmaceutical Co. Ltd. (ZGB) (producer of Pen-GK), Zhangjiakou DHA Pharmaceutical Co Ltd (producer of 6APA), DSM Trading (Shanghai) Co. Ltd. (exporter of both Pen-GK and 6APA), M/s Aurobindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd. (producer and exporter of 6APA) have submitted their response and conveyed their willingness for on spot verification of data submitted by them. Accordingly, on the spot verification was carried out at the premises of the above exporters and a verification report was issued to each of the cooperating exporters mentioned above asking for their comments if any. The verification report (confidential) contained the verification process including the list of documents verified by the verification team. The comments submitted by verified exporters have been taken into

account while determining the dumping margins for the producers and exporters from China PR. The comments submitted by verified exporters have been taken into account while determining the dumping margins for the producers and exporters from China PR. It is recalled that the details of proposed normal value and export price were communicated to all the cooperating producers and exporters on confidential basis for their comments. After the disclosure statement, it has been submitted by some of the interested parties with regards to normal value determination of M/s ZGB, a producer and exporter of Pen-G from China PR that same yardstick should be applied on the issue of relationship in the determination of normal value and export price as both in domestic as well as in exports, sales of Pen-G have been made to related parties. The issue has been reexamined and revisited and all records pertaining to both the producers and exporters have been reexamined. It is noted that though there is a relationship between ZGB (producer and exporter of Pen-G) and DHA (Consumer of Pen-G) and both these companies are located in the same building, the price at which DHA buys Pen-G from ZGB is in line with price at which it procures Pen-G from other company. Therefore, though there is a relationship between these two companies, the relationship has not been found to vitiate the prevalent market price of Pen-G. Therefore in view of the above, the Authority has determined the normal value on the basis of selling price of Pen-G in the domestic market.

M/s Zhangjiakou Gist Brocades Pharmaceutical Co Ltd (ZGB)

Examination of market economy response(MET) response from M/s Zhangjiakou Gist Brocades Pharmaceutical Co Ltd (ZGB)

27. The authority examined the MET claims made by ZGB. The Authority conducted onsite verification of the exporters plant and office after preliminary findings. As mentioned in the verification report and disclosure statement, the Authority found that ZGB was a Sino Foreign Joint venture with 80% of the capital contributed by Gist Brocades International BV which was a 100% subsidiary of Royal DSM BV – a company listed in Netherlands. The technology was provided by DSM. ZGB was being managed by a Board of Directors consisting of 4 persons having equal votes. Three of them were representing the foreign investor.

28. With regards to purchase of raw materials, it was noted that M/s ZGB was procuring their raw materials from both related and unrelated companies. It was noted that raw materials like glucose and Corn Steep Liquid had been procured from several companies. Further, purchase orders of raw materials were verified to ascertain that the raw materials were purchased at prevailing market price in China as supplied to others. Further, glucose was also procured from a related company ****. The business licenses and sample purchase invoices indicated the legal status of the suppliers and the comparative prices charged by them. During the verification, procurement of utilities like coal, tap water and electricity were also examined. It was noted that while coal was procured from unrelated privately held companies, water and electricity was procured from state owned entities. It was also claimed that ZGB had imported Liquid NAPA

(Sodium Phenyl Acetate Solution) from India for which, supporting evidence were verified and it was noted during verification that waste arising out of 6-APA production was purchased back by ZGB from ****.

29. From the records verified by the Authority, It is noted that the selling prices were fixed by the company on its own in response to market forces of demand and supply. There was no apparent governmental intervention in the fixation of prices of Pen-G either for sale in the domestic market or for export to India. A perusal of the transfer price mechanism indicated that for PEN-G, the primary basis for pricing PEN-G was the market prices prevalent during the preceding quarter.

30. It was also noted during the ZGB had also obtained a credit limit of USD **** from ABN AMRO Bank in 2004. Details of the same were made available to the Authority during verification and the same was verified. The accounting records were examined. During the verification, it was noted that from the first year of operations, the accounts had been audited by independent CPAs. In terms of the audit report, the accounts generally comply with the GAAP and the Chinese accounting standards. It was also noted that M/s ZGB had been determining profits in accordance with GAAP and when they had earned surplus profits, dividends were also declared. It was also noted that exchange rate conversions have been carried out at the market rates which are fixed by the banks.

31. On the basis of the examination, it has been shown by sufficient evidence on the basis of criteria specified in para 8(3) of the Annexure -1 of the Anti dumping rules and examined above that market conditions substantially prevail for the subject firm. Thus, on the basis of the examination, the Authority grants market economy treatment to the subject company and in accordance with proviso of para 8(3) of the Annexure 1 of the Anti dumping rules, the normal value and export price has been determined in terms of para 1-6 of the said annexure.

Normal value and Export Price of Zhangjiakou Gist-Brocades Pharmaceutical Co Ltd (ZGB)

Normal value for ZGB

32. As per section 9A(c) of the customs tariff act as amended,

"normal value", in relation to an article, means -

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or

low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

33. As noted in the earlier paragraph, the normal value has been determined on the basis of domestic selling prices of subject goods in China PR. It has been noted from their response that their domestic sales are sufficient by the way of volume and thus this was considered sufficient in the context of determination of normal value. Thereafter, ordinary course of trade test (OCT) was conducted and it was noted that sales of subject goods of M/s ZGB were profitable in the domestic market during the POI. It was also noted from the OCT test examination of appendix 1 transaction wise sales that less than 80% of the domestic sales were profitable. Hence, the Authority has taken all profitable sales into account in working out normal value of Pen-G for the cooperating exporter.

Export Price of Zhang Jia Kou Gist-Brocades Pharmaceuticals (ZGB) and DSM Trading (Shanghai) Co.

34. It is noted that M/s ZGB exports PEN-G K to their related company DSM Anti - Infectives India (DAI). ZGB raises an invoice on DTC who in turn raises an invoice on DAI. The company had **** transactions of exports to India during POI aggregating to ****BOU or ****MT for a total value of USD****. During the verification, all the **** export sale invoices were verified with Appendix 2 and found to be correct. The invoices were in USD. Further, it was found that ZGB had sold the goods to DTC on FOB basis. Accordingly, inland freight from the factory to the port and port handling charges had been claimed as deduction. The deduction was based on actual invoices raised by the freight forwarding company. In addition, deductions towards Non-refundable portion of VAT, credit cost, packing cost, bank charges and SGA expenses/profit of DTC had been made. Non-refundable portion VAT had been calculated at the rate of 4% on the FOB value of exports from DTC to DAI. Credit cost was based on the interest rate of ****% per annum. This rate is based on the actual borrowing rate for the loan availed from ABN AMRO. Packing cost and labour costs were also verified with their records. It was further noted that bank charges were based on actual charges levied by the bank on realization of export proceeds from DAI by DTC. When DTC transferred the money to ZGB, there were no bank charges as it was a domestic transfer. All documents relating to exports to India were taken. The net export price is thus determined after above calculations and is mentioned in the dumping margin table below.

Zhang Jia Kou DHA Pharmaceutical (DHA)MARKET ECONOMYExamination of MET response of Zhangjiakou DHA Pharmaceutical Co Ltd (DHA)

35. The authority examined the MET claims made by DHA and the detailed examination has been mentioned in the verification report and also in the disclosure statement. It has been noted that M/s DHA was a Sino-foreign Joint Venture (JV) in which 74% was held by Gist-Brocades International BV, Netherlands ("GBI"), a 100% subsidiary of Royal DSM BV – a company listed in Netherlands. The technology was provided by DSM. The directors of ZGB were also the Directors of DHA. Thus, majority of the directors of DHA represented a foreign investor.

36. It is noted that M/s DHA was procuring raw material PEN-G from ZGB. DHA has also procured PEN-G from unrelated supplier namely ****. Further, purchase orders of raw materials were verified to ascertain that the raw materials were purchased at prevailing market price in China as supplied to others. All the utilities had been supplied by ZGB to DHA. During the verification visit, the invoices raised by ZGB on DHA towards utilities were also examined. It was noted that prices of raw material procured from different sources were broadly similar.

37. It is further noted that the selling prices were fixed by the company on its own in response to market forces of demand and supply. There was no apparent governmental intervention in the fixation of prices of Pen-G either for sale in the domestic market or for export to India. A perusal of the transfer price mechanism indicated that for 6-APA, the primary basis for pricing PEN-G was the market prices prevalent during the preceding quarter.

38. It is further noted that the directors of ZGB are the directors of DHA also. There is no change in the constitution of the Board of Directors of the two companies. Thus, majority of the directors of DHA represented Royal DSM, BV a widely held public company listed at Amsterdam stock exchange. Thereafter, the accounting records were examined and it was noted that the accounts had been audited by independent CPAs. In terms of the audit report, the accounts appear to comply with the GAAP and the Chinese accounting standards. It was also noted that exchange rate conversions have been carried out at the market rates which are fixed by the banks.

39. On the basis of the examination, it has been shown by sufficient evidence on the basis of criteria specified in para 8(3) of the Annexure -1 of the Anti dumping rules and examined above that market conditions substantially prevail for the subject firm. Thus, on the basis of the examination, the Authority grants market economy treatment to the subject company and in accordance with proviso of para 8(3) of the Annexure I of the Anti dumping rules, the normal value and export price has been determined in terms of para 1-6 of the said annexure.

Normal value for M/s DHA

40. It is noted that there are no domestic sales of 6APA by M/s DHA. As per section 9A(c) of the customs tariff act as amended,

"normal value", in relation to an article, means -

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

41. In view of the above, normal value for the subject producer for 6APA has been determined in accordance with section 9(A)(c)(ii)(b) of the customs tariff act. Thus, the normal value has been determined by taking into account actual cost of production along with SGA expenses and profit which was verified by the Authority on the basis of principles mentioned in Annexure 1 of the Anti dumping rules.

Determination of Export Price of Zhang Jia Kou DHA Pharmaceutical (DHA) and DSM Trading (Shanghai) Co.

42. M/s Zhang Jia Kou DHA Pharamceuticals is the producer of 6-APA only and has submitted responses to the exporters questionnaire. During verification visit, the appendices provided in the questionnaire were verified with ERP and the relevant supporting documents maintained by the company. The transactions were found to be in order and deductions claimed were justified and subsequently they were allowed. After allowing the deductions, the ex-factory export price was arrived at. There were **** transactions. It is noted that M/s DHA had claimed deductions on account of inland freight including port handling, ocean freight, packing, credit cost and bank charges. Inland freight including port handling charges were based on actual amount paid to the freight forwarding company. Similarly ocean freight was based on actual freight paid to the shipping company. Credit cost was based on ****% p.a. for the period of credit. The rate was the same as the one used by ZGB. Bank charges were based on the credit advice issued by the bank representing actual charges levied by the bank for every transaction. The ex-factory export price to India after deductions on account of SGA expenses and profit of DTC is mentioned in the table below.

DSM Trading (Shanghai) Co Ltd

43. It is noted that M/s ZGB and M/s DHA had exported Pen-G K and 6 APA respectively through their subsidiary M/s DTC during POI and earlier periods. It is also noted that M/s DTC

is a wholly owned subsidiary of DSM Sales Office BV Netherlands, which in turn is a subsidiary of Royal DSM BV Netherlands – a widely held public limited company listed at Amsterdam Stock Exchange. It was noted during verification that DTC being a trading company, the capital was only USD **** and the same was contributed in cash by the sole shareholder. There were **** directors on the board of DTC and all of them were ****. All of them represented DSMS sales office BV Netherlands. During verification, it was noted that M/s DTC was fixing the prices on its own without any apparent interference from any governmental authority.

During exporter's verification, the monthly Income Statements for every month from September 2008 to March 2009 were taken. From the monthly income statements, Appendix 3 totals were verified. For the products concerned, i.e. 6-APA and PEN-G, a listing of all the individual transactions were taken from the ERP system to verify the total exports of both the products concerned. Further, the said information was also used to verify the information supplied by both ZGB and DHA. During verification, information presented in the respective Appendices of ZGB and DHA were found to be in order.

Aurobindo (Datong) Bio-Pharma

Determination of Market Economy

44. M/s Aurbindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd., China PR is a producer and exporter of 6 APA. and has filed a exporter's questionnaire including response to market economy questionnaire reponse with relevant supporting documents. The company has claimed market economy status in the subject investigations. The information filed by the company shows that the company is 100% owned subsidiary of Aurobindo India. During the provisional findings, the Authority has not granted market economy status as the information submitted by the producer and exporter in this regard was deficient. It was also stated that the Authority is not in a position to grant market economy treatment to these companies at this stage pending further investigations including on the spot verifications.

45. Subsequent to the provisional findings, the Authority conducted verification of the data submitted by the producer and exporter after it had submitted response to the deficiency letter. During verification, the documents relating to copy of the business license, Chinese as well as English, copy of the Balance Sheet for the year 2001 (year of inception), initial Articles of Association of the company, details of acquisition of assets and source of funding of assets acquisition, purchase orders relating to source and rate of major raw material, evidence related to source and rate of utilities - Electricity, Water & Coal, terms and conditions for the loans obtained and the evidence for repayment of principal amount and payment of interest, changes in the structure of the company since inception along with details of share capital and details of ownership, purchase orders of major raw material issued to other producers of 6 APA for price comparison were examined.

46. In addition to above, it was explained to the verification team that the company was not transformed or acquired but was constructed from scratch. It was a green field project. It was also submitted with evidence that the land was purchased from the Government of China on

payment of proper consideration and the civil work was executed by allocating the work to various contractors. Plant and machinery was imported or procured within China. It was further explained with evidence that all the raw materials were locally procured except enzyme, which is imported and none of the raw material was purchased from any related party or from state owned enterprises. Further, purchase orders of raw materials were provided to substantiate that the raw material were purchased at prevailing market price in China as supplied to others. Purchase orders of major raw material issued to other producers of 6 APA was also provided to the verification team. It was also explained with evidence that the utilities such as Electricity and Water is purchased from State owned enterprises on payment of appropriate consideration and coal is purchased from private entities on prevailing market rate. The evidence for utilities were provided at the time of verification.

47. It was submitted by the exporter that price of electricity and water is fixed by local authority (government body) and the uniform rate is charged from all the industrial users existing in the Province. It was further submitted that the coal was purchased at prevailing market price in China as supplied to others. Purchase orders of coal issued to other consumers was also provided to the verification team.

48. It was further explained that the exporter is the wholly owned subsidiary of Indian company, M/s Aurobindo Pharma Limited and 100% shares of the exporter are possessed by M/s Aurobindo Pharma Limited. It was also explained that there are *** directors in the board of directors of exporter. One of them is the ****. None of the director is a state official or holds government position & minimum quorum of **** of the total directors is required for taking any decision in board of meeting. It was further submitted by the exporter that there was no change in the ownership pattern of the company since inception.

49. In terms of the audit report, the accounts appear to comply with the GAAP and the Chinese accounting standards. It was also noted that exchange rate conversions have been carried out at the market rates which are fixed by the banks.

50. On the basis of the examination, it has been shown by sufficient evidence on the basis of criteria specified in para 8(3) of the Annexure -1 of the Anti dumping rules and examined above that market conditions substantially prevail for the subject firm. Thus, on the basis of the examination by the Authority, it is proposed to grant market economy treatment to the subject company and in accordance with proviso of para 8(3) of the Annexure 1 of the Anti dumping rules, the normal value and export price has been determined in terms of para 1-6 of the said annexure.

Normal value for Aurobindo (Datong) Bio-Pharma

51. Aurbindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd., China PR is a producer and exporter of 6 APA. and has filed a proper exporter's questionnaire reponse with relevant supporting documents. It is noted that Pen G produced by M/s Aurbindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd. company is 100% consumed captively.

52. From the questionnaire response, it is noted that there are insufficient domestic sales of 6APA by subject producer in the domestic market as domestic sales constituted less than ****% of the total sales of the exporter.

As per section 9A(c) of the customs tariff act as amended,

"normal value", in relation to an article, means -

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

53. In view of the above, normal value for the subject producer for 6APA has been determined in accordance with section 9(A)(c)(ii)(b) of the customs tariff act. During the verification visit, the team also verified the total domestic sales, export to India and export to third country from the accounting software 'LANG CHAO' used by the exporter. It was submitted to the verification team that the exporter is producing and selling only one product i.e. 6 APA, hence, there is no question of allocation of cost. All the direct and indirect cost incurred during POI is on the one and only product i.e. 6 APA. The figures of appendix 7 were verified from the broken period profit and loss account from 01.10.2008 to 31.03.2009. The same were also verified directly from the accounting software 'LANG CHAO' of the company. The verification team was supplied monthly cost sheet of 6 APA from October 08 to March 09 along with the consolidated cost sheet for POI. It was submitted by the exporter that the Oct & Nov, 09 was abnormal period for production as production was reduced as per the directions of Govt of China due to Olympics. In view of this development, they have submitted in their response and also during the verification visit that the costing should be determined based on Normated Costing instead of Actual Costing. In order to substantiate their claim, the exporter furnished the letter issued by Datong City Environment Protection Bureau which called for reducing the production of 6 APA. Therefore, fixed cost have been normated by taking the average production of remaining 4 months of POI i.e. from Dec-08 to Mar-09 and variable cost remaining the same.

54. Further, it was explained that during the winter season, the exporter was directed to supply steam to the local village 'Yuzhoutuan' for heating system by the local authority 'Datong City Economic and Technological Development Zone Management Committee'. In this regard it was submitted by the exporter that the cost of steam incurred on heating system of village was not part of expenditure on production of subject goods as expenditure by exporter as the same was

not utilized in production of 6APA during POI. The letter by 'Datong City Economic and Technological Development Zone Management Committee' to the company was provided to the verification team. Therefore, cost incurred on supply of steam to villagers has been reduced from the total cost of sales.

55. It was further submitted by the exporter that interest payable on loan from their parent company has been written off during the POI, therefore, that should not be part of total cost of production. However, the claim of the company has not been accepted and amount of interest for the period of investigation has been included on total cost of production. Thus, the normal value has been determined by taking into account actual cost of production, after considering the adjustments stated above, along with SGA expenses and adding profit in the total cost so determined.

Export Price for Aurobindo (Datong) Bio-Pharma

56. It is noted that there were **** transactions of export sale to India executed by the exporter during POI. During the verification visit, documents relating to export sales i.e export Sales contract, commercial Invoice, packing list, shipping bill, bill of exchange, domestic freight invoice, overseas freight invoice, other charges such as Custom clearance charges, uploading charges, terminal handling charges, vigilance fees, bank remittance certificate were verified by the Authority.

57. It was noted during the verification visit that the adjustments on average price instead of on actual basis was taken by the exporter at the time of filing their response. During the verification, the actual price of these adjustments were taken and since, the per unit cost of inland freight, overseas freight, other charges etc. remained same during POI, there is no impact on per unit ex factory export price of 6 APA. The verification team verified the claim of the exporter for all the 31 export transaction.

58. After adjusting all other costs including refundable VAT component, the net export price of subject goods for subject producer and exporter is as mentioned below in the table.

M/s. Fersinsa GB, Mexico (Fersinsa)

Normal value in case of M/s. Fersinsa GB, Mexico (Fersinsa)

59. M/s. Fersinsa GB, Mexico has filed response to questionnaire. It is recalled that during the provisional findings, the response of the company was not accepted as it was deficient. Subsequent to the provisional findings, the company filed the replies to the deficiencies and also conveyed its willingness for on the spot verification. Accordingly, company's data submitted by them were verified during on the spot verification under taken by the verification team at the premises of the producer and a verification report was issued to the company for their comments. Thus, the normal value determination has been carried out with the verified data.

60. It is noted that the company did not have representative domestic sales i.e. quantity sold in the domestic market was less than 5% of the quantity exported to India. Further, the transaction by transaction details of export price to third countries had not been made available by the company. Therefore, normal value had to be constructed. It was noted that the company had claimed an allowance for startup costs from their cost to make and sell. However, the claim was found to be inappropriate as they had not established any new production facility but had only introduced a new strain of the product concerned in the existing facilities. Accordingly, the claim for adjustment towards startup costs was rejected. The normal value was determined based on their actual cost to make and sell with an addition towards profit on the basis of the information verified by the authority. Normal value determined as above is mentioned below in the table.

E2 Export Price of M/s. Fersinsa GB, Mexico (Fersinsa) exported through DSM Anti-Infectives BV, Netherlands (DSM, BV)

61. M/s Fersinsa, Mexico had exported the goods to India through DSM Anti-Infectives BV, Netherlands. Verification was conducted at the trader in Netherlands as well as at the producer in Mexico. Deductions towards ocean freight, credit cost, bank charges and SGA expenses and profit of DSM, BV were made from the export price to India. The net ex-factory export price so determined is mentioned below in the table.

Determination of Normal value and Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers

62. The Authority notes that a number of exporters had responded to the notice of initiation issued earlier, which was terminated later. In the present investigations, however, a number of these exporters have not responded. Further, the information on record shows that whereas the known volume of imports in the POI was **** MMU of Penicillin-G and **** MT of 6-APA, the responding exporters have claimed to have exported much less to India. Since no other response has been received from other producer/exporter of the subject goods and further since these producers/exporters command a significant proportion in total imports, the Authority has determined normal value and export price for non cooperating exporters as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The import shipment wise data has been collated and the export price in respect of non-cooperating exporters has been considered as per facts available.

E3 Dumping Margin

63. The Authority has determined dumping margin cumulatively for all sales of the product under consideration made by an exporter during the investigation period by considering weighted average of the volumes sold. Comparison has been made at ex factory level. The comparison showed existence of dumping of the subject goods during the POI for exporters mentioned below. The weighted average dumping margin, expressed as a percentage to the export price has been determined as below. For, M/s Zhang Jia Kou Gist-Brocades Pharmaceuticals (ZGB) and DSM Trading(Shanghai) Co, the dumping margin is determined as negative.

64. Besides, information filed by the domestic industry and responding foreign producers show that there were significant differences in the prices of the product within the period of Investigation. The domestic industry has submitted that there were significant changes in the prices depending on time periods and they have therefore requested that the Authority should ignore the transactions booked before the start of the investigation period and consider date of order as the date of sale. However, the Authority has not accepted the contention of domestic industry and has taken the invoice date as date of sale as has been done by the Authority in past cases.

65. Considering the normal value and export price as determined above, the dumping margins have been determined as follows:

Penicillin-G

Exporter	Country	Normal value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin%
Zhang Jia Kou Gist-Brocades Pharmaceuticals and DSM Trading(Shanghai) Co.	China PR	****	****	****	11.52
Non-Co-operative producers/exporters	China PR	****	****	****	39.51
M/s. Fersinsa GB and DSM Netherlands	Mexico	****	****	****	24.60
Non Co-operative producers/exporters	Mexico	****	****	****	34.25

6-APA

Exporter	Country	Normal value	Export Price	Dumping margin	Dumping Margin %
Zhang Jia Kou Dha Pharmaceutical DHA and DSM Trading(Shanghai) Co.	China PR	****	****	****	13.58
Aurobindo (Datong) Bio-Pharma	China PR	****	****	****	10.34

Non-Co-operative producers/exporters	China PR	****	****	****	36.01
--------------------------------------	----------	------	------	------	-------

F. Injury

66. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

67. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Views of Other Interested Parties (Exporters, Importers and Users/Associations)

68. The interested parties opposing imposition of anti dumping duties have advanced following arguments on POI and injury.

(i) Arguments on behalf of M/s DSM and others

(a) The POI of six months is inappropriate. It has been submitted by them that there is no adverse price effect as price undercutting ranges between 2-7%. Further, it has been claimed that there is no adverse effect on capacity utilization, sales or market share and there is nothing in support of claims of "threat of material injury". It has also been submitted that Petitioners have understated the Landed Value and the Authority should consider exporter's data.

- (b) It has been submitted by them that press release dated 8th May 2009 from Alembic provides different picture from what petition says, and different reasons (like major restructuring exercise, foreign exchange loss) for alleged loss.
- (c) The adverse impact of anti dumping duty on end consumers would be very high.

(ii) Arguments on behalf of Asiatic Drugs & Pharmaceuticals Pvt. Ltd and others.

- (a) Pen-G is life saving drug covered under Price Control.
- (b) There are only two domestic producers and they do not have enough capacity to meet Country's Demand. Further, SPIC plant is shut down and just to protect 15% of the capacity, 85% of the industry would be penalized. It has also been submitted that impact of anti dumping duty on downstream products is 30%.
- (c) No anti dumping duty on imports from DSM China would result in huge profits for the company and monopolistic conditions in India.
- (d) Recommended anti dumping duty works out at 43% of landed value which is major disadvantage to all other bulk drug producers except DSM India.

(iii) Arguments on behalf of Ranbaxy Ltd and others.

- (a) There is capacity constraint – Inability to cater to domestic demand. Further, captive consumption by domestic industry has an adverse impact on supply of subject goods.
- (b) The petitioner has given combined injury analysis, which is wrong.
- (c) Selection of POI is flawed; it should have been of 12 months.
- (d) Price fluctuations have been witnessed across the globe.
- (e) Import prices have actually gone up.
- (f) In earlier two petitions the petitioner has failed to show any case of injury.
- (g) The injury analysis is flawed as it has cumulated the effect of imports from China & Mexico, without proving that the cumulation is warranted.
- (h) Imports from China have declined.
- (i) Petition claims that dumping forced Alembic to suspend production in 2005 however Annual Reports say it was because of Global meltdown in prices.
- (j) Alembic has been undertaking restructuring exercises.
- (k) Petition contains no injury-analysis for M/s Alka Industries, whose share in Indian production for 6APA is 58%.
- (l) CIF value of 6APA imports has increased by 206%.
- (m) Increase in Domestic industry's selling prices has been more than the proportionate increase in cost.
- (n) The production, capacity utilization and sales have actually increased.
- (o) Market share of Chinese Pen-G imports has been decreasing, and that of Mexican imports have increased only by 3%, whereas that of Domestic industry has been increasing.
- (p) Wages and productivity have also witnessed huge increase.
- (q) This is a case of contraction in demand.
- (r) DPCO prices of formulations remaining same, profit would be impacted.

- (s) The petitioner's prayer for inclusion of imports under Advance License Scheme to total imports is erroneous.
- (t) DGAD has wrongly examined price effect of imports on domestic prices – when price undercutting is negative, price underselling cannot be as high as 45-55% for 6-APA.
- (u) No justification for inflated cost of production.
- (v) NIP is not a correct reflection of the actual cost of production.
- (w) The profitability figures cited for the user industry are incorrect – not true for manufacturers of bulk drugs / branded drugs.

(iv) Arguments by Janak Laboratories Ltd. and others

- (a) Closure of SPIC plant is attributed to shortage of sugar (main raw material for Pen-G) and increase in prices of sugar.
- (b) Impact of imposition of anti dumping duty on bulk drug prices at least 30%. This would result in import of bulk drugs by formulators and kill bulk drug manufacturing industry.
- (c) DSM and affiliates have been spared from levy of anti dumping duty – bias against other Indian manufacturers, who have to incur 43% higher costs; whereas DSM would enjoy 43% more profits.
- (d) The imposition of anti dumping duty on Pen-G and 6-APA would increase unemployment and waste of investment in the bulk drug industry.

(v) Arguments on behalf of Aurobindo and others

- (a) There is no injury and causal link from exports of Aurobindo, China to Aurobindo, India as it is captively consumed.
- (b) All transactions between the two companies are at arm's length basis.
- (c) Higher productivity and lower cost of production of Chinese company are a result of economies of scale and advanced technology.
- (d) Change in global scenario – from Europe to China attributed to better cost of production and improved productivity.

(vi) Arguments on behalf of Unimark Remedies and others

- (a) M/s Unimark remedies has objected on POI and injury period selected by the Authority which they say was a period of global meltdown, and prices in this period are unrealistic. They have also objected to same POI but different injury periods for the two products.
- (b) Performance of Alembic does not call for imposition of anti dumping duty – share of Pen-G and 6-APA business is very small in overall business.
- (c) Alembic's technology is cost inefficient. Chinese are using CORN technology, more cost effective.
- (d) Local availability of Pen-G is less than demand.
- (e) Impact of anti dumping duty would be adverse on downstream industry and their investment.
- (f) Auxiliary manufacturing units supplying other raw material to downstream industry would also be affected.
- (g) Closure of units on account of dumping has not been substantiated.

- (h) Domestic industry presents wrong statistics to support their contention. It has been submitted that through the European Report, China has been projected as a villain. Prevalent trend is that developed countries are rising on the services and manufacturing has shifted to third world countries on account of cost factor.
- (i) Applicant's contention of poor environment laws in China is incorrect.
- (j) Consumer interest would be badly hit, increasing cost of medicines.
- (k) Applicant has approached DGAD without seeking recourse to DPCO, therefore, request to the DGAD to invite comments from NPPA.
- (l) Imposition of anti dumping duty based on narrow criteria will jeopardize the entire pharmaceutical sector in India.
- (m) Alembic is not dependent on 600MMU of Pen-G for its survival. (Alembic, being a multi product company, would hardly be affected.)
- (n) They have objected to back to back investigation.
- (o) Injury analysis is erroneous – price effect table contradictory to assertion in para 63.
- (p) Alembic is suffering from self inflicted injury – injury is caused by manufacture of 6-APA.

(vii) Arguments on behalf of NCPC and NCPC Beta

- (a) NCPC is a Chinese limited liability company and claims MET status.
- (b) Domestic industry lacks capacity to produce amidst high demand.
- (c) Superior technology and quality of Chinese product needs to be considered by the Authority in its analysis.
- (d) Domestic industry has increased profitability and injury caused is due to factors other than imports.
- (e) Imposition of anti dumping duty not in public interest – impact on drug prices estimated at 50%.
- (f) POI is very short and consolidation of data of Pen-G and 6-APA is incorrect.

(viii) Arguments on behalf of Otsuka Chemical (India) Ltd and Virchow Petrochemical Pvt. Ltd and others

- (a) Initiation is bad and unlawful.
- (b) DSM the largest producer of 6-APA is excluded.
- (c) Anti dumping duty should be levied on DSM also.
- (d) POI is short.
- (e) Mexico is wrongly included in subject countries, share is di-minimus.
- (f) Pen-G and 6-APA are unlike articles.
- (g) There should be a gap of one year in back to back investigations as proposed by India.
- (h) Inadequate and inaccurate information has been used by petitioner and excessive confidentiality has been claimed by them.
- (i) Captive consumption and transfer pricing issue of Pen-G by Alembic needs to be analysed.
- (j) There is contradiction with initiation notification with NCV petition as Annexure 2.1 Application Letter by SPIC – seeks imposition of anti dumping duty on imports of not only Pen-G but also 6-APA, Amoxycillin, Ampicillin and Cloxacillin as well.
- (k) One period of investigation but two injury periods has been considered.
- (l) Injury caused in case of both the products not segregated.

- (m) There is self inflicted injury in case of Alembic.
- (n) There is contradiction in the PF with regards to price effect.
- (o) Causal link determination is erroneous.
- (p) CNV determination is erroneous.
- (q) Petitioners should have approached NPPA as products are under DPCO price control.
- (r) There would be adverse impact on market on account of downstream products leading to flooding of Chinese products in the Indian market.
- (s) HAL cannot revive due to the provisions of its non-compete Agreement with the MNC for which it produced till recently as a “job worker”.
- (t) Advanced technology in China is a reason for their cost effectiveness.
- (u) Frequent revision of data by the domestic industry has been done to confuse the Designated Authority.
- (v) They have requested exclusion of Otsuka and GCLE producers as imports for GCLE production in total imports of Pen-G are less than 3%. It has also been submitted that impact of anti dumping duty on Pen-G would be 26% on sales price of GCLE. In this regard, they have pointed out huge investment by Otsuka. In this regard, they have drawn the attention of the Authority to the saving of foreign currency if GCLE is produced indigenously and no anti dumping duty is imposed on imports of Pen-G for production of GCLE.

(ix) Arguments on behalf of Lupin Laboratories Ltd. and others

- (a) Domestic industry is unable to cater to user industry's demand for Pen-G and 6-APA.
- (b) Closure of HAL is due to technical deficiencies in their facility and not dumping.
- (c) Domestic industry has failed to adduce evidence to show total unutilized capacity.
- (d) Anti dumping duty would lead to foreign exchange loss and loss of employment as formulation unit would close and imports will start.
- (e) Pen-G and 6-APA are regulated by DPCO. Additional cost on account of anti dumping duty would result in closure of formulations units as there would be no corresponding increase in the price of DPCO controlled formulations thus leading to short supply of life saving drugs.
- (f) Domestic industry has failed to show injury on various injury parameters as enumerated in the Anti-Dumping Rules.

(x) Arguments on behalf of Piramal Healthcare Ltd. and others

- (a) If captive consumption is included, the applicants have a share of 15% or less and do not have the standing to file the petition.
- (b) Captive consumption included in demand of Pen-G and not 6-APA is contradictory and erroneous.
- (c) Short POI has been objected and it has been submitted that reasons put forward (market fluctuations or other vagaries that may distort a proper evaluation) are more valid for a longer POI.
- (d) Reasons for poor performance of Alembic as cited in Annual Report are forex losses.
- (e) If injury analysis is done for 2008-09 as a whole instead of breaking up in six month period, there is no injury in terms of capacity utilization.
- (f) Any losses suffered by the applicants are not representative of the domestic industry as their share is only 15% of the Indian industry.

- (g) Imports have declined in 2008-09, domestic sales will show an increase if captive consumption of domestic industry is factored.
- (h) Capacity of applicants is insufficient to meet the demand.
- (i) Export sales of petitioners has been kept confidential, rise in stock may be due to fall in export sales caused by global meltdown.
- (j) Perennial losses have been made by the applicants and causal link is missing.
- (k) Closure of SPIC plant cannot be linked to dumping.
- (l) There is an issue of transfer pricing of Pen-G to 6-APA.
- (m) Domestic industry prices are lower than landed, no price suppression.
- (n) With regard to public interest, it has been submitted that input cost of Pen-G in Pentids is 33-50%.

(xi) Arguments on behalf of Embassy of Mexico

- (a). The Injury analysis is based upon the heterogeneous segments of periods under the injury period. Reference is made to:
 - i. WTO Panel report-Mexico-import of Beef & Rice.
 - ii. WTO Appellate Body Report- Mexico- import of Beef & Rice.
 - iii. WTO Panel Report – Steel Pipe & Tubes from Guatemala.
- (b) If 12 months periods are compared then we will find a reduction of 7% in Domestic sales, which could be due to fall in consumption, and not related to Mexican Imports.
- (c) We request not to accumulate Mexico to China as there are wide disparities with regard to Import Volumes, Market Shares, Prices, Market conditions, and the number of consumers catered by the two countries.
- (d) There are no enough evidences for significantly low Mexican prices, except for mere arguments. Further, non-attribution analysis has also not been done.
- (e) The closure of the plants of the domestic producers did not occur during the Injury Period.
- (f) The Injury analysis has ignored the productivity, and investments. With regard to ability to raise capital, nothing has been provided.
- (g) During April 2008 to March 2009 the Indian Sales has the highest share.

(xii) Arguments on behalf of Federation of Pharma Entrepreneurs

- a) Any imposition of AD would directly impact prices of life saving end products, and thereby the public interest.
- b) Cloxacillin, an end-product of Pen-G, is controlled by DPCO. Any increase in price of its raw-material due to imposition of AD is likely to affect the formulators of Pharma Industry.
- c) An imposition of duty would likely to trigger the Chinese Pharma Industry to intensify competition with the Indian Pharma Industry.

Views of the domestic industry

69. The domestic industry has submitted the following submissions:

- a) Demand-Supply Gap - Petitioners have argued that Bulk Drug Manufacturers Association has claimed that the demand of Penicillin-G is in the region of 7,000 MMU. Petitioners have estimated demand of Penicillin-G on this basis.

S.N.	Name of intermediate/bulk drug	Annual demand in domestic market in MT	Consumption factor of Pen-G	Pen-G required in MMU
1	Amoxycillin Trihydrate	1,680	1.77	2,974
2	Ampicillin Trihydrate	480	1.83	878
3	Cloxacillin Sodium	300	1.53	459
4	Dicloxacillin Sodium	240	1.44	346
5	Ampicillin Sodium Sterile	180	3.54	637
6	Cloxacillin Sodium Sterile	120	1.59	191
7	Cefadroxil Monohydrate	480	2.35	1,128
8	Cefalexin Monohydrate	360	2.33	839
9	GCLE	900	1.07	965
A	Total requirement of Pen-G for domestic market			8,471
B	Total requirement of Pen-G for export market			12,000
C	Total requirement of Pen-G in the country			20,471

It would thus be seen that the total demand for Pen-G in the Country is in the region of 20,000 MMU, wherein demand for domestic consumption is 8,500 MMU. All arguments with regard to the demand-supply gap must be seen in the light of this demand for the product. Since imports for exports are in any case permitted to be made without payment of anti-dumping duties, this requirement of Pen-G in any case is required to be taken out while assessing the demand-supply gap in the Country. It is thus evident that about 12,000 MMU Pen-G is being imported into the Country against export requirements under Duty Exemption Scheme of the Govt. of India and therefore can continue to be made without payment of anti dumping duties.

- b) Captive Consumption – With regard to WTO decision referred by DSM, petitioners have claimed that WTO has not held that captive consumption cannot be excluded while determining standing of the petitioner companies and scope of the domestic industry. WTO decision is in the context of a case where the defined domestic industry had captive consumption of the product under consideration and the issue for consideration was whether such captive consumption could be excluded for injury assessment. Thus, a decision of the WTO in the context of injury assessment cannot be read for standing and scope of domestic industry.
- c) Issue relating to technology and production process – Petitioners claim that technology in India is comparable to what is being used in China. In fact, the technology being followed by

the domestic industry may be better than the technology being followed by the Chinese in general.

- d) Issues relating to selection of injury period – Petitioners have referred to WTO guidelines on fixation of injury period and argued that the period of investigation being fixed should be such which has least market fluctuations. The domestic industry has provided information for the period up to Dec., 2009 in its written submissions. It would be seen that in fact the injury to the domestic industry was far higher in the post period of investigation of the present case.
- e) Impact of anti dumping duty on downstream products - Petitioners have argued that bulk drug manufacturers in any case can pass-on such price increases to the formulators who are earning super abnormally high profits. Further, when the price of Pen-G had reached US\$ 18, formulation prices did not proportionately increase. Merely because APIs are being dumped in the Country does not mean that the Pen-G industry should be forced to suffer and eventually close down. On the contrary, non-imposition of anti dumping duty on Pen-G would result in flooding of Chinese imports of APIs in the market leading to wiping off API industry in India. This would cause serious harm in terms of investment, employment and resources employed in the API industry in India.
- f) Issues relating to calculation of Landed Value - Petitioners have argued that there are a number of other issues as well involved in this regard, which includes inclusion of excise duty. The interested parties cannot selectively demand inclusion of cess. In that case, the Designated Authority must consider all relevant factors.
- g) Issues relating to back to back investigation – The petitioners have argued that there should have been a negative finding by the Designated Authority in order to constitute the present investigation as a back to back investigation. There was no finding recorded by the Designated Authority in the previous investigations and the petition was withdrawn for a number of reasons.
- h) Issues relating to DPCO - The petitioners claim that the product is covered under DPCO. Domestic industry is obliged to sell at DPCO prices. In fact, it is not even established that the current formulation prices are based on the low price of Pen-G. When Pen-G was being sold at US\$ 18, the same did not lead to closure of these units; nor led to any difficulties in supply of life saving drugs. While the domestic industry will not cross DPCO prices, even if the current duty is added to import price, the import price would still be lower than prices that had prevailed in 13 months over the past 3 years. The Price of API's are derived from Pen-G price. However, formulations produced by all branded companies follow the ORG data and public domain data of CIMS, IDR published prices of Existing brands and most of them fix their MRP's in a band of 5-20% lower or higher of the MRP's of existing leading brands.
- i) No injury and causal link claimed by Aurobindo – The petitioners argue that Aurobindo, China must be invoicing the goods onto Aurobindo, India at arm's length prices. The price at which the goods are being invoiced is a benchmark for other consumers. If all transactions between the two companies are at arm's length basis, this clearly establishes the price at which other consumers would demand the material.

- j) The following comments have been made by various other interested parties after the disclosure statement

Views of the Other interested parties (exporters, importers, users) after disclosure statement

70. The following interested parties (exporters, importers, users) have submitted their comments after the disclosure statement:

- 1) M/s BDMA
- 2) M/s Asiatic drugs & pharmaceuticals Pvt Ltd
- 3) M/s Abbott Healthcare Pvt Ltd (earlier M/s Piramal healthcare Ltd)
- 4) M/s L&S representing DSM group of companies
- 5) M/s Ranbaxy laboratories Ltd.
- 6) M/s KDL Bio-Tech Limited,
- 7) M/s Lupin Ltd
- 8) M/s Unimark remedies.
- 9) M/s Otsuka Chemicals India Pvt. Ltd
- 10) M/s Virchow Petro Chemical Pvt. Ltd.
- 11) M/s Aurobindo (Datong) Bio pharma Co ltd.

71. The following are the comments submitted by various interested parties

- i. Some of the interested parties have again raised the issue relating to the standing of domestic industry for the 6APA. They have also highlighted the limited information filed by the Alka remedies. They have commented on the error in determination of landed value and inappropriate selection of POI in the subject investigations. They have again highlighted citing various elements of injury factors that there is no injury to the domestic industry. Most of the submissions have pointed out the absence of causal link between dumping of subject goods and injury to domestic industry. They have again drawn the attention of the Authority towards mismatch between demand and supply of subject goods keeping in view of the fact that most of 6APA produced by the domestic industry is used for captive consumption. They have further stated that levy of anti dumping duty will only add to the problems faced by the consumers due to shortage of essential commodity. They have again raised the issue of public interest as subject goods constitute life saving drugs and no duty was imposed by Central government even on the

recommendations of Designated Authority in the preliminary findings. They have requested the Authority to terminate the investigations.

- ii. Some of the interested parties have again raised the issues of two investigations under one notification and have asked the Authority to clarify the methodology as well as examine the standings, domestic industry status, injury and causal link separately for both the products. On the issue of determining demand or apparent consumption, they have disputed the Authority's findings in the disclosure statement in calculating demand for 6APA as it does not take into account the production of other captive producers who are outside the purview of the domestic industry. Some of the interested parties representing DSM group of companies have highlighted that other factors may be re-examined by the Authority for reaching definitive conclusions with regard to causal link. It has been again submitted that imports made by them constitute around 12% of the total imports of 6APA into India from the subject country during the POI and going by past decisions of the Authority in other cases, DSM anti infective India Ltd should not have been excluded from the purview of domestic industry.
- iii. Some interested parties have requested the authority to reveal the non-injurious price, the methodology used to arrive at the same and clarify if the terms "cost of sales" and "non-injurious price" have been used interchangeably. They have also asked the authority to explain the basis of examination of the fact that landed price of imports and net sales realization of domestic industry are lower than the cost of sales of the domestic industry. They have also asked the authority to examine the price depression affecting the domestic industry. It has also been stated that DGAD finding on price under selling margin ranging from 45% to 55% for 6 APA and 25% to 35% for Pen G is irreconcilable with the finding of negative price under cutting margin. They have also requested the authority to look at the discrepancy and data for dumping and injury analysis for Pen-G and 6 APA in relation to injury factor. They have also asked the authority to take into account the data from DGCIS rather than from IBIS.
- iv. It has been submitted by some interested parties that exports sales from M/s ZGB and M/s DHA to the Indian arm M/s DAI should not be accepted as they were between the related parties. It has also been mentioned that for the determination of normal value, the same was not accepted by the authority. It has also been submitted that normal value determined for market economy companies in China PR should be extended to other producers in China. They have questioned the fact that how SPIC is the domestic industry for 6APA and how one application has been submitted for two products. It has also been submitted that proposed levy of anti dumping duty on pen-G and 6APA would lead to influx of imports of value added products i.e API and formulations. They have also added that in the event of imposition of duty, the manufacturers can not pass on the burden of anti dumping duty recommended onto consumers, as the prices of formulations, requiring use of subject goods can not be increased beyond maximum sale price imposed by DPCO. It has also been submitted that 6 APA equivalents of Pen_G can not be added to total imports of pen-G.
- v. Some interested parties representing manufacturers of GCLE have submitted comments to the disclosure statement and have requested the authority to consider their interest as the drug manufacture for GCLE. They have submitted that PEN-G is used as intermediate

product for manufacture of lot of other antibiotics, which are in turn used in manufacture of other life saving drugs. It has been submitted that PEN-G is used as input for manufacturing of GCLE which is a major raw material to produce other life savings drugs such as Cefixime, Cefdinir, Cefprozil and Cefpodoxime. Further, it has been stated that all Indian bulk drug manufacturers using GCLE as raw material imported their 100% requirement from Japan and China around 4 years back. Currently there are only two manufacturers of GCLE in India having capacity of 75 MT per month and the total requirement of Indian manufacturers is 125 MT per month. Since there is huge demand & supply gap, manufacturer of GCLE is gradually increasing its capacity to cater the needs of Indian bulk drug manufacturers and imposition of anti-dumping duty will impact the prices of GCLE in India as there would be substantial increase in the cost of production of GCLE on account of extra duty burden. This will not only affect the prices of GCLE but will have cascading effect on the prices of other pharmaceutical products mentioned above as GCLE is used as intermediate product in manufacture of these products. It has been submitted by them that in the event of increased cost of production of GCLE, the consumers would be forced to import GCLE from China and other countries as these imports would be cheaper for consumers and ultimately would lead to distortion of domestic industry of GCLE in India. Thus, levy of anti-dumping duty would be detrimental for Pen-G direct consumers. It has been further submitted that DGAD in its previous investigations had exempted certain categories of importers from levy of anti dumping duty due to shortage of product concerned. In particular, they have referred to anti dumping investigations concerning import of met coke from China PR and have stated that in that case, the DGAD had exempted certain categories of importers from purview of anti dumping duty and they have requested the Authority to provide exemption for them in that line on actual user condition. In the end, they have highlighted the fact that in the event of imposition of anti dumping duty, they would have no option but to shut down the unit and it would give unfair advantage to the Chinese GCLE manufacturers as 100% of GCLE would be imported from China PR. They have requested the Authority not to impose the anti dumping duty on pen-G or grant equivalent protection in form of safeguard duty on equivalent to the increase in cost of GCLE due to imposition of anti dumping duty or provide exemption notification for them.

- vi. M/s GTC consultants on behalf of M/s Aurobindo has submitted that their net export price has been wrongly reduced by 4% on account of difference in rate of VAT on goods i.e 17% and refund of 13% in case of exports of 6APA out of china PR. They have stated that normal value in their case has been determined by taking into account cost of production of the company and this 4% is eventually the part of cost of production of 6APA. Therefore for comparing the net export price to China PR with the normal value calculated on the basis of COP of the company, the differential 4% is not required to be deducted from export price to India. They have further requested the Authority to reconsider the normation of fixed costs as the effect of normation has not been provided on all fixed expenses. They have also asked the Authority to look into disallowance of claim of loan waiver in computing cost of production and normal value. Further, they have asked the Authority to reexamine 5% normal profit margin on them for computing the cost of production.

72. The following comments have been received from the domestic industry after the disclosure statement

The domestic industry has again raised the issues relating to grant of market economy treatment to DSM group of companies, normal value methodology and export price determination for DSM group of companies. In particular, they have raised the issues of ownership and have cited the minority state holding in the DSM group of companies. They have also requested the Authority to reexamine the issues relating to pricing of raw material and utilities in the context of grant of MET. They have requested the Authority to reexamine the issue relating to acceptance of export price of DSM group of companies especially as subject goods have been sold to related parties. Similarly, they have also requested the Authority to reexamine the negative injury margin to DSM group of companies. Further, they have requested the Authority to impose the anti dumping duty on fixed basis. In the end, they have asked the Authority to confirm the dumping, injury and causal link in the subject investigations.

Examination by Authority

73. The Authority has taken note of the arguments of the interested parties on product under consideration, like article, domestic industry, dumping, injury and public interest and addressed the issues raised at appropriate places in this finding, subject to being relevant in the subject investigations. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties and observes as follows –

- (a) On the issue of likely increase in prices of subject goods and downstream goods following the imposition of duty, it is noted that imposition of anti dumping duty might have some impact on the prices of the product. However, fair competition will not be reduced as a result of imposition of anti dumping duty. The Authority has further noted the claim of the domestic industry that selling prices of Penicillin-G cannot exceed the limits laid down by the Government of India.
- (b) As regards the argument that imposition of anti-dumping duties would lead to intensified competition between the Indian and Chinese Pharma industry, the Authority notes that the argument is fully unsubstantiated and irrelevant to the present investigation.
- (c) As regards adoption of constructed normal value at the stage of initiation in case of Mexico, the Authority notes that the petition contained evidence of dumping to the extent information could be reasonably provided by the applicant. As far as current determination is concerned, the same is based on data/information provided by the Mexican producer to the extent considered relevant by the Authority. The current determination is therefore, fully consistent with Article 2.2 of the Anti-dumping Agreement and anti dumping rules as amended.
- (d) As regards sufficiency of evidence on export price in the petition, the Authority notes that the petition contained sufficient information with regard to the volume, value and the price at which goods have been exported from Mexico. In fact, the questionnaire response filed by

the Mexican producer establishes the dumping that was alleged by the petitioners in their application. In any case, the Authority has now adopted information provided by the exporter in determining dumping margin for the responding exporter.

- (e) With regard to evidence of price adjustment and level of trade in determining dumping margin, it is noted that the petition contained information best available to petitioners. The Authority has, however, now adopted information after due verification of information submitted by the exporters and other interested parties in determining dumping margins. It is noted that the petition filed by the domestic industry contained information about causal link analysis. Further, the petitioner claimed that none of the other factors have caused injury to the domestic industry. The Authority has analyzed the causal link and other factors in the relevant heading in injury and causal link after due verification of the data of interested parties.
- (f) As regards the argument of investigation period, the Authority notes that POI has been chosen at the time of initiation based on pricing behavior of the subject goods from subject countries and also based on reasons given by the applicants in their petition. Subsequent to the provisional findings and during oral hearing and in the written submissions of the interested parties, it has been suggested that POI should be extended by 6 months. While many interested parties opposing the anti dumping duty have asked the POI to be extended by 6 months prefixing the POI stating that no injury is caused to the domestic industry by taking full financial year as 2008-09, the domestic industry on the other hand has suggested extending the POI by six months (i.e from 1st October 2008 to 30th September 2009) stating that their injury would be better reflected by including the later six months. The matter has been examined and it is noted six months POI for anti dumping investigations is within the anti dumping rules and Agreement on anti dumping. The six months POI was accepted by the Authority after examining domestic industry's data, fluctuation in the prices of the subject goods and also keeping in view the earlier anti dumping investigations initiated against the same product. Thus, the Authority after examining the contentions from all the interested parties have decided to keep the same POI as notified in the initiation notification and in the preliminary findings.
- (g) With regard to cumulative assessment, the Authority notes that volume of imports is more than de-minimis in respect of both the countries. The issue of cumulation has been further analysed in the annexure relating to the injury to the domestic industry.
- (h) With regards to some of the arguments made with respect to import price from Mexico, it is noted that evidence with regard to shipment wise import price from Mexico shows low prices in respect of Mexico.
- (i) With regard to the recommendation of Nil duties on some of the interested party, it is stated that dumping margin and injury margin determinations have been carried out after due verification of data from the interested parties and a detailed calculation sheet showing details of normal value, export price and dumping margins has been sent to all the cooperating exporters along with the disclosure statement.

- (j) Many interested parties opposing anti dumping duty have commented with regard to supply demand gap of both Pen-G K and 6APA. The Authority has examined the contention of all interested parties and after examination, it is noted that anti dumping measures do not seek to restrict or ban imports but seek to set up a level playing field for all interested parties including domestic producers and exporters from subject countries.

Examination by the Authority on the issues raised by various interested parties following disclosure statement

74. Issues raised by various interested parties in the comments to disclosure statement have been examined. It is noted that most of the issues raised by various interested parties are reiteration of the earlier submissions and have been suitably analysed under appropriate headings in the final findings. However some of the issues raised and not dealt elsewhere are examined as mentioned below.

(i) With regards to calculating demand for Pen-G and 6APA, the Authority has defined demand or apparent consumption of Penicillin - G in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers including captive consumption and imports from all sources in case of Penicillin-G. In case of 6-APA, the Authority has defined demand or apparent consumption of the product as the sum of domestic sales of the Indian producers including job work done and imports from all sources. In the disclosure statement, it was mentioned that demand of subject goods do not include the captive consumption of subject goods of those industries which are outside the purview of the domestic industry. Though no issue has been raised in the case of determination of domestic demand of Pen-G, comments have been received determination of domestic demand for 6APA that it does not take into account the domestic producer's production for captive purposes which have been excluded from the purview of the domestic industry. With regard to not taking into account the information of DSM anti infectives (India) into total demand of 6APA, it is noted that same has been excluded from the purview of demand as DAI has been determined as not within the purview of the domestic industry as mentioned under the heading of domestic industry.

(ii) With regards to methodology of determination of NIP, it is noted that the NIP for Pen-G and 6APA was separately determined by adopting the verified information/ data relating to cost of production for the period of investigation (i.e., 01.10.2008 to 31.03.2009 – 6 months) in respect of applicant domestic producers. A detailed analysis/ examination and reconciliation of the financial and cost records maintained by the company, wherever applicable, were carried out for this purpose.

(iii) With regards to using cost of sales and NIP interchangeably, it is clarified from the above determination that cost of sales and NIP have not been used interchangeably in the findings. With regards to determination of landed price, cost of sales and net price realization of domestic industry, it is noted that landed price has been above the net price realization of the domestic industry during the POI resulting in negative price undercutting both for Pen-G and 6APA. However, the cost of sales has been much higher than either landed price and net sales

realization resulting into losses suffered by the domestic industry. Thus, in this case, there is no price undercutting but underselling margins (injury margins) are very significant suggesting that landed price of subject goods are much below the Non injurious price determined for both the subject goods. Further, it is also noted that there is a price depression (decline in the net selling price) in the net selling prices of the domestic industry from 2007-08 in Pen-G and 6 APA. It is also noted that cost of sales have increased more than corresponding rise in the selling prices. With regards to discrepancy of data from Prelim findings and those given in the application filed by the domestic industry and also that given in the disclosure statement, it is noted that the data given by the domestic industry is subsequently verified by the Authority and the verified data is taken into account for the purpose of findings (and it accounts for small changes in numbers). It is also noted that till the preliminary findings, only M/s Alembic industry data was verified and after preliminary findings, the information submitted by M/s SPIC was verified and hence in the disclosure statement, information filed by the domestic industries for both the products were verified and the verified data was used in the disclosure statement.

(iv) With regards to acceptance of export price of M/s ZGB and DHA to their Indian affiliate by the Authority, it was noted during onsite verification of both the units the selling prices were fixed by the company on its own in response to market forces of demand and supply and the transfer pricing between DSM group companies and their prices were broadly in line with the imports made by them from other unrelated parties. A perusal of the transfer price mechanism indicated that for Pen-G, the primary basis for pricing Pen-G was the market prices prevalent during the preceding quarter.

(v) With regards to the representation of manufacturers of GCLE using Pen-G, it is noted that Pen-G is used as input for manufacturing of GCLE which is a major raw material to produce other life savings drugs such as Cefixime, Cefdinir, Cefprozil and Cefpodoxime. They have submitted that in its previous investigations, the Authority has exempted certain categories of importers from levy of anti dumping duty due to shortage of product concerned and in their representation; they have requested the Authority to provide for same on actual user condition in line with met coke case. Their request has been examined and it is noted that the Authority can not recommend any exemption notification in its findings on the basis of demand and supply and it has not been recommended in earlier cases also.

(vi) With regards to points raised by M/s Aurobindo in their comments to the disclosure statement, it is noted that as per consistent practice followed by the Authority, the export price has been reduced by 4% (i.e amount of non refundable VAT). It is noted that during the verification visit, the loss on account of non refundable VAT has not been separately identified/demonstrated as a part of cost of production and for determination of normal value of subject goods. With regards to normation of fixed costs the Authority has carried out normation of expenses which has been considered as fixed cost based on verified data. With regards to the waiver of interest cost for the loan from fully owned subsidiary company in the cost of production, it is noted that the same has been considered as of abnormal nature. Hence, interests cost has been taken into account in the determination of cost of production and normal value of subject goods.

(vii) With regards to domestic industry's comments about raw material supplies and their prices, it was noted during the verification and also mentioned in the verification report as well as in the disclosure statement that raw material purchase prices had not been influenced by any apparent governmental interference. It has further been noted that M/s ZGB was procuring their raw materials from both related and unrelated companies. It was noted that raw materials like glucose and Corn Steep Liquid had been procured from several companies. Further, purchase orders of raw materials were verified to ascertain that the raw materials were purchased at prevailing market price in China as supplied to others. The business licenses and sample purchase invoices indicated the legal status of the suppliers and the comparative prices charged by them.

Cumulative Assessment in the case of Pen-G

75. Annexure II (iii) to the Anti Dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

(a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively account for more than seven percent of the imports of like article, and;

(b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

76. The Authority considered whether it would be appropriate to cumulatively assess injury to the domestic industry. As stated below, it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from China and Mexico:-

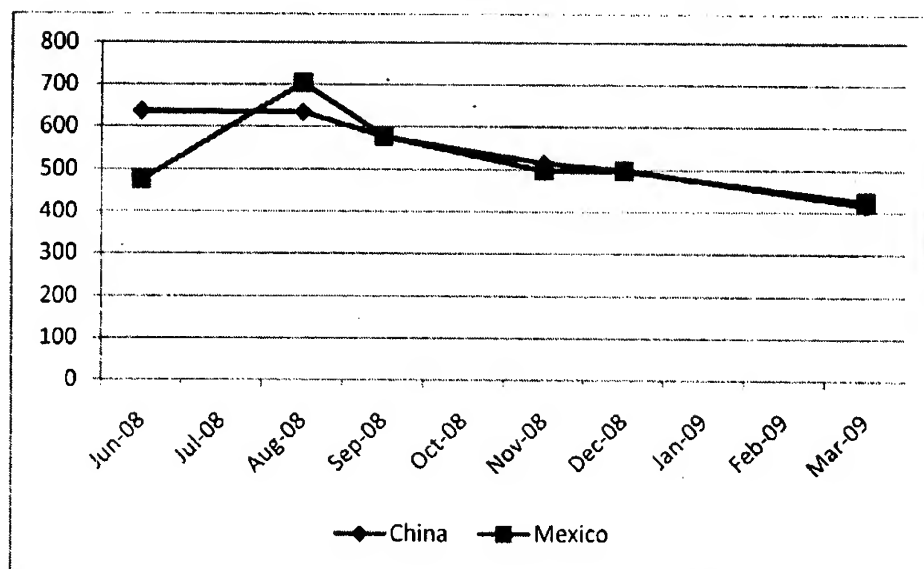
- i. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed,
- ii. The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed,
- iii. Cumulative assessment is appropriate in view of the following factors:-

- (a) The goods involved are like articles and are competing in the same market;
- (b) Imports from both the countries are increasing.
- (c) The imported products are being sold through the same channel of distribution and to comparable category of customers;

iv. In view of the argument that cumulation of injury was unwarranted, the Authority compared the import price from China and Mexico. The graph and the table below shows the factual position. It is seen that the two prices have moved in tandem.

Month	China (Rs/Bou)	Mexico (Rs/Bou)
-------	----------------	-----------------

Jun-08	636	475
Aug-08	634	703
Sep-08	577	578
Nov-08	516	499
Dec-08	500	498
Mar-09	417	426



v. In view of the above facts, it is held that a cumulative assessment of the effects of the imports of Pen-G is appropriate in light of conditions of competition between imported products and conditions of competitions between the imported products and domestic like product.

Assessment of demand

77. For the purpose of the present investigation, the Authority has defined demand or apparent consumption of Penicillin - G in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers including captive consumption and imports from all sources in case of Penicillin-G. In case of 6-APA, the Authority has defined demand or apparent consumption of the product as the sum of domestic sales of the Indian producers including job work done and imports from all sources. It may be pointed out that for 6APA demand of subject goods do not include the captive consumption of subject goods of those industries which are outside the purview of the domestic industry. The demand so assessed is given in the table below.

Demand

Pen-G	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Total Imports	000' BOU	14,895	17,866	20,282	11,352	12,862
Sales of Domestic Industry	000' BOU	2,243	1,926	2,636	3,344	2,503
Demand	000' BOU	17,138	19,792	22,918	14,696	15,365
Trend		100	115	134	86	90

6-APA	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08	POI (annualized)
Total Imports	MT	1,283	2,080	2,384	3,570	4,528
Sales – Alembic	MT	0	0	60	203	213
Sales – Alka (including job work)	MT	9	424	400	442	190
Demand	MT	1,292	2,504	2,844	4,215	4,931
Trend		100	194	220	326	382

78. It is seen that the demand for Penicillin-G has shown a declining trend during the injury period as a whole, however, demand of 6-APA has shown significant increase during the same period. However, it is noted that demand for Pen-G increased significantly from 2005-06 to 2007-08 before declining in first half of 2008-09 and again increased during the POI. It is noted that significant use of Penicillin-G is in production of 6-APA. About 3 BOU of Penicillin-G is consumed in production of 1 kg. of 6-APA. The domestic industry argued that since 6-APA is a derivative of Penicillin-G, the import volumes must be determined considering imports of both Penicillin-G and 6-APA. It has been submitted that the imports of Pen-G and Pen-G equivalent of 6-APA from China has increased significantly between 2007-08 and POI as can be seen from the table below:

Pen-G and Pen-G equivalent of 6-APA	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Demand	000' BOU	21,013	27,374	31,451	27,342	30,158
Trend		100	130	150	130	144

Volume effect: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry
Volume and market share of dumped imports

79. It is observed that the volume of dumped imports of products under consideration has significantly increased from 2005-06 to 2007-08 and thereby declined sharply during first half of 2008-09 and thereafter it again increased during POI. It is further noted that market share of imports from subject countries in total imports in the case of Pen-G has been very significant through the injury period. It is also noted that the market share of dumped imports in total production and consumption has also been very significant throughout the injury period.

80. It is noted that dumped imports of 6-APA from China PR remained at low levels earlier, but increased significantly, particularly after initiation of previous anti dumping investigation of Pen-G, in absolute terms and in relation to production and consumption in India. The market share of dumped imports from subject country in total imports as well as in demand has increased significantly during the injury period. Import volumes from subject country(ies) and other countries has been as under: -

Imports of Pen-G	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
China PR	000' BOU	14,197	17,801	20,262	11,078	11,983
Mexico	000' BOU	574	65	0	275	87
Subject countries	000' BOU	14,771	17,866	20,262	11,353	12,862
Other Countries	000' BOU	124	0	20	0	0
Total Imports	000' BOU	14,895	17,866	20,282	11,353	12,862
Trend		100	120	136	76	86
Market Share in Imports						
China PR	%	95.31	99.64	99.90	97.58	93.16
Mexico	%	3.85	0.36	-	2.42	6.84
Subject countries	%	99.17	100	99.90	100	100
Other Countries	%	0.83	-	0.10	-	-
Imports of 6-APA				Unit		
China PR	MT	1,051	1,957	2,221	3,387	4,440
Other Countries	MT	232	123	163	183	88
Total Imports	MT	1,283	2,081	2,384	3,570	4,528
Trend		100	162	186	278	353

Market Share in Imports						
China PR	%	81.92	94.04	93.16	94.87	98.06
Other Countries	%	18.08	5.96	6.84	5.13	1.94

81. Thus, the dumped imports of subject goods from subject countries show an adverse volume effect.

Market share in demand

82. It is seen that in case of Penicillin-G the share of imports from subject countries had declined till Sept., 2008. The same however increased once again in the POI. Further, the share of imports in any case has remained very high. In case of 6-APA, the share of Chinese imports increased throughout the period with a brief decline during the middle of the period. The share of domestic industry (applicant as well as supporter) declined by half from 2006-07 to the POI. Further, the share of imports from subject country has remained very high throughout injury period.

Penicillin G

Market Share in Demand %	2005-06	2006-07	2007-08	April 08-Sep 08	Oct08-Mar09
Domestic Industry	13.09	9.73	11.50	22.75	16.29
Other Indian producer.	-	-	-	-	-
Imports-China	82.84	89.94	88.41	75.38	77.99
Imports-Mexico	3.35	0.33	-	1.87	5.72
Imports – Subject Country (ies)	86.19	90.27	88.41	77.25	83.71
Imports - Other countries	0.72	-	0.09	-	-

6-APA

Market Share in Demand %	2005-06	2006-07	2007-08	April 08-Sep 08	Oct08-Mar09
Alembic	-	-	2.11	4.82	4.32
Alka Remedies (incl. Job work done for others)	0.70	16.93	14.06	10.49	3.85
Applicant + supporter	0.70	16.93	16.17	15.30	8.17
Imports – China	81.35	78.15	78.09	80.36	90.04
Imports - Other countries	17.96	4.95	5.73	4.34	1.78

Price Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

83. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Evolution of prices

84. In order to examine the trends in the import price over the injury period, the Authority considered import prices over the injury period. The domestic industry claimed that there were too significant changes in the prices in very short period over the injury period. It was further claimed that the trend was required to be examined on a month to month basis.

Unit: Rs per BOU

Period	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Apr	276	269	271	382	377
May	269	284	278	402	513
June	265	279	290	506	591
July	276	278	298	662	599
Aug	272	278	305	727	582
Sep	258	273	312	749	529
Oct	253	256	313	743	465
Nov	249	256	324	690	474
Dec	264	282	351	606	458
Jan	263	276	368	396	423
Feb	284	267	381	327	390
Mar	269	266	386	328	364

85. The Authority notes that the import price of Penicillin-G was quite low between April, 2004 – April, 2007. Prices started rising from April, 2007 and peaked in Aug.-Oct. 2007. The transaction wise import data shows as high price as Rs. 749 per bou in Sep., 2007. Prices thereafter steeply declined to a very low level and bottomed in Feb.-March, 2008. Once again prices increased and peaked in June-Aug., 2008. The levels achieved were however much lower than the levels registered earlier. Prices have thereafter declined significantly.

86. The Authority has examined the information submitted by the domestic industry and considers that these price movements are indeed very erratic and a weighted average CIF price and their landed values and their corresponding Net sales realization and cost of sales may not give a correct picture of the amount of the price effect on account of dumped imports of subject goods from subject countries. However, as a matter of consistency, the Authority has analyzed the price effect as mentioned underneath based on weighted average CIF prices and Net sales realization.

Price undercutting Price depression and Price underselling

87. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. Authority has determined net sales realization considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Entire sales volumes of the domestic industry have been included in the calculations. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. The comparison was done between net sales realization and landed price of imports.

88. The domestic industry claimed, due to such steep variations in the prices, that price reductions have to be offered not only to those customers who threaten (or actually partially shift) to imported material, but also to those customers who are not resorting to import or not using imported material, any potential loss of business being very critical for the domestic industry. Further, petitioners have claimed that determination of price undercutting should be done on the basis of date of order booked by the consumers.

89. However, the Authority as a matter of consistent practice has determined the landed price of subject goods as per IBIS sources. From the examination, it is determined that the landed prices of dumped imports are not undercutting the prices of the domestic industry in the case of both Pen G and 6APA.

90. However, the landed prices of the subject goods are significantly below the cost of sales of the subject goods of domestic industry which suggests significant underselling by the domestic industry for both the subject goods. Further, it is also noted that there is a price depression in the net selling prices of the domestic industry from 2007-08 in Pen-G and 6 APA. It is also noted that cost of sales have increased more than corresponding rise in the selling prices. Further, net selling prices have increased in tandem with the landed prices and have been slightly below the landed prices after 2007-08 for both the products while it was slightly higher than landed prices in 2005-06 for pen -G.

Penicillin - G	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08	POI (Annualised)
Net Sales Realization	Rs./BOU	****	****	****	****	****
Cost of Sales	Rs./BOU	****	****	****	****	****
Landed Price - China PR	Rs./BOU	314	365	604	558	459
Landed Price - Mexico	Rs./BOU	341	426	-	562	480
Landed Price - Subject Countries	Rs./BOU	315	365	604	558	460

Price Undercutting – China	Rs./ BOU	****	****	****	****	****
Price Undercutting – Mexico	Rs./ BOU	****	****	****	****	****
Price Undercutting - Subject Countries	Rs./ BOU	****	****	****	****	****
Price Undercutting – China	%	****	****	****	****	****
Price Undercutting – Mexico	%	****	****	****	****	****
Price Undercutting - Subject Countries	%	3-6	(5-10)	(5-10)	(5-12)	(4-8)

Price Underselling – China	Rs./ BOU	****
Price Underselling - Mexico	Rs./ BOU	****
Price Underselling - Subject Countries	Rs./ BOU	****
Price Underselling – China	%	****
Price Underselling - Mexico	%	****
Price Underselling - Subject Countries	%	****
Price Underselling - Subject Countries	%	25-35

6-APA	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08	POI
Net Sale Realization	Rs./ Kg			****	****	****
Cost of Sales	Rs./ Kg			****	****	****
Landed Price - China PR	Rs./ Kg			****	****	****
Price Undercutting	Rs./ Kg			****	****	****
Price Undercutting	%			6-12	(2-6)	(2-6)
Price Underselling	Rs./ Kg					****
Price Underselling	%					****

Price Underselling	%					45-55%
--------------------	---	--	--	--	--	--------

ECONOMIC PARAMETERS RELATING TO THE DOMESTIC INDUSTRY

91. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

Production, Capacity and Capacity Utilization, Sales

92. The Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry is mentioned in the table below. It is noted that sales volume increased from the base year (2005-06) and it increased by 49% during April- sept 2009 and thereafter declined steeply by 38% during the next half year i.e POI. Further, it is noted that the production of the domestic industry had an erratic trend over the injury period, it shows a marginal increase though during the POI, it shows the decline over previous period. It is also noted that capacity utilization increased during injury period till first half of 2008-09 and thereafter it declined during the POI in tandem with the production and other volume parameters. It is also noted that one of the petitioner companies, M/s. Alembic Limited had to suspend its production in 2005-06 and it again restarted in 2007. It is also noted that though the production was restarted in May 2007, the capacity was significantly under-utilized. The capacity utilization however, improved in Apr-Sep. 2008 and then declined once again in the POI, both in the case of Pen-G and 6-APA. It is noted from above that though the capacity utilization improved for both Pen-G and 6 APA during the POI from earlier period, the same is still below the desired level for Pen-G while the capacity utilization is poor in the case of 6 APA.

Penicillin-G

Volume in Bou in'000	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Domestic Sales	2,243	1,926	2,636	3,343	2,503
<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>86</i>	<i>118</i>	<i>149</i>	<i>112</i>
Capacity	4772	4772	4772	4772	4772
<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production	2,180	2,010	3,114	3,972	3,481

<i>Trend</i>	100	92	143	182	160
Capacity Utilization %	45.68	42.12	65.26	83.23	72.96
<i>Trend</i>	100	92	143	182	160

6-APA

Volume in MT	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Domestic Sales	50	203	213
<i>Trend</i>	100	406	426
Capacity	600	600	600
<i>Trend</i>	100	100	100
Production	84	246	212
<i>Trend</i>	100	293	252
Capacity Utilization %	14.03	41.14	35.48
<i>Trend</i>	100	293	252

Profits, return on investment and cash flow

93. The petitioners have claimed that the product has a history of continued dumping. It is also noted that one of the petitioner companies, M/s. Alembic Limited had to suspend its production in 2005-06 and it again restarted in 2007; though various interested parties have disputed the fact that suspension was on account of dumping. The petitioners have also claimed that there were other Indian Producers of Penicillin-G in the country, who were also forced to suspend the production. However, this fact has also been refuted by various other interested parties in their submissions.

94. It has been submitted by the domestic industry that the import prices once again started rising from 2007-08 and encouraged by the changed market conditions, M/s Alembic recommenced commercial production of Penicillin-G and also started production of 6-APA. However, with the commencement of production, the import prices once again have gone down. It is noted from the examination of the information submitted by domestic industry that profits, return on investments and cash profit are showing significant deterioration. The situation is similar in case of 6-APA. The operations resulted in losses from the start and the losses have mounted during the injury period. It is thus noted that Profits, return on investment and cash flow

has been adversely affected during the injury period and losses on account of both the subject goods was much higher than the earlier periods as it could be seen in the table placed below.

Penicillin - G	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Profit/loss per unit	Rs./bou	****	****	****	****	****
Index		(100)	(129)	(32)	(61)	(184)
Profit before tax	Rs. lacs	****	****	****	****	****
Index		(100)	(116)	(35)	(74)	(160)
PBIT	Rs. lacs	****	****	****	****	****
Index		(100)	(104)	6	(44)	(167)
Cash Profit	Rs./bou	****	****	****	****	****
Index		(100)	(180)	84	(37)	(397)
Cash Profit	Rs. lacs	****	****	****	****	****
Index		(100)	(162)	93	(44)	(345)
Return on Investments – NFA %	%	****	****	****	****	****
Index		(100)	(211)	9	(124)	(504)

6-APA	Unit	2007-08	April'08-Sep'08	April'08-Sep'08 (annualized)	Oct'08-March'09	POI (annualized)
Profit/loss per unit	Rs./Kg	****	****	****	****	****
Index		(100)	(54)	(54)	(103)	(103)
Profit before tax	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
Index		(100)	(182)	(182)	(366)	(366)
PBIT	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
Index		(100)	(193)	(193)	(393)	(393)

Cash Profit	Rs./Kg	****	****	****	****	****
Index		(100)	(129)	(129)	(255)	(255)
Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****	****
Index		(100)	(180)	(180)	(374)	(374)
Return on Investments – NFA %	%	****	****	****	****	****
Index		(100)	(116)	(116)	(238)	(238)

Market share of domestic industry

95. It is observed that market share of the domestic industry for Pen-G has increased during the injury period though it has declined significantly during the POI from the preceding year and remains very low. Though, the share of imports from subject country(ies) has declined during the injury period, it has remained significant during the injury period.

96. It is also noted that dumped imports from China PR capture a significant portion of 6-APA market and their share has increased in the POI. It is also noted that market share of domestic industry along with the supporter has significantly gone down during the injury period for the 6APA.

Penicillin - G	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Total Imports	000Bou	14,895	17,866	20,282	11,353	12,863
Sales of Domestic industry	000Bou	2,243	1,926	2,636	3,344	2,503
Demand	000Bou	17,138	19,792	22,918	14,696	15,365
Trend		100	115	134	86	90
6-APA	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Total Imports	MT	1,283	2,080	2,384	3,570	4,528
Sales- Alembic	MT	0	0	60	203	213

Sales – Alka (including job work)	MT	9	424	400	442	190
Demand	MT	1,291	2,504	2,844	4,215	4,931
Trend		100	194	220	326	382

Employment, productivity and wages

97. It is also noted that petitioners are multi product companies. There is no apparent adverse effect on account of these factors as has been mentioned below in numbers.

	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (annualized)	POI (annualized)
Employment (Nos)					
➤ Penicillin-G	****	****	****	****	****
Index	100	100	97	101	100
➤ 6-APA	****	****	****	****	****
➤ Index			100	85	85
Wages (Rs. Lacs)					
➤ Penicillin-G	****	****	****	****	****
➤ Index	100	77	123	162	144
➤ 6-APA	****	****	****	****	****
➤ Index			100	275	237
Productivity per employee					
➤ Penicillin-G (in '000 BOU)	****	****	****	****	****
➤ Index	100	92	147	180	159

➤ 6-APA (in MT)	****	****	****	****	****
➤ Index			100	344	297

Factors affecting domestic prices: -

98. Consideration of the import prices from China PR and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed value of imported material from subject country(ies) is the most important factor affecting the prices of the domestic industry. Further, the petitioners have claimed that the import prices of Chinese material have shown an erratic trend and this has also led to closure of plants by Indian producers at several instances during the injury period. The benchmark for the Indian producers' prices is the import prices from China PR in the case of 6 APA and China PR and Mexico in the case of Pen-G. Imports from other countries are in any case insignificant and are not benchmark for the domestic industry prices. There is no viable substitute to this product. Demand for the product was showing an increase for 6APA (as has been worked out separately in the para relating to market share in demand) and could not have been a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry. The shrinkage in demand of Pen-G during the POI could be attributed to the fact that imports of Pen-G dried up after petitions were filed by the domestic industry earlier and imports of 6APA increased significantly thereafter. It is thus noted that the only factors responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product and the cost of production of the domestic industry. It is further noted from the table below that whereas the cost of production increased, the dumped import prices from subject country(ies) at much lower than the domestic cost of production and aligning slightly higher than domestic selling prices, prevented the domestic industry from increasing their prices in line with the increase in the costs.

Penicillin-G	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08	Oct08-Mar09
Cost of Sales per BOU	****	****	****	****	****
Trend	100	109	140	135	144
Selling Price per BOU	****	****	****	****	****
Trend	100	104	169	155	133

6-APA	2007-08	Apr-Sep'08	Oct08-Mar09
-------	---------	------------	-------------

Cost of Sales per Kg	****	****	****
Trend	100	84	87
Selling Price per Kg	****	****	****
Trend	100	94	81

The magnitude of the margin of dumping: -

99. Authority notes that dumping margin for large volume of exports for Penicillin G from China and Mexico and for 6-APA from China is not only more than de-minimis but also very significant. The margin of dumping for the large volume of exports of both the subject goods from subject country(ies) is considered significant.

Inventories: -

100. There is no adverse effect on the inventories during the POI if compared with the base year. However, as noted below, the inventories started building from 2006-07 onwards and were at very high level for the Pen-G. However, these have declined significantly for 6APA during the same period.

Average Inventories	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08	Oct08-Mar09
➤ Penicillin-G ('000 BOU)	116	33	41	82	116
Trend	100	28	35	71	100
➤ 6-APA (Kg)			309	324	30
Trend			100	105	10

Growth: -

101. Growth of the domestic industry in terms of a number of parameters, both volume and price, is negative. It has also been claimed that dumping in the past has led to a situation of plant closures.

Penicillin-G	2005-06	2006-07	2007-08	April 08-Sep 08	Oct08-Mar09
Production	% -	(5-10)	40-60	20-30	(10-15)
Domestic Sales Volume	% -	(8-12)	20-30	6-12	(20-30)
Domestic Sales Value	% -	(5-10)	80-120	(1-2)	(30-50)
Sales Price Per KG	% -	3-5	50-70	(5-10)	(12-16)

Cost of Sales - Per BU	% -	12-16	20-25	(2-5)	5-10
6-APA			2007-08	April 08-Sep 08	Oct08-Mar09
Production	%		-	150-250	(10-20)
Domestic Sales Volume	%		-	200-250	3-5
Domestic Sales Value	%		-	200-250	(8-12)
Sales Price Per KG	%		-	(4-8)	(12-16)
Cost of Sales - Per KG	%		-	(12-20)	2-5

Ability to raise capital investments: -

102. Both the petitioner companies are multi product companies. However, given the state of affairs of the constituents of the Indian industry where one of the petitioners has shut down operations even after initiation of the present investigations and the other company is in acute losses, dumping of the product would certainly have adverse impact on the ability of the domestic industry to raise capital investment.

Lost sales

103. During the investigations, the Domestic industry provided evidence showing that the customers demanded lower prices, citing current market prices, based on offers for sale by the Chinese producers. Evidence has also been provided to show that the Chinese producers have reduced the prices substantially during the course of negotiations with the customers. The Domestic industry has argued that they are forced to reduce the prices based on such offer, or loose the orders from the customers.

Magnitude of Injury and injury margin

104. The non-injurious prices for the subject good has been compared with the landed value of the exports from the subject country for the same description for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exporters from the subject country and their injury margins have been worked out as follows:

Pen-G

Exporter	Country	Dumping Margin in US\$ per BOU	Dumping Margin %	Injury Margin in US\$ per BOU	Injury margin %
----------	---------	--------------------------------	------------------	-------------------------------	-----------------

Zhang Jia Kou Gist-Brocades Pharmaceuticals and DSM Trading(Shanghai) Co.	China	(****)	(****)	(****)	(****)
Non-Co-operative producers/exporters	China	****	40.05	****	20-30
M/s. Fersinsa GB and DSM Netherlands	Mexico	****	24.60	****	20-30
Non Co-operative producers/exporters	Mexico	****	34.25	****	30-40

6APA

Exporter	Country	Dumping margin	Dumping Margin %	Injury margin	Injury margin %
Zhang Jia Kou DHA Pharmaceutical (DHA) and DSM Trading(Shanghai) Co.	China PR	****	13.58	****	25-35
Aurobindo (Datong) Bio-Pharma	China PR	****	10.34	****	50-60
Non-Co-operative producers/exporters	China PR	****	36.01	****	50-60

Conclusions:**Conclusions on injury of Pen- G**

105. (i) It is noted from the above that volume of dumped imports of subject good from subject countr(ies) increased significantly in absolute terms till 2007-08 before it declined during first half of 2008-09 and after that it has again increased during POI. It is further noted that dumped imports of Penicillin-G from subject countries have increased significantly in relation to consumption in India and has been very significant in terms of production of domestic industry throughout the injury period. It is further noted that market share of dumped imports in total imports have been 100% throughout injury period and it has been consistently significant (over 80%) in the total demand during the same time. In terms of price effect, it is noted that import prices have shown too significant fluctuations, disproportionate to the changes in the cost

structures. It is further noted that even though the average price undercutting during the investigation period was negative, the prices in the domestic market were directly impacted by the dumped imports of subject goods from subject countries. It has been determined that dumped imports are leading to price suppression and significant price underselling. It has been claimed by the domestic industry that selling prices of the domestic industry were materially below the prices notified by the Govt. of India through DPCO.

106. On the impact of volume and price effect on the domestic industry, it is noted that the market share of the domestic industry has seen a marginal increase of 2 percentage points during the injury period which is considered very paltry even when its production and capacity utilisation has shown an increase during the injury period. It is further noted that performance of the domestic industry over the injury period improved with the increase in the import prices and deteriorated with the decline in the import prices. Further, performance of the domestic industry after improvement upto Sept., 2008, declined steeply thereafter with the significant reduction in the import prices thereby impacting adversely in terms of, collectively and cumulatively, production, sales, capacity utilization, market share, profits, return on investments, cash profit during the POI. It is also noted that one of the constituents of the domestic industry has claimed to have suspended production after the investigation period in view of significant financial losses. Examination of the various parameters confirms that the domestic industry has suffered material injury.

Conclusions on injury of 6APA

107. It is noted that dumped imports of 6-APA from China PR remained at low levels earlier, but increased significantly, particularly after initiation of previous anti dumping investigation of pen-G, in absolute terms and in relation to production and consumption in India. The market share of dumped imports from subject country in total imports as well as in demand has increased significantly during the injury period. For assessing the price effects, it is noted that import prices from subject country have shown too significant fluctuations, in line with the fluctuations in the prices of Penicillin-G, thus suggesting a correlation that dumping of Penicillin-G might be leading to dumping of 6-APA as well, particularly after initiation of previous anti dumping investigations of Pen-G by the Authority. It is further noted that even though the average price undercutting during the investigation period was negative, the prices in the domestic market are directly impacted by the dumped imports of subject goods from subject country. It has been further noted that dumped imports are leading to price suppression and significant price underselling.

108. Performance of the domestic industry over the injury period shows that the same improved with the increase in the import prices and deteriorated with the decline in the import prices. Further, performance of the domestic industry after improvement upto Sept., 2008, declined steeply thereafter with the significant reduction in the import prices in terms of, collectively and cumulatively, production, sales, capacity utilization, market share, profits, return on investments, cash profit. Examination of the various parameters confirms that the domestic industry has suffered material injury.

G. Causal Link and Other Factors

109. The Authority has examined existence of causal link between the dumped imports and injury suffered by the domestic industry in the light of the arguments of the interested parties and having regard to the Rules in this regard.

Effect of other known listed parameters

110. The Authority examined the issue of causal link and other non-attributive factors as laid down in the Rules to segregate injury, if any, caused by other factors. In this regard, the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

(a) The Authority notes that there are negligible imports of the products under consideration from other countries during the POI. In fact, share of subject imports has significantly increased over the injury period and reached nearly 100% during the POI. Imports from third countries could not have therefore caused injury to the domestic industry.

Performance of Other Domestic producers

(b) The petitioners have claimed that there were other producers of Pen-G in India, who have long back shut down operations as a result of severe dumping. It has been claimed that the petitioners are also finding hard to sustain production activities in view of intensified dumping.

(c) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

The Authority has not found any trade restrictive practice followed by the domestic industry. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market.

(d) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

There is a contraction in the overall demand during the period under consideration for Pen-G. However, it has been claimed that the demand has increased over the injury period after considering Penicillin-G and Penicillin-G equivalent of 6-APA. Therefore, any possible decline in demand may not be a factor, which could have caused injury to the domestic industry. Further, there is no contraction in demand for 6 APA and in fact demand has grown significantly. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, nor does it appear that changes in the pattern of consumption could have inflicted the injury to the domestic industry.

(e) Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry

Technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

(f) Export performance - The petitioners have provided information with regard to exports separately. The Authority notes that injury claimed by the domestic industry is on account of domestic operations.

(g) Productivity – Productivity of the domestic industry has improved.

From the foregoing, it is evident that the domestic industry has not suffered material injury due to other factors.

Factors establishing causal link and conclusion on causal link for Pen-G and 6APA

111. The Authority conducted an analysis of the performance of the domestic industry vis a vis subject goods over the injury period. It is noted that the performance of the domestic industry has materially deteriorated during the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- (i) There is significant correlation between the prices offered by the domestic industry and Foreign Producers from subject countr(ies). It is further noted that even when the domestic industry has been offering sub-optimal prices and lowering its prices, it is also loosing sales. Thus, decline in sales volumes is a direct consequence of dumped imports from the subject country (ies);
- (ii) It is further noted that decline in sales volumes has resulted in reduction in the selling prices. Further, to keep its plant running, it is selling the both the subject goods at prices significantly below its cost of production. As a direct consequence, the profits of the domestic industry declined so rapidly that the domestic industry went into a situation of financial losses from a situation of profits;
- (iii) It is noted that reduction in profits directly resulted in deterioration in return on capital employed and cash flow. Thus, deterioration in profits, return on capital employed and cash flow is provisionally attributed due to dumped imports of subject goods from subject countr(ies).;
- (iv) It is also noted that consistent decline in sales volumes has adversely affected the production and capacity utilization. It is noted that decline in production and capacity utilization is due to dumped imports.

Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from the subject country (ies).

H Conclusions:

112. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:

- (a) The products under consideration (both Pen-G and 6 APA) have been exported to India from the subject country (ies) (China PR and Mexico for Pen-G and China PR for 6 APA respectively) below their normal values.
- (b) The domestic industry for both the products under consideration has suffered material injury.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports of subject goods (Pen-G and 6 APA) from the subject country (ies).

I Indian industry's interest & other issues

113. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country (ies) in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

114. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J Recommendations

115 The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is required to offset dumping and injury. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

116. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

Col. No.	1	2	3	4	5	6	7	8	9
SN	Heading/ subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount of duty	Unit	Currency
1	29411010	Penicillin-G Potassium	China PR	China PR	Zhang Jia Kou Gist-Brocades Pharmaceutical Co. Ltd.	DSM Trading (Shanghai) Co. Ltd.	Nil	BOU	US\$
2	29411010	-do-	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sr. nos. 1 above		2.17	BOU	US\$
3	29411010	-do-	China PR	Any country other than subject countries	Any	Any	2.17	BOU	US\$
4	29411010	-do-	Any country other than subject countries	China PR	Any	Any	2.17	BOU	US\$
5	29411010	-do-	Mexico	Netherlands	Fersinsa Gb	DSM Anti- Infectives B.V.	1.93	BOU	US\$
6	29411010	-do-	Mexico	Mexico	Any combination other than mentioned in Sr. no. 5 above		2.50	BOU	US\$
7	29411010	-do-	Mexico	Any country other than subject countries	Any	Any	2.50	BOU	US\$
8	29411010	-do-	Any country other than subject countries	Mexico	Any	Any	2.50	BOU	US\$

9.	29411050	6-APA (6-Amino Penicillanic Acid)	China PR	China PR	Zhang Jia Kou DHA Pharmaceutical Co. Ltd.	*DSM Trading (Shanghai) Co. Ltd.	4.13	Kg	US\$
10.	29411050	-do-	China PR	China PR	Aurobindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd.	Aurobindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd.	2.66	Kg	US\$
11	29411050	-do-	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sr. nos. 9 and 10 above		9.28	Kg	US\$
12	29411050	-do-	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	9.28	Kg	US\$
13	29411050	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	9.28	Kg	US\$

Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

117. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 11th February, 2010.

118. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority